3 | राजधानी
बर्फीली हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

6 | अभिमत
स्वामी विवेकानंद की असाधारण बुद्धिमत्ता

10 | विदेश
रूस ने अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने पर दी चेतावनी

11 | विविध
स्मार्ट समाधानों के साथ सफलता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 69
नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पंत ने दूसरी पारी में लगाया शतक

स्पोर्ट्स-12

कोविड-19 पर लगाम लगे, अर्थव्यवस्था न रुके

- कोरोना को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में पीएम मोदी ने दिए कई अहम सुझाव
- लोगों की आजीविका टीकाकरण, कोविड नियमों का पालन, लोकल कंटेनमेंट जोन पर दिया जोर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामलों में बेतहाशा वृद्धि के बीच गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात की समीक्षा के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने मुख्यमंत्रियों से कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए ऐसे उपाय अपनाएं जिनसे आजीविका प्रभावित न हो और आर्थिक नुकसान कम से कम हो। पीएम मोदी ने टीकाकरण और स्थानीय कंटेनमेंट जोन बनाने पर अधिक जोर दिया। संक्रमण को हम जितना सीमित रख पाएंगे, परेशानी उतनी ही कम होगी।

सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संवाद के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के अन्य स्वरूपों के मुकाबले ओमीक्रोन बहुत अधिक तेजी से बढ़ रहा है और देश के वैज्ञानिक व स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ इसका लगातार अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बात साफ है कि हमें सतर्क और सावधान रहना है, लेकिन यह भी ध्यान रखना है कि भय का वातावरण न बने। आने वाले त्योहारों के मौसम के मद्देनजर लोगों के साथ ही प्रशासन की भी मुस्तैदी में कमी नहीं आनी चाहिए। महामारी से लड़ने के लिए भारत की तैयारियों का विस्तृत ब्योरा देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन से लड़ने के अलावा देश को इस वायरस के भविष्य में सामने आने वाले किसी भी स्वरूप से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। इस ऑनलाइन बैठक में लगभग सभी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कोरोना से इस लड़ाई में हमें एक और बात का बहुत ध्यान रखना होगा। अब हमारे पास लड़ाई का दो वर्ष का अनुभव है। देश की तैयारी भी है। सामान्य लोगों की आजीविका और आर्थिक गतिविधियों को कम से कम नुकसान हो। अर्थव्यवस्था की गति भी बनी रहे। कोई भी रणनीति बनाते समय हम इन बातों को ध्यान में रखें। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए स्थानीय स्तर पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि इस दौरान टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट (परीक्षण, निगरानी और उपचार) की व्यवस्था जितनी बेहतर होगी, उतना ही अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम होगी। देश में जारी टीकाकरण अभियान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अग्रिम मोर्चे के कर्मियों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों को एहतियाती खुराक जितनी जल्दी लगेगी, उतना ही देश के स्वास्थ्य देखभाल ढांचे पर कम बोझ पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कि आज भारत लगभग 92 प्रतिशत वयस्क जनसंख्या को टीकों की पहली खुराक दे चुका है और लगभग 70 प्रतिशत लोगों को दोनों खुराक (शेष पेज 9)

लगातार बढ़ रहे कोरोना के केस दिल्ली के हालात और चिंताजनक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्रियों की यह बैठक ऐसे समय हुई जब कोरोना बहुत तेजी से फैल रहा है। बृहस्पतिवार को देश में कोरोना वायरस के 2,47,417 और ओमीक्रोन वैरिएंट के एक दिन में 620 मामले आए।

ओमीक्रोन का यह अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। देश में ओमीक्रोन वैरिएंट के 5,488 मामले हो गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को 28,867 नए मामलों के साथ संक्रमण दर 29 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 31 लोगों की मौत भी हुई। शहर में बुधवार को 27,561 केस आए थे और 40 मौतें दर्ज की थीं। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से और छह लोगों की मौत हुई है, जबकि 14,765 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इस दौरान राजधानी लखनऊ में सबसे ज्यादा 2213 मामले आए हैं। वहीं, गाजियाबाद में 1678, गौतमबुद्ध नगर में 1626 और मेरठ में 1197 नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई। बेंगलुरु में भी स्थिति उतनी ही खराब (शेष पेज 9)

तीन करोड़ किशोरों को लगी वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के कुल आठ करोड़ किशोर (15 से 18 साल) आबादी में तीन करोड़ से अधिक किशोरों को बुधवार तक वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। ज्ञात रहे कि 3 जनवरी से किशोरों के लिए देशव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए अभी तक स्वदेश निर्मित भारत बायोटेक कोवैक्सीन लगाई जा रही है। कोविन पोर्टल के अनुसार, अब तक कुल 3,06,60,329 किशोरों का टीकाकरण (शेष पेज 9)

ओमीक्रोन से होने वाली मौतें .25 फीसदी पर स्थिर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन से होने वाली मौतें पूरी दुनिया में लगभग .25 फीसदी पर स्थिर हो गई हैं। विश्वभर में बुधवार को 3,238,025 नए मामले दर्ज किए गए और 8,425 लोगों की मौत हुई। अमेरिका ने 8,29, 2928 मामलों और 2283 मौतों की सूचना दी, जो वैश्विक संदर्भ में और अमेरिका के लिए लगभग .25 फीसदी है। यूरोपीय देशों में फ्रांस ओमीक्रोन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। जहां बुधवार को 3.61 लाख नए मामले आए और सिर्फ 246 मौतें हुईं। दरअसल, फ्रांस भारत समेत अधिकांश अन्य देशों की तुलना में बेहतर तरीके से कोरोना वायरस का प्रबंधन कर रहा है। भारत में बुधवार को 2.47 लाख मामले आए।

उत्तर प्रदेश में बढ़ी हलचल खुलने लगे दलों के पत्ते

- स्वामी प्रसाद मौर्या और दारा सिंह के बाद धर्म सिंह सैनी सरकार छोड़ने वाले तीसरे मंत्री
- अब तक दस से ज्यादा विधायकों ने भी छोड़ा भाजपा का दामन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी की राजनीति में चुनाव से पहले आया तूफान अभी थमा नही है। लगातार तीसरे दिन आज सरकार के एक और मंत्री धर्म सिंह सैनी ने अपना त्याग पत्र दे दिया। अपने इस्तीफे की जानकारी श्री सैनी ने पहले ट्वीट करके और फिर त्यागपत्र की मीडिया को जारी करके दी। इसके पहले लखीमपुर खीरी की धौरहरा विधानसभा सीट से पांच बार के विधायक और भाजपा नेता बाला प्रसाद अवस्थी ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह सपा कार्यालय पहुंचे।

विनय शाक्य ने भी इस्तीफा दे दिया और सपा कार्यालय पहुंचे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार से हटने वाले अन्य मंत्रियों की तरह ट्वीट करके धर्म सिंह सैनी की अपने साथ फोटों साझा की है और उनका सपा में स्वागत किया है। उन्होंने लिखा कि सामाजिक न्याय के एक और योद्धा डॉ धर्म सिंह सैनी के आने से, सबका मेल मिलाप मिलन कराने वाली हमारी सकारात्मक और प्रगतिशील राजनीति को और भी उत्साह व बल मिला है।

सपा में उनका ससम्मान हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। आगे उन्होंने कहा कि बाइस में समावेशी सौहार्द की जीत निश्चित है। विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतन्त्र देव सिंह डिप्टी सीएम केशव मौर्या दिनेश शर्मा तथा सुनील बंसल सहित राज्य के प्रमुख भाजपा नेता जब दिल्ली में थे तभी दो दिन पहले स्वामी (शेष पेज 9)

बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, पांच की मौत-कई घायल

भाषा। कोलकाता/दिल्ली/गुवाहाटी

पश्चिम बंगाल के जलपाइगुड़ी जिले में दोमोहोनी के निकट बृहस्पतिवार को बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के 12 डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए, जिसके चलते कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 45 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुवाहाटी में पूर्वोत्तर प्रांतीय रेलवे (एनएफआर) के एक प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना एनएफआर के अलीपुद्वार संभाग के अंतर्गत एक इलाके में शाम करीब 5 बजे हुई। दुर्घटनास्थल गुवाहाटी से 360 किलोमीटर से अधिक दूर है।

नई दिल्ली में रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त दुर्घटना के कारणों की जांच करेंगे। अधिकारी ने बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और महानिदेशक (सुरक्षा) भी दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो रहे हैं। जलपाइगुड़ी की जिला मजिस्ट्रेट मौमिता गोदारा बसु ने कहा, अब तक लगभग 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। गुवाहाटी में एनएफआर के एक प्रवक्ता ने कहा कि मेडिकल टीम को लेकर एक राहत एवं बचाव ट्रेन दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई है। कोविड-19 स्थिति की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दुर्घटना के बारे में जानकारी हासिल की। बनर्जी ने प्रधानमंत्री को राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में जानकारी दी। बनर्जी ने इस संबंध में जलपाइगुड़ी के जिला मजिस्ट्रेट से बात की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार छह बोगियां गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। एक यात्री ने कहा, हम अचानक झटका लगा। हम सब जोर-जोर से हिल रहे थे और ऊपर की सीट पर रखा सामान इधर-उधर गिर गया।

आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त एक डिब्बा टक्कर के कारण दूसरे डिब्बे के ऊपर चढ़ गया, जबकि कुछ डिब्बे ढलान से उतरकर पलट गए। आस-पास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए, और उन यात्रियों की (शेष पेज 9)

सीएम उम्मीदवार के चयन में नया प्रयोग कर रही आप

- पंजाब में पार्टी ने जारी किया मोबाइल नंबर 7074870748 इस पर व्हाट्सएप या एसएमएस कर बताएं अपनी पसंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करने के लिए जनता से राय लेने का नया प्रयोग करने जा रही है। इसके लिए पार्टी ने बृहस्पतिवार को एक मोबाइल नंबर 7074870748 जारी किया है, जिस पर राज्य के लोग एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए अपनी पसंद के उम्मीदवार का नाम लिखकर भेज सकते हैं। पंजाब में 14 फरवरी को मतदान होगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जो मोबाइल नंबर जारी किया गया है, उस पर पूरे पंजाब के लोग 17 जनवरी की शाम 5 बजे तक एसएमएस, वाट्सएप अथवा कॉल करके अपने मन पसंद सीएम चेहरे का नाम बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के बाद ऐसा प्रयोग पहली बार हो रहा है। आज तक किसी पार्टी ने जनता से नहीं पूछा कि सीएम उम्मीदवार कौन होना चाहिए? हम पूछ रहे हैं और जिसे जनता कहेगी, उसे हम सीएम बनाएंगे। लोगों के जवाब के आधार पर आम आदमी पार्टी अपना मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन करेगी। आप संयोजक केजरीवाल ने कहा कि सभी सर्वे बता रहे हैं कि उनकी पार्टी को 57 से 60 सीटें मिल रही हैं और सरकार बनने में बस दो कदम और बचे हैं। कार्यकर्ता और वॉलंटियर्स मेहनत से काम करें ताकि पार्टी को 60 नहीं, 80 सीटें हासिल हों। पंजाब दौरे पर आए आम आदमी पार्टी के (शेष पेज 9)

धर्म संसद नफरती भाषण केस में रिजवी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित धर्म संसद में कथित तौर पर घृणा फैलाने वाले भाषण देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में ही दो अन्य आरोपियों यति नरसिंहानंद और साध्वी अन्नपूर्णा को पेश होने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। ये तीनों उन दस अन्य लोगों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ मामले में प्राथमिकी दर्ज है। उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि रिजवी को जहां गिरफ्तार किया गया है, वहीं यति नरसिंहानंद और साध्वी अन्नपूर्णा को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 के तहत पेश होने के लिए नोटिस भेजे गए हैं। यति नरसिंहानंद उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित डासना मंदिर के पुजारी हैं। वह अपने बयानों को लेकर पहले भी विवादों में रहे हैं। यति नरसिंहानंद (शेष पेज 9)

व्यवसाय प्रमाणपत्र लेने में बिल्डर की विफलता, सेवा में कमी: सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि उपभोक्ता संरक्षण कानून, 1986 के तहत किसी बिल्डर द्वारा मकान में रहने योग्य कब्जा प्रमाणपत्र प्राप्त करने में विफलता सेवा में कमी का मामला है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि यदि आवास खरीदार कब्जा प्रमाणपत्र की कमी के कारण उच्च करों और पानी के शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर होते हैं तो बिल्डर पैसे वापस करने के लिए उत्तरदाई होगा।

शीर्ष अदालत राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निपटारा आयोग (एनसीडीआरसी) के एक आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एक सहकारी हाउसिंग सोसाइटी द्वारा बिल्डर की चूक के कारण नगर निकाय प्राधिकारों को भुगतान किए गए अतिरिक्त करों और शुल्कों की वापसी की मांग को खारिज कर दिया गया था। एनसीडीआरसी ने शिकायत को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह उपभोक्ता विवाद स संबंधित नहीं बल्कि वसूली की प्रक्रिया से संबंधित मामला है। याचिकाकर्ता सोसायटी के अनुसार, बिल्डर नगर निगम से कब्जा प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए कदम उठाने में विफल रहा।

याचिका में कहा गया कि कब्जा प्रमाणपत्र नहीं रहने के कारण फ्लैट के मालिक बिजली और पानी के कनेक्शन के लिए पात्र नहीं थे। सोसायटी के प्रयासों से प्राधिकारों ने अस्थाई तौर पर पानी और बिजली के कनेक्शन दिए। हालांकि, अपीलकर्ता सदस्यों को सामान्य दर से 25 प्रतिशत अधिक की दर से संपत्ति कर और पानी के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	61,235 ↑ 85	
निफ्टी	18,257 ↑ 45	
सोना	46,919 ↑ 119	/10g
चांदी	60,777 ↑ 745	/kg

क्विक न्यूज

देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 216 दिनों में सबसे अधिक

नई दिल्ली। भारत मे कोरोना वायरस के, 236 दिनो मे सबसे अधिक 2,47,417 नए मामले आए है जिनमे ओमीक्रोन स्वरूप के 5,488 मामले शामिल है। इसके साथ ही महामारी के कुल मामलो की संख्या बढ़कर 3,63,17,927 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ो के अनुसार, देश मे ओमीक्रोन स्वरूप के एक दिन मे 620 मामले आए जो अब तक सर्वाधिक मामले है और इसी के साथ ही कोरोना वायरस के इस स्वरूप के मामले बढ़कर 5,488 हो गए है। इनमें से 2,162 लोग स्वस्थ हो गए या देश छोड़कर चले गए है। आंकड़ो के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 11,17,531 हो गई है जो 216 दिनो मे सर्वाधिक है जबकि 380 मरीजो के जान गंवाने से मृतको की संख्या बढ़कर 4,85,035 हो गई है।

भारत-चीन सीमा वार्ता बेनतीजा

भाषा। नई दिल्ली

भारत और चीन की सेनाओं के बीच 14वें दौर की वार्ता में कोई सफलता नहीं मिली और दोनों पक्ष करीबी संपर्क बनाए रखने तथा शेष मुद्दों के यथाशीघ्र परस्पर स्वीकार्य समाधान के लिए वार्ता जारी रखने को सहमत हुए। एक संयुक्त बयान में यह कहा गया है। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे ने बुधवार को कहा था कि भारत 14वें दौर की वार्ता में पूर्वी लद्दाख में गश्त बिंदु 15 (हॉट स्प्रिंग्स) पर सैनिकों को पीछे हटाने से जुड़े मुद्दों के हल के लिए आशान्वित था।

भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 14वें दौर की बैठक बुधवार को चीन की ओर चुशुल-मोल्दो सीमा बैठक स्थल पर हुई थी। संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों के रक्षा और विदेश मामलों से संबंधित प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे। इसमें कहा गया है, दोनों पक्षों ने पश्चिमी सेक्टर (लद्दाख सीमा) में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर संबद्ध मुद्दों के समाधान के लिए खुलकर और गहराई से विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया है कि वे इसे लेकर सहमत हुए कि दोनों पक्षों को दोनों देशों के नेतृत्व द्वारा उपलब्ध कराए गए दिशानिर्देश का पालन करना चाहिए तथा शेष मुद्दों के यथाशीघ्र हल के लिए काम करना चाहिए। संयुक्त बयान में कहा गया है, यह जिक्र किया गया कि इससे पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर शांति एवं स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हो सकेगा। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्ष पूर्व के नतीजों पर दृढ़ता से अमल करने और सर्दियों के मौसम में भी पश्चिमी सेक्टर में धरातल पर सुरक्षा एवं स्थिरता कायम रखने के लिए प्रभावी (शेष पेज 9)

जादू-टोना करने के शक में ग्रामीणों ने महिला को जिंदा जलाया, हालत गंभीर

भाषा। सिमडेगा (झारखंड)

डायन बिसाही के नाम पर 60 साल की महिला को जिंदा जलाने का प्रयास करने के मामले में सिमडेगा जिला पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। महिला को बुरी तरह झुलसी हुई अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। गौरतलब है कि झारखंड के सिमडेगा जिले में पिछले 10 दिनों में भीड़ द्वारा हत्याहत्या का प्रयास किए जाने का यह दूसरा मामला है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि 60 वर्षीय महिला झरियो देवी को जिंदा जलाने के प्रयास के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि बुरी तरह से झुलसी झरियो देवी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित थेथाइतंगर थाना क्षेत्र के कुडपानी (शेष पेज 9)

भारत में अब और पसर गई हरियाली

- पिछले दो वर्षों में पेड़, वन क्षेत्र में 2261 वर्ग किमी की बढ़ोतरी हुई: रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

भारत में पिछले दो वर्षों में वृक्ष एवं वन क्षेत्र में 2,261 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर), 2021 में दी गई है। इसके मुताबिक, सबसे अधिक 647 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र की बढ़ोतरी आंध्रप्रदेश में हुई है। देश के वन संसाधनों के आकलन पर फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) की द्विवार्षिक रिपोर्ट केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को जारी की। उन्होंने कहा कि 2019 की तुलना में देश में वन एवं पेड़ क्षेत्र में हुई कुल वृद्धि में, 1540 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र और 721 वर्ग किलोमीटर वृक्षों के क्षेत्र में बढ़ोतरी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्र आठ करोड़ नौ लाख हेक्टेयर हो गया है जो भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 24.62 फीसदी है। वन क्षेत्र में बढ़ोतरी के मामले में पांच शीर्ष राज्यों में आंध्र प्रदेश (647 वर्ग किलोमीटर), तेलंगाना (632 वर्ग किलोमीटर), ओडिशा (537 वर्ग किलोमीटर), कर्नाटक (155 वर्ग किलोमीटर) और झारखंड (110 वर्ग किलोमीटर) शामिल हैं। देश में मध्यप्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश है जिसके बाद अरूणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र में सबसे अधिक वन क्षेत्र हैं। वर्तमान आकलन से पता चलता है कि 17 राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशों में भौगोलिक क्षेत्र का 33 फीसदी हिस्सा वन क्षेत्र है।

पूर्वोत्तर में सिमटा जंगल

भाषा। नई दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले दो वर्षों में वन क्षेत्र में 1020 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। यह जानकारी देश के हरित क्षेत्र के आकलन पर बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में दी गई है। पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से जारी इंडिया स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2021 में बताया गया है कि पूर्वोत्तर राज्यों में कुल वन क्षेत्र 1,69,521 वर्ग किलोमीटर है, जबकि कुल भौगोलिक क्षेत्र 2,62,179 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 7.98 फीसदी है। पूर्वोत्तर के आठ राज्यों का वन क्षेत्र देश के कुल वन क्षेत्र का 23.75 फीसदी हैं। अरूणाचल प्रदेश में सबसे अधिक 257 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र का नुकसान हुआ है, जबकि मेघालय में 249 वर्ग किलोमीटर, नगालैंड में 235 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 186 वर्ग किलोमीटर, असम में 15 वर्ग किलोमीटर, त्रिपुरा में चार वर्ग किलोमीटर और सिक्किम में एक वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार देश का यह क्षेत्र झूम खेती के लिए मशहूर है जहां वन भूमि को कृषि भूमि में तब्दील किया जाता है और खेतों में अपेक्षाकृत कम समय के लिए खेती की जाती है।

कोरोना से जंग : परामर्श के लिए 24 घंटे उपलब्ध होंगे चिकित्सक

गौतमबुद्धनगर के नोडल अधिकारी ने लिया कमांड सेंटर का जायजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में कोविड-19 के नोडल अफसर नरेंद्र भूषण ने निगरानी समितियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। सीईओ ने हर निगरानी समिति के पास दो-दो मेडिसिन किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इससे पहले नोडल अफसर ने नोएडा के सेक्टर-127 स्थित इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने 24 घंटे डॉक्टरों से परामर्श की सुविधा दिलाने के निर्देश दिए। नरेंद्र भूषण ने कमांड सेंटर के लैंडलाइन फ ोन से खुद संक्रमित से बात की और उसके आइसोलेशन व इलाज के बारे में जानकारी ली।

शासन ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण को जिले में कोविड का नोडल अधिकारी का जिम्मा सौंपा है। इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर पहुंचे नोडल अधिकारी ने वहां तैनात चिकित्सक और अन्य कर्मचारियों से बातचीत की। उनसे जिले में कोविड की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कमांड सेंटर के नंबर से कॉल करके खुद संक्रमित से बातचीत की। उससे होम आइसोलेशन व उपचार के बारे में जानकारी ली।

नरेंद्र भूषण ने कमांड सेंटर में बने होम आइसोलेशन सेल, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग सेल, एडमिशन एवं डिस्चार्ज सेल में तैनात कर्मचारियों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि जैसे ही किसी व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी मिले, उसे तत्काल सूचित करें और आइसोलेट होने के लिए जागरूक करें, ताकि उससे अन्य लोग संक्रमित होने से बच जाएं।

नोडल अफ सर ने कोविड कमांड सेंटर के कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आप ऐसे दुश्मन से लड़ रहे हैं जो कि दिखता नहीं है। आप लोगों को बता रहे हैं कि वे इस अनदेखे दुश्मन से कैसे बचें। इंटीग्रेटेड कोविड कमांड कंट्रोल सेंटर का नंबर-18004192211 है। कोविड से जुड़ी किसी भी जानकारी या मदद के लिए लोग इस नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इस दौरान एडीएम भू अध्याप्ति बलराम सिंह और कमांड सेंटर के इंचार्ज भी मौजूद रहे।

सेक्टर-127 स्थित इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण करते नोडल अधिकारी नरेंद्र भूषण। फोटो : दीपक यादव

नोएडा में 1626 लोग मिले संक्रमित

जनपद गौतमबुद्ध नगर जिले में बृहस्पतिवार सुबह तक कोरोना वायरस संक्रमण के 1626 मरीज सामने आये हैं । इसके बाद जिले में उपचाराधीन मरीजों की संख्या दस हजार के पार चली गयी है । एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिला निगरानी अधिकारी सुनील दोहरे ने बताया कि जिले में संक्रमण के नये मामले सामने आने के साथ ही जिले में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 74,904 हो गयी है । दोहरे ने बताया कि जिले में उपचाराधीन मामलों की संख्या 10718 हो गयी है। उन्होंने बताया कि जिले में 207 लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं और ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 63718 हो गयी है । अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 468 लोगों की मौत हो चुकी है।

नगर आयुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग के साथ समीक्षा बैठक

गाजियाबाद। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने गुरुवार को कोविड-19 तथा स्वच्छ भारत मिशन के क्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

महेंद्र सिंह तंवर ने सर्वप्रथम डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों एवं सेकेंडरी कूड़ा कलेक्शन प्वाइंट के संबंध में जानकारी ली। साथ ही यूजर चार्जेस की वसूली के विषय में भी वार्ता की गई। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डोर टू डोर कूड़ा उठाने का कार्य में लगे वाहनों तथा सेकेंडरी कूड़ा कलेक्शन प्वाइंट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में नगर आयुक्त ने अफसरों को यूजर चार्ज की वसूली सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए।

गाजियाबाद में आरआरटी टीम की संख्या होगी दोगुनी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिला सर्विलांस अफसर को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सीएमओ डा. भवतोष शंखधर

कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अपनी व्यवस्था बढ़ाने में लगा है। इसी क्रम में जनपद में रैपिड रेस्पांस टीम बढ़ाने के निर्देश भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दिए हैं।

उन्होंने जिला सर्विलांस अधिकारी (डीएसओ) डा. आरके गुप्ता को निर्देश दिए हैं कि आरआरटी की संख्या बढ़ाकर कम से कम दोगुनी की जाए ताकि संक्रमण बढ़ने पर पॉजिटिव के पास आरआरटी तत्काल पहुंच सके।

● पहचान के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य को उपलब्ध कराए जाएंगे बैज

इसके साथ ही सीएमओ ने टीम के लिए बैज तैयार कराने के निर्देश भी दिए हैं ताकि आम जन दूर से देखकर टीम को पहचान सके और सही जानकारी उपलब्ध कराने में आमजन को कोई संकोच न हो।

सीएमओ डा. भवतोष शंखधर ने बताया-फिलहाल जनपद में सौ से अधिक आरआरटी काम कर रही हैं। लैब से पॉजिटिव रिपोर्ट जैसे ही कोविड कमांड कंट्रोल रूम पहुंचती है, आरआरटी दिए गए पते पर पहुंच जाती है और पॉजिटिव व उसके परिवार को जरूरी हिदायतों के साथ ही मेडिसिन किट उपलब्ध कराती है। इतना ही नहीं यदि पॉजिटिव की स्थिति गंभीर होती है तो आरआरटी ऐसे लोगों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराने की भी व्यवस्था करती है। साथ ही होम आइसोलेशन में रहने वालों का फालोअप करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही है। उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि आरआरटी को सही जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि टीम सही निर्णय ले सके और उपचाराधीन की जल्दी रिकवरी हो सके।

सीएमओ ने बताया आरआरटी के लिए बैज तैयार कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बैज पहनकर हर टीम फील्ड में जाए और आमजन इस टीम को पहचान सके। इससे आमजन को टीम से बात करने में संकोच नहीं होगा और वह सही जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने जनपद वासियों से कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने की अपील की है। घर से बाहर निकलें तो अच्छी तरह से मॉस्क अवश्य लगाएं। मॉस्क लगाने के साथ ही दूसरे व्यक्ति से कम से कम दो गज की दूरी पर रहें और अपने हाथों को समय-समय पर सेनेटाइज करते रहें। घर में हाथों की सफाई के लिए साबुन-पानी का इस्तेमाल करें।

कोटपा अधिनियम के उल्लंघन पर मारा छापा

इंदिरापुरम में छह दुकानदारों पर लगाया दो-दो सौ रुपए का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फूड एंड ड्रग विभाग के साथ सीएमओ आफिस और पुलिस की टीम ने मिलकर इंदिरापुरम में तंबाकू उत्पाद बेचने वाली दुकानों पर छापेमारी की। छापामार टीम में सीएमओ आफिस से डा. आशुतोष गौतम शामिल हुए।

डा. गौतम ने बताया कि कोटपा अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में छह दुकानों पर दो-दो सौ रुपए का जुर्माना किया गया। उन्होंने कहा कोविड काल में कोटपा अधिनियम का उल्लंघन और गंभीर हो जाता है।

दरअसल, खुली सिगरेट बेचना अधिनियम के तहत अपराध है और खुली सिगरेट बेचने में बार-बार सिगरेट पीने वाले दुकानदार के संपर्क में भी आते हैं। उन्होंने बताया- सिगरेट एंड अदर टोबेको प्रोडक्ट अधिनियम (कोटपा) अधिनियम 2003 धारा 6 (क) के तहत 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध है। दुकानों को बोर्ड दिखाना चाहिए कि तंबाकू उत्पाद की बिक्री 18 वर्ष से कम आयु के लिए प्रतिबंधित है।

दुकान पर जांच करते विभागीय टीम के सदस्य।

संक्षिप्त समाचार

फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को बांटे कंबल

नोएडा। हेल्पिंग हैण्डस समाज सेवी संस्था के द्वारा फु टपाथ पर कडाके की ठंड में रहने को मजबूर लोगों को रात्रि में कंबल वितरण के साथ ही गर्म चाय, स्वेटर और अलाव जलाने को लकडियां प्रदान की गयी। संस्था की अध्यक्ष रजनी कटारिया नें कहा कि बढ़ती ठंड में गरीबों को खुले में रात्रि विश्राम करना बहुत कठिन है जिससे बचाने हेतु हेल्पिंग हैण्डस समाज सेवी संस्था लगातार प्रयासरत है। संस्था की अध्यक्ष टीम के साथ रात्रि में सड़कों पर भ्रमण कर लोगों तक राहत पहुंचाने में सतत् संलग्न है। उन्होंने कहा कि जब तक ठंड का मौसम ना बीते तब तक हेल्पिंग हैण्डस समाज सेवी संस्था जरुरतमंदों को कंबल, चाय, स्वेटर, और अलाव जलाने हेतू लकडियां बांटती रहेगी।

महानगर कार्यालय पर लोहड़ी मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

भाजपा महानगर कार्यालय पर मनाई गई लोहड़ी

गाजियाबाद। महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय पर बड़ी घूमघाम से लोहड़ी का त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर महानगर कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने सभी को पटका पहनाकर स्वागत किया। संजीव शर्मा ने कहा कि लोहड़ी का पर्व पारंपरिक तौर पर फसल की कटाई और नई फसल के बुआई से जुड़ा हुआ है। लोहड़ी की अग्नि में रवि की फसल के तौर पर तिल, रेवड़ी, मूंगफली, गुड़ आदि चीजें अर्पित की जाती हैं। मान्यताओं के अनुसार, इस तरह सूर्य देव व अग्नि देव के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है कि उनकी कृपा से फसल अच्छी होती है और आनी वाली फसल में कोई समस्या न हो। आज के दिन हम सभी को एक और संगठित रहने की सीख भी मिलती है। महानगर कार्यालय पर ढोल की थाप पर कार्यकर्ताओं डांस का आनंद लिया। इन अवसर पर हातमा सिंह नागर, रुद्र प्रताप सिंह, पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, राजेश त्यागी, पार्षद साक्षी नारंग, पार्षद राजीव शर्मा, वेदप्रकाश खादी वाले, सुभाष शर्मा, धीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कलयुगी मां ने नवजात को कूड़े में फेंका, मौत

नोएडा। एक कलयुगी मां ने अपने पाप को छुपाने के लिए अपने नवजात को कड़कती ठंड में कूड़े के ढेर में फेंक दिया। जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिशनेरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के पास बीती रात को एक नवजात शिशु का शव पुलिस को मिला है। जांच में पता चला है कि बच्चा कुछ घंटे पहले ही पैदा हुआ था। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अवैध संबंधों के चलते यह बच्चा पैदा हुआ और कलयुगी मां ने अपने पाप को छुपाने के लिए बच्चे को फेंक दिया है।

रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड

सीआईएन : एल74899डीएल1976पीएलसी008036
पंजी. कार्यालय : यूनिट नंबर 8, भू तल, पाकेट एम, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन : 011-47366600, ई-मेल : info@rotoindia.co.in वेबसाइट : www.rotoindia.co.in

31 दिसम्बर, 2021 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु अ-लेखापरीक्षित पृथक्कृत वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण (लाख में)

विवरण	तिमाही समाप्त 31-12-2021 अ-लेखापरीक्षित	नौ माह समाप्त 31-12-2021 अ-लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 31-12-2020 अ-लेखापरीक्षित
परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	5.11	5.11	0.63
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	2.23	(1.64)	(1.81)
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	2.23	(1.64)	(1.81)
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदो के बाद)	2.23	(1.64)	(1.81)
अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	2.23	(1.64)	(1.81)
इक्विटी शेयर पूंजी	360.13	360.13	360.13
प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/- प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत (वार्षिककृत नहीं)	0.06	(0.05)	(0.05)

नोट्स :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कम्पनी की वेबसाइट www.rotoindia.co.in पर उपलब्ध है।
2. वित्तीय परिणाम कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015, कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) (संशोधन) नियमावली, 2016 द्वारा संशोधित के अधीन अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामो की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई थी तथा अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा 13-01-2022 को सम्पन्न उसकी बैठक में किया गया है।

वास्ते रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड
अंकित बंसल
कम्पनी सचिव
स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 13-01-2022

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी
नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पून: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है " एवं जिस भी स्थीत में है " के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	सोम्या जैन (कर्जदार), LBNOD00002007549	सी-3/125, टावर-सी3, 12वीं मंजिल, अरावली हाइट्स, सेक्टर 24, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, एरिया-1555 वर्ग फीट	रू. 71,02,820/- (दिसम्बर 24, 2021 तक)	रू. 31,00,000/- / रू. 3,10,000/-	जनवरी 18, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 03:00 बजे तक	फरवरी 05, 2022 सु. 11:00 बजे से
2.	धर्मेंद्र कुमार (कर्जदार)/ सुमिता सिंह (सह कर्जदार) LBNOD00002029333	सी-4/121, टावर- सी4 12वीं मंजिल, अरावली हाइट्स, सेक्टर 24, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, एरिया- 1548 वर्ग फीट	रू. 68,12,485/- (दिसम्बर 24, 2021 तक)	रू. 31,00,000/- / रू. 3,10,000/-	जनवरी 18, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 03:00 बजे तक	फरवरी 05, 2022 सु. 11:30 बजे से
3.	धर्मेंद्र कुमार (कर्जदार)/ सुमिता सिंह (सह कर्जदार) LBNOD00002030018	डी-5/134, टावर- डी5, 13वीं मंजिल, अरावली हाइट्स, सेक्टर 24, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, एरिया- 1207 वर्ग फीट	रू. 60,90,428/- (दिसम्बर 24, 2021 तक)	रू. 25,00,000/- / रू. 2,50,000/-	जनवरी 18, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 03:00 बजे तक	फरवरी 05, 2022 दो. 12:00 बजे से
4.	मांग राम जैन (कर्जदार)/ अनामिका जैन (सह कर्जदार) LBNOD00002011506	डी-2/134, टावर- डी2, 13वीं मंजिल, अरावली हाइट्स, सेक्टर 24, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, गुडगाँव, एरिया-1207 वर्ग फुट	रू. 54,15,438/- (दिसम्बर 24, 2021 तक)	रू. 25,00,000/- / रू. 2,50,000/-	जनवरी 18, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 03:00 बजे तक	फरवरी 05, 2022 दो. 12:30 बजे से
5.	मांग राम जैन (कर्जदार)/ अनामिका जैन (सह कर्जदार) LBNOD00002029715	डी-2/131, टावर- डी2, 13वीं मंजिल, अरावली हाइट्स, सेक्टर 24, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, गुडगाँव, एरिया-1207 वर्ग फुट	रू. 52,77,616/- (दिसम्बर 24, 2021 तक)	रू. 25,00,000/- / रू. 2,50,000/-	जनवरी 18, 2022 को दो.12:00 बजे से दो. 03:00 बजे तक	फरवरी 05, 2022 दो. 01:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी। बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **फरवरी 04, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पतियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक- **फरवरी 04, 2022** तक **शाम 05.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005** में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को दिनांक **फरवरी 04, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **दिल्ली** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।
सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तो तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **8657476284** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन नंबर **9710029933/ 9810029926/ 01244233933** पर संपर्क करे।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।
बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे।

तिथि : जनवरी 14, 2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली के समक्ष

चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 ओ.ए. सं. 428/2020
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, (आवेदक) विरूद्ध मैसर्स आस्था ज्वैलर्स एवं अन्य (प्रतिवादीगण)
सेवा में, 1. मैसर्स आस्था ज्वैलर्स (कर्जदार) इसके पार्टनर्स के माध्यम से, 2526/7, डीटीसी चैम्बर, बीडन पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 अन्य पता : 11/6, द्वितीय तल, दुर्गा कॉम्प्लेक्स, तिलक नगर, नई दिल्ली-110018 प्रतिवादी 1. 2. श्री श्याम सुंदर (पार्टनर एवं गारंटर) बीई-134, तृतीय तल, निकट न्यू इरा स्कूल, हरि नगर, बीई ब्लॉक, वेस्ट दिल्ली-110064 प्रतिवादी 2.
जबकि उपरोक्त नामक आवेदक ने आपके विरूद्ध रू. 9,17,17,140.33 (रुपए नौ करोड़ सत्रह लाख सत्रह हजार एक सौ चालीस तथा पैसे तेतीस मात्र) की वसूली के लिए एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषप्रद रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है। इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक 01-02-2022 को पूर्वा. 10.30 बजे विद्वान रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है (अतिरिक्त विवरण के लिए कृपया डीआरटी वेबसाइट **www.etribunal.gov.in** देखें फोन नंबर 011-23788473)। ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
वैश्विक महामारी की वर्तमान स्थिति के कारण, सभी मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से की जाएगी और उस प्रयोजन हेतु :- (प) सभी अधिवक्ता/विवादी ष्पेबव ॅमइमगष ऐप्लीकेशन/सॉफ्टवेयर डाउनलोड करेंगे ; (पप) रजिस्ट्रार/वसूली अधिकारी-I/तथा वसूली अधिकारी-II द्वारा मामलों की सुनवाई की अगली तिथि हेतु ष्डममजपदह प्क्ष तथा **"Password"** अगली तारीख से एक दिन पहले डीआरटी के आधिकारिक पोर्टल नामतः **"drt.gov.in"** पर सार्वजनिक सूचना शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध होगा। (पपप) किसी कार्याधिक्य की स्थिति में, अधिवक्ता/विवादी संबंधित पदाधिकारी से फोन नंबर 011-23744873 पर सम्पर्क कर सकते हैं। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 07 जनवरी, 2022 को दिया गया। प्रतिवादी आगे पूछताछ के लिए श्री अमित के. डार, विद्वान रजिस्ट्रार, डीआरटी-I, नई दिल्ली, से फोन नंबर 011-23744873 ई-मेल : **drt1deli-dfs@nic.in** पर सम्पर्क कर सकते हैं।

इस न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा, कृते रजिस्ट्रार

SBFC

SBFC Finance Pvt. Ltd.
(Erstwhile Small Business Fincredit India Pvt. Ltd.)
Address Unit No. 103, First Floor C&B Square, Sangam Complex, 127, Andheri-Kurla Road, Village Chakala, Andheri (East), Mumbai 400059 | Telephone: +91 22 67875300 | Fax: +91 22 67875334 | www.sbfc.com | Corporate Identity Number: U67190MH2008PTC178270

सार्वजनिक सूचना

जनता को यह सूचित किया जाता है कि उपयोग किये गए सोन के गहनों की नीलामी एसबीएफसी फायनैन्स प्रा.लि. द्वारा दिनांक **21 जनवरी 2022** को या उसके पश्चात 10 बजे क्षेत्रीय कार्यालय लाजपत नगर O-7, ऊपर लुक सलून, लाजपत नगर-II, नई दिल्ली-110024 नई दिल्ली-110024, फरीदाबाद शाखा D-2, पहली मंजिल, नजदीक 1-2 चौक फरीदाबाद हरियाणा और गुरुग्राम शाखा पहली मंजिल,प्रोपर्टी नं. 342/9, सुभाष नगर, नई रेलवे रोड, गुरुग्राम 122001,नॉएडा: प्लाट नंबर-5,ग्राउंड फ्लोर, वाइट कैसल होटल के सामने, डबरी रोड, सलारपुर, भंगेल, सेक्टर - 101, जनपद गौतम बुध नगर, नॉएडा - 201304 गाजियाबाद शाखा 2बी,RDC राज नगर, गाजियाबाद नजदीक SBI ब्रांच, हापुड़- पहली मंजिल, पीसी ज्वैलर्स के ऊपर, गढ़ परगना, पक्का बाग, गढ़ रोड़, हापुड-245101 पर की जाएगी।
नीलाम किए जाने वाले सोने के गहने उन सभी अतिदेय ग्राहक खातों से संबंधित है जो अपना बकाया देने में असमर्थ है। उधारकर्ताओं को नीलाम की नोटिस पंजीकृत डाक द्वारा विधिवत् जारी की गई है। नीलाम किए जाने वाले सोने के गहने नीचे दिये गये शाखा के अतिदेय ग्राहक खातों से संबंधित है।

Faridabad Branch, PR00916715/117101509, PR00872955/117101181, PR00846453/117100872, PR00787102/117100179, PR00916768/117101510, PR00873113/117101182, PR00846653/117100875, PR00819579/117100525, PR00917403/117101513, PR00875982/117101208, PR00846829/117100880, PR00819594/117100526, PR00917513/117101514, PR00879319/117101235, PR00848117/117100912, PR00822547/117100554, PR00919229/117101533, PR00880858/117101248, PR00848198/117100913, PR00822556/117100555, PR00919993/117101537, PR00882306/117101264, PR00850107/117100946, PR00823588/117100565, PR00920123/117101540, PR00883753/117101277, PR00850123/117100947, PR00823899/117100568, PR00921010/117101545, PR00884555/117101284, PR00854519/117100984, PR00826848/117100608, PR00924408/117101575, PR00884824/117101286, PR00856196/117100999, PR00827119/117100612, PR00926329/117101588, PR00886601/117101302, PR00857114/117101019, PR00827172/117100614, PR00926481/117101589, PR00888483/117101314, PR00861961/117101063, PR00834680/117100702, PR00926523/117101590, PR00888510/117101315, PR00862500/117101069, PR00836730/117100728, PR00928141/117101599, PR00889042/117101319, PR00863319/117101087, PR00840449/117100772, PR00928994/117101611, PR00889433/117101322, PR00863363/117101091, PR00840512/117100773, PR00929007/173100231, PR00890410/117101334, PR00864842/117101106, PR00841130/117100784, PR00929256/117101615, PR00891708/117101342, PR00865130/117101110, PR00842530/117100802, PR00930864/117101627, PR00898538/985100361, PR00865264/117101111, PR00843029/117100808, PR00934074/117101646, PR00898823/117101391, PR00866138/117101119, PR00843400/117100814, PR00934656/117101648, PR00899451/117101398, PR00867292/117101129, PR00843471/117100816, PR00936117/117101660, PR00901704/117101409, PR00867306/117101130, PR00843513/117100817, PR00938415/117101676, PR00902984/117101413, PR00867708/117101133, PR00843598/117100823, PR00938548/117101677, PR00907289/117101443, PR00869612/117101145, PR00843612/117100828, PR00941337/117101696, PR00907843/117101451, PR00870848/117101156, PR00843869/117100831, PR00942410/117101707, PR00911823/117101477, PR00871138/117101162 PR00844433/117100840, PR00942515/117101708, PR00912099/117101479, PR00872165/117101172, PR00845256/117100846, PR00845862/117100856, Ghaziabad Branch, PR00908005/963100362, PR00856946/963100117, PR00866977/963100193, PR00835988/963100006, PR00931863/963100422, PR00857431/963100125, PR00887389/963100281, PR00844422/963100049, PR00932366/963100425, PR00866869/963100190, PR00889762/963100287, PR00844465/963100050, PR00854633/963100094, PR00854491/963100092, Gurugram Branch, PR00898950/67101405, PR00868481/67101161, PR00840580/67100787, PR00818649/67100550, PR00904625/67101440, PR00873180/67101232, PR00847370/67100886, PR00818737/67100555, PR00917072/67101503, PR00878027/67101276, PR00853827/67100975, PR00820292/67100572, PR00919205/67101513, PR00879009/67101284, PR00856924/67101020, PR00821331/67100587, PR00929761/67101567, PR00881262/67101311, PR00863708/67101104, PR00822171/67100601, PR00930133/67101570, PR00883298/67101318, PR00867444/67101149, PR00822878/67100610, PR00935048/67101601, PR00884433/67101330, PR00867710/67101150, PR00825052/67100634, PR00941996/67101666, PR00885169/67101337, PR00868107/67101156, PR00831526/67100695, PR00949050/67101718, PR00887711/67101350, PR00839298/67100770, PR00835118/67100738, Hapur Branch, PR00919738/825100315, PR00905592/825100253, PR00890533/825100180, PR00860096/825100026, PR00919802/825100316, PR00911150/825100282, PR00891690/825100188, PR00881566/825100129, PR00920793/825100320, PR00915917/825100297, PR00892063/825100191, PR00889261/825100172, PR00889975/825100177, Lajpat Nagar , PR00850610/43100482, PR00823788/43100357, PR00819844/43100331, PR00815759/43100310, PR00902091/43100630, PR00827564/43100389, PR00827564/43100389, Laxmi Nagar branch, PR00929835/49100796, PR00868460/49100614, PR00843767/49100506, PR00805258/49100283, PR00930398/49100799, PR00871990/49100625, PR00844883/49100512, PR00814784/49100354, PR00930423/49100800, PR00872659/49100627, PR00845488/49100514, PR00814856/49100358, PR00931618/49100802, PR00873249/49100631, PR00846323/49100519, PR00818016/49100370, PR00933046/49100806, PR00882536/49100669, PR00846379/49100520, PR00819566/49100384, PR00935807/49100816, PR00882598/49100670, PR00847518/49100524, PR00820393/49100393, PR00937419/49100820, PR00883735/49100676, PR00849845/49100535, PR00821225/49100401, PR00938120/49100826, PR00887867/49100685, PR00849886/49100536, PR00822123/49100406, PR00938648/49100828, PR00892702/49100700, PR00852657/49100547, PR00823938/49100414, PR00938796/49100829, PR00907379/49100722, PR00854405/49100559, PR00830656/49100444, PR00939041/49100831, PR00914979/49100734, PR00856551/49100571, PR00830780/49100446, PR00939132/49100833, PR00919168/49100761, PR00862278/49100592, PR00831289/49100450, PR00942572/49100849, PR00927668/49100785, PR00864278/49100602, PR00842203/49100500, PR00947713/49100878, PR00927772/49100787, PR00867750/49100611, PR00842214/49100501, PR00947727/49100879, PR00929453/49100791, PR00929453/49100791, Noida Branch, PR00937085/1008100277, PR00918700/1008100244, PR00862209/1008100093, PR00849596/1008100016, PR00940456/1008100288, PR00929533/1008100261, PR00862228/1008100095, PR00853614/1008100036, PR00940515/1008100290, PR00934989/1008100270, PR00868572/1008100124, PR00855868/1008100046, PR00943233/1008100304, PR00936435/1008100276, PR00901554/1008100221, PR00855901/1008100047, PR00945058/1008100321, PR00862164/1008100091, PR00911703/1008100237, PR00855928/1008100048, Rohini Branch, PR00937221/65101346, PR00854011/65101042, PR00837394/41100416, PR00817633/65100679, PR00943116/65101370, PR00934004/65101331, PR00841648/65100903, PR00821623/65100731, PR00823811/65100755, PR00823463/65100751, PR00859794/73100883, TUGHLAKABAD Branch, PR00930653/73101347, PR00882795/73101043, PR00859794/73100883, PR00841872/73100722, PR00933961/73101367, PR00883299/73101047, PR00860605/73100890, PR00846822/73100767, PR00934520/73101369, PR00905692/73101159, PR00869465/73100954, PR00856154/73100844, PR00939813/73101388, PR00921965/73101298, PR00882290/73101041, PR00856250/73100847, PR00940077/73101389, PR00924652/73101310, PR00882526/73101042, PR00856926/73100855, PR00942128/73101405, PR00925793/73101318,

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:
एसबीएफसी फायनैन्स प्रा.लि.
संपर्क सं.: लाजपत नगर 1800-102-8012 / 011- 40305228 / 207, फरीदाबाद 01294314725/4104450, और गुरूग्राम शाखा 0124-4276037

एसबीएफसी फायनैन्स प्रा.लि. को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलाम किए जाने वाले खातों की संख्या में परिवर्तन/निलंबन/निरस्तीकरण करने का अधिकार है

पर्थला गांव में इंजन ऑयल के गोदाम में लगी भयंकर आग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● दमकल ने 6 घंटे के बाद पाया काबू

शहर के सेक्टर 113 थाना क्षेत्र के पर्थला गांव में बुधवार देर रात एक इंजन आयल के गोदाम में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियों ने छह घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाया।

सीएफओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि पर्थला गांव के रहने वाले टीटू यादव पुत्र सुभाष यादव का पर्थला गांव में ही मोबिल आयल का गोदाम है। उन्होंने बताया कि उक्त गोदाम में बुधवार की देर रात को शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियों ने 6 घंटे की मशक्कत के बाद आज तड़के आग पर काबू पाया।

मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि आग ने बहुत विकराल रूप धारण लिया था। उन्होंने बताया कि मोबिल आयल के बंद डब्बे रह-रहकर फट रहे थे और गोदाम काफी बड़ा था जिसकी वजह से आग बुझाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कारोबारी के शोरूम पर बदमाशों ने की फायरिंग

गाजियाबाद। विजय नगर इलाके में गुरुवार को उस समय दहशत फैल गयी, जब पांच हथियारबंद बदमाश एक सर्राफा कारोबारी के शोरूम में घुस आए तथा लूट का प्रयास किया। व्यापारी के विरोध करने पर बदमाशों ने तमंचे व बंदूक से फायरिंग की और फरार हो गए।

मनोज कुमार वर्मा गुरुवार दोपहर करीब 3:00 बजे अपने प्रताप विहार पुलिस चौकी के समीप स्थित शोरूम पर बैठे हुए थे। तभी दनदनाते हुए हुए पांच हथियारबंद बदमाश शोरूम में घुस आए और लूटपाट करने लगे लेकिन, मनोज कुमार वर्मा ने बदमाशों का विरोध किया। विरोध के चलते बदमाश बंदूक और तमंचे से फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

नहर में मिला महिला और युवक का शव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● हत्या या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

गौतमबुद्धनगर जनपद में दो अलग-अलग जगहों पर एक महिला और एक व्यक्ति का शव नहर में पड़ा मिला है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा। इनमें से महिला की पहचान हो गई है और युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जारचा थाना के थानाध्यक्ष श्रीपाल सिंह ने बताया कि थाना फेस-2 क्षेत्र के ककराला गांव में रहने वाले जाहिर नामक व्यक्ति से मुन्नी खातून की शादी हुई थी। उनका मायका थाना जारचा क्षेत्र के पटाड़ी गांव में है। उन्होंने बताया कि मुन्नी खातून मानसिक रूप से परेशान थी। मौजूदा समय में मुन्नी खातून अपने मायके में रह रही थी। उन्होंने इससे पूर्व दो बार नहर में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास कर चुकी थी।

श्रीपाल सिंह ने बताया कि उनका शव बीती रात जारचा थाना क्षेत्र के पटाड़ी गांव के पास नहर में मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महिला ने नहर में कूदकर आत्महत्या किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरी ओर, थाना दनकौर क्षेत्र के खेरली नहर में गुरुवार तड़के एक 32 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पुलिस को मिला है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। पुलिस को शक है कि युवक की हत्या कर शव को नहर में फेंका गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

केस तो बढ़ रहे, लेकिन अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही

राजधानी में पिछले चौबीस घंटे में आए 28,867 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को 28 हजार 867 नए मामले सामने आए। संक्रमण दर बढ़कर 29.21 फीसद हो गई है। इस दौरान पिछले 24 घंटे में 31 लोगों की जान गई है। वहीं सक्रिय मरीजों की संख्या 94,160 हो गई है। इससे पहले 1 मई को सक्रिय मरीजों की संख्या 96,747 थी। इससे पहले कोविड-19 के सबसे अधिक केस 20 अप्रैल को 28,395 आए थे और 3 मई को संक्रमण दर 29.55 फीसदी थी।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कोरोना के मामलों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने वाले कोरोना मरीजों की दर स्थिर हुई है। रोजाना आने वाले नए मामलों की तुलना में अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की दर फिलहाल नियंत्रण में है। आशा हैं कि यह इस लहर की पीक हो। पिछले कुछ दिनों से रोजाना नए मामले आने के बावजूद भी अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या उतनी ही है। यह एक संकेत हो सकता है कि कोरोना का पीक अब आ चूका है। उम्मीद करते हैं कि यह पीक जल्द से जल्द आकर खत्म हो, ताकि लोगों को इसके प्रकोप से निजात मिल सके।

कोरोना के कारण होने वाली मौतों पर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि डेथ कमेटी के ऑडिट के अनुसार, कोरोना से होने वाली मौतों में सबसे ज्यादा संख्या उन मरीजों की है जो किसी अन्य बीमारियों के चलते एडमिट थे। उन्होंने आईसीयू में भर्ती हो रहे मरीजों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अस्पतालों में आईसीयू बेड पर भर्ती मरीजों में बहुत कम ऐसे मामले हैं जो सिर्फ कोरोना के कारण आईसीयू में भर्ती हुए हैं। ज्यादातर मरीज ऐसे हैं जो किसी अन्य बीमारी का इलाज करवा रहे हैं और जाँच कराये जाने पर कोरोना पॉजिटिव भी आ गए हैं।

कोविड नियमों के उल्लंघन में बाजार बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच अधिकारियों ने भीड़भाड़ और कोविड-19 मानदंडों के उल्लंघन के कारण पूर्वी दिल्ली के पश्चिम करावल नगर मार्ग स्थित कालीघाट बाजार को बंद करने का आदेश दिया है। बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम चार बजे से शुक्रवार सुबह 10 बजे तक या अगले आदेश तक बाजार बंद रहेगा। यह कार्रवाई उस वक्त की गई जब यह पाया गया कि दुकानदार, विक्रेता और आम लोग कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं कर रहे थे। आदेश में कहा गया है कि यह प्रतिबंध आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं से जुड़ी दुकानों को छोड़कर अन्य दुकानों के लिए लागू है।

जेएनयू में कोविड केंद्र को लेकर सरकार की खिंचाई

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में कोविड देखभाल केंद्र का संचालन करने में निष्क्रियता और सुस्ती को लेकर दिल्ली सरकार की खिंचाई की। हालांकि विश्वविद्यालय परिसर में कोविड देखभाल केंद्र के लिए जगह को पहले ही चिह्नित किया जा चुका है। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने कहा कि यह दिल्ली सरकार की निष्क्रियता है जिसके कारण आज तक कोविड देखभाल केंद्र का संचालन नहीं हो पाया। अदालत ने कहा ऐसा लगता है कि बार-बार आदेश देने के बावजूद जेएनयू परिसर में एक कोविड केंद्र स्थापित करने के निर्देश का अक्षरश: पालन नहीं किया गया, जबकि प्रतिवादी ने पहले ही केंद्र स्थापित करने के लिए साबरमती छात्रावास के अंदर एक जगह निर्धारित कर दी थी। यह दिल्ली सरकार की निष्क्रियता है जिसके कारण कोविड केंद्र का संचालन आज तक नहीं हुआ।

दूसरे शख्स से परीक्षा दिलाने वाला शिक्षक धरा

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड की परीक्षा में धांधली का मामला तीन साल बाद खुला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- दिसंबर 2019 में अपराध शाखा में दर्ज कराया गया था केस

राजधानी में दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड की परीक्षा में धांधली का मामला सामने आया है। अपराध शाखा ने मामले में आरोपी निगम शिक्षक रवि डबास को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2018 में आयोजित इस परीक्षा में चयनित होने के चलते रवि वर्ष 2019 से शिक्षक की नौकरी कर रहा था। लेकिन परीक्षा केंद्र की सीसीटीवी फुटेज एवं फिंगर प्रिंट ने उसके फर्जीवाड़े का खुलासा तीन साल बाद हुआ। पुलिस रवि से उसकी जगह डीएसएसएसबी की परीक्षा देने वाले शख्स के बारे में पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

पुलिस उपायुक्त राजेश देव के अनुसार, दिल्ली सरकार के डिप्टी सेक्रेटरी एमके निखिल की तरफ से एक शिकायत अपराध शाखा को मिली थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि डीएसएसएसबी ने सहायक प्राइमरी टीचर एवं एमसीडी स्कूल टीचर के लिए परीक्षाएं आयोजित करवाई थी। कड़ी सुरक्षा के बावजूद कुछ लोग अपनी जगह किसी दूसरे परीक्षार्थी को परीक्षा में बिठाकर फर्जीवाड़ा करने में कामयाब रहे हैं। इसे लेकर दिसंबर 2019 में अपराध शाखा में एक मामला दर्ज किया गया था।

छानबीन के दौरान संस्था के सभी डाटा को खंगाला गया। इससे उन्हें पता चला कि रवि डबास नामक युवक एमसीडी प्राइमरी टीचर के लिए चयनित हुआ है। अक्टूबर 2019 में उसने दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के प्राइमरी स्कूल में नौकरी शुरू की है। छानबीन के दौरान उस परीक्षा केंद्र के वीडियो रिकॉर्डिंग को खंगाला गया जहां

आरोपी रवि डबास

उसकी परीक्षा हुई थी। 30 नवंबर 2018 के खानपुर स्थित परीक्षा केंद्र के वीडियो से पता चला कि परीक्षा केंद्र एवं परीक्षा हॉल में रवि आया ही नहीं था।

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड द्वारा यह प्रावधान किया गया था कि परीक्षा में आने वाले सभी परीक्षार्थी अंगूठे का निशान एडमिट कार्ड की दूसरी कॉपी पर लगाएंगे। यह कॉपी उनके पास जमा होनी थी। पुलिस टीम ने रवि डबास के अंगूठे के निशान और जमा कराए गए एडमिट कार्ड पर मौजूद अंगूठे के निशान को जांच के लिए फिंगरप्रिंट ब्यूरो में भेजा। जांच में पता चला कि परीक्षा देने वाले शख्स और रवि डबास के अंगूठे का निशान मैच नहीं कर रहा है। इस जानकारी पर पुलिस टीम ने कंझावला निवासी रवि डबास को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूरे फर्जीवाड़े को लेकर पूछताछ की जा रही है।

आरोपी रवि डबास रोहतक की एमडी यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट है। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। उसने अपना एजुकेशन डिप्लोमा मध्य प्रदेश से किया था। उसके पिता डीडीए से सेवानिवृत्त है जबकि मां सेवानिवृत शिक्षिका है। पूछताछ के दौरान उसने बताया है कि उसने परीक्षा में अपनी बिना शेविंग की फोटो लगाई थी। वहीं परीक्षा में उसकी जगह बैठने वाले शख्स की शेविंग थी। इसके चलते परीक्षा हॉल में मौजूद जांच अधिकारी उसके फर्जीवाड़े को नहीं पकड़ सके।

दक्षिणी निगम हेरिटेज इमारतों को सहेजकर बनाएगा खूबसूरत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- आरोप सिद्ध हुए तो दे देंगे इस्तीफा : ओबेरॉय

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम हेरिटेज संपत्तियों को लीज पर देगा। एसडीएमसी की स्थायी समिति के अध्यक्ष ले कर्नल (रि.) बीके ने बताया कि ये संपत्तियां उचित देखभाल एवं रखरखाव के अभाव में खंडहर में तब्दील होती जा रही हैं। इन्हे लीज पर देने का मकसद इन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजना है ताकि वो अपने इतिहास से जुड़े रहें एवं अपनी धरोहरों को देख कर गौरांवित महसूस करें।

ओबेरॉय ने आप की विधायक आतिशी द्वारा लगाए उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने दक्षिणी निगम पर चुनाव से पहले अपनी सभी संपत्ति बेचने का आरोप मढ़ा था। ओबेरॉय ने कहा कि क्या अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजना गलत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी निगम चुनावों में अपनी हार होती देख कर कुछ भी आधारहीन आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि अगर आरोप गलत साबित हुए तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

नाबालिग के अपहरण के मामले में 3 पकड़े

पांच महीने बाद पीड़िता आरोपियों के चंगुल से हुई मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रंजन कुमार के रूप में हुई है।

राष्ट्रीय राजधानी में 15 साल की नाबालिग लड़की को कथित रूप से अगवा कर जबरन उसे किसी व्यसनी के साथ शादी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने पीड़िता को घर में कैद करके रखा था। यह लड़की आखिरकार पांच महीने बाद अपने माता-पिता को फोन कर पायी, जिसके बाद उन्होंने उसे मुक्त कराने के लिए पुलिस की मदद ली। आरोपियों की पहचान ज्योति, उसके ब्वायफ्रेंड दिलीप कुमार, ज्योति के नशेड़ी भाई

पुलिस के मुताबिक लड़की पिछले साल अगस्त में लापता हो गयी थी। जिसके बाद उसके माता-पिता ने कालकाजी थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। पुलिस तब से उसे ढूंढ रही थी, लेकिन उसे कोई सुराग नहीं मिल पाया था। इस साल 10 जनवरी को तब उसे बड़ी सफलता हाथ लगी जब लड़की ने टेलीफोन करके अपने माता-पिता को बताया कि उसका अपहरण कर लिया गया है और उसे तिगरी एक्सटेंशन में गलत तरीके से बंधक बनाकर रखा गया है।

पुलिस उपायुक्त ईशा पांडे ने बताया कि इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने लड़की को तिगरी एक्सटेंशन से मुक्त कराया। पूछताछ के दौरान ज्योति ने बताया कि उसने अगस्त के शुरू में नेहरू प्लेस में फुटपाथ पर लड़की को देखा था और तीन दिन बाद उसने और उसके ब्वायफ्रेंड ने उसे अगवा कर लिया था। ज्योति ने बताया कि उसने अपने भाई के वास्ते जीवनसंगिनी पाने के लिए ऐसा किया था।

पीतमपुरा के बाजार में खरीददारी करते लोग।

लोहड़ी और मकर संक्रांति को लेकर बाजारों में रौनक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खुशियों के पर्व लोहड़ी और मकर संक्रांति को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। कोविड-19 महामारी की वजह से लगातार दूसरे साल भी दिल्ली वालों ने अपने परिवार के साथ ही इसे त्योहार को मनाया। बाजारों में हर तरफ रेवड़ी, मूंगफली व गजक बिक रहे हैं।

बृहस्पतिवार को लोगों ने मूंगफली, रेवड़ी, गजक, फूले आदि की जमकर खरीदारी करने पहुंचे। वहीं ओमीक्रोन के चलते कई लोग बाहर से सामान लाने के बजाय घर पर ही लड्डू, गजक व रेवड़ी बनाना बेहतर समझा।

पूर्वी दिल्ली के मूंगफली विक्रेता ने राजेश ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बाजार में रौनक है। इस बार राजस्थान की दानेदार मूंगफली की भी काफी मांग है। इसकी कीमत 100 रुपये प्रति किलो है, जबकि अच्छी क्वालिटी की मूंगफली 150 रुपये प्रति किलो में बिक रही है। अधिकांश लोगों को भुनी मूंगफली पसंद आ रही है। कृष्णा नगर बाजार में मूंगफली और गजक विक्रेता मनोज सैनी ने बताया कि मूंगफली चिक्की 130 रुपये, मुरैना खस्ता 210, तिल स्पेशल 260, फूले 150, रेवड़ी 160 व 120, मरोड़ी व गुड़ की गजक 120, मूंगफली 120 से 150 रुपये प्रति किलो में बिक रही है। गांधी नगर, शाहदरा, भजनपुरा, पीतमपुरा, रोहिणी, तिलक नगर, राजौरी गार्डन, मॉडल टॉउन लाजपत नगर, चाँदनी चौक, सदर बाजार समेत अन्य बाजारों में लोग लोहड़ी के लिए खरीदारी करने पहुंचे।

जिन परिवारों में नई शादी हुई है या जिनके घर में बच्चे ने जन्म लिया है। उन घरों में लोहड़ी को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कोरोना के चलते सामूहिक कार्यक्रम की अनुमति नहीं है।

दिल्ली पुलिस के आठ कर्मचारी सम्मानित

केंद्रीय गृहमंत्री के पुलिस प्रशिक्षण में प्रदर्शित की उत्कृष्टता

एसीपी कमलेश बिष्ट | एसीपी सुरेंद्र सिंह राठी | इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार वर्मा | इं. दिलीप कुमार शुक्ला | इं. सीताराम आर्या | एसआई पुष्पेंद्र कुमार | एसआई सत्य नारायण सेन | कां. सतेंद्र सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के आठ अधिकारियों व कर्मियों को वर्ष 2020-21 के दौरान दिल्ली पुलिस अकादमी में विभिन्न क्षेत्रों में दिए जा रहे प्रशिक्षण में उनके द्वारा दिखाये गए उत्कृष्ट प्रशिक्षण कौशल के लिए केंद्रीय गृहमंत्री के पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान हासिल करने वालों में एसीपी कमलेश बिष्ट, एसीपी सुरेंद्र सिंह राठी (आउटडोर प्रशिक्षण के लिए), इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार वर्मा, दलीप कुमार शुक्ला तथा सीताराम आर्य (इनडोर प्रशिक्षण के लिए) तथा एसआई सत्य नारायण सेन एंव पुष्पेंद्र कुमार और हेडकां, सतेंद्र सिंह को चुना गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री के पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने आउटडोर प्रशिक्षण में ड्रिल एवं शारीरिक गतिविधियों तथा इंडोर प्रशिक्षण के दौरान कानून पुलिस विज्ञान, वैज्ञानिक एवं फोरेंसिंक जांच तथा साइबर अपराध से निपटने में प्रवीणता का श्रेष्ठ प्रशिक्षण दिया है। इसके साथ ही इन पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने वर्तमान परिस्थितियों में पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं के अनुरूप प्रशिक्षण की नई तकनीकों को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है।

गृह मंत्रालय ने देश को पुलिस बलों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता और निपुणता को बढ़ावा देने के लिए राज्यों और केंद्रीय पुलिस बलों के प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत प्रशिक्षकों और उनके सहायक कर्मियों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के मकसद से पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृहमंत्री पदक की स्थापना की है।

डीएसआईआईडीसी का वरिष्ठ प्रबंधक गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को डीएसआईआईडीसी लिमिटेड के एक वरिष्ठ प्रबंधक व एक बिचौलिए को 1.70 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ प्रबंधक एस. के. सिंह और बिचौलिए सुभाष को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे शिकायतकर्ता कारोबारी से रिश्वत ले रहे थे। कारोबारी ने बताया था कि वह मंगोलपुरी में डीएसआईआईडीसी द्वारा आवंटित एक शेड में क्रीम सेपरेटर मशीन बनाने का व्यवसाय चलाता है और आरोपियों ने उसके कथित अतिक्रमण पर कार्रवाई न करने के एवज में रिश्वत मांगी।

'देश का मेंटॉर' कार्यक्रम को तत्काल रोके सरकार

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कार्यक्रम की खामियां दूर करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली सरकार से कहा है कि वह अपने 'देश का मेंटॉर' कार्यक्रम तब तक निलंबित कर दे जब तक इसकी खामियों को दूर न कर लिया जाए।

एनसीपीसीआर का कहना है कि इस कार्यक्रम से बच्चों को कुछ खतरों का सामना करना पड़ सकता है। पिछले महीने आयोग ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखा था और इस सप्ताह की शुरुआत में उसने फिर से पत्र लिखकर कहा था कि जो जवाब उसे मिला है उसमें उपयुक्त तथ्य मौजूद नहीं हैं।

आयोग ने गत सोमवार को मुख्य सचिव विजय कुमार देव को पत्र लिखा था, जिसमें उसने कहा कि जवाब में यह बताया गया है कि इस कार्यक्रम में संरक्षक (मेंटॉर) समान लिंग वाले होते हैं। ऐसे में यह बताना जरूरी है कि उत्पीड़न या यौन हमला लिंग के आधार पर नहीं होता है और यह जरूरी नहीं है कि समान लिंग के लोग ही बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उसने कहा कि खामियों को दूर किए जाने तक इस कार्यक्रम को निलंबित रखा जाए।

'देश का मेंटर' कार्यक्रम पिछले साल अक्टूबर महीने में शुरू किया गया था। इसके तहत नौवीं से 12वीं कक्षा के बच्चों को समर्पित 'मेंटॉर', उनके करियर एवं जीवन के संदर्भ में मार्गदर्शन देंगे। इस कार्यक्रम के ब्रांड एम्बेस्डर बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद हैं।

संक्षिप्त समाचार

पैसिफिक मॉल टैगोर गार्डन में लोगों को लगी वैक्सीन

नई दिल्ली। राजधानी के प्रतिष्ठित मॉल पैसिफिक टैगोर गार्डन में चल रहे कोरोना वैक्सीन कैंप में अब तक 4000 से अधिक लोगों ने वैक्सीन लगवाई। यह मॉल टैगोर गार्डन और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए एक खास गंतव्य स्थल है जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां पर मुफ्त टीकाकरण कैंप को 3 दिसंबर से आयोजित किया जा रहा है। लोगों में भी यहां पर टीकाकरण को लेकर काफी उत्साह है, जिसे देखकर लग रहा है कि यहां पर वैक्सीन लेने वालों की संख्या काफी बढ़ सकती है।

15 साल पुरानी याचिका वापस लेने की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरूवार को एक गैर-सरकारी संगठन की ओर से 2007 में दायर याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए कहा कि चांदनी चौक इलाके के पुनर्विकास से जुड़ा 15 साल पुराना यह मामला अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। उच्च न्यायालय ने, हालांकि, यह स्पष्ट कर दिया कि मामले में जुड़े विभिन्न प्राधिकरण याचिका लंबित रहने के दौरान पारित उसके दिशानिर्देशों का पालन करना जारी रखेंगे। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भम्भानी की पीठ ने कहा कि यह मामला 2007 का है और अब लंबा समय बीत चुका है। इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो गयी है।

पीडब्ल्यूडी ने परियोजनाओं के बजट में की कटौती

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए मामलों में तेजी के बीच वित्त वर्ष 2021-22 के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कई परियोजनाओं के बजट में कटौती की है। अधिकारियों के अनुसार राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के मद्देनजर चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया है। लोक निर्माण विभाग के निदेशक (कार्य) ने संयुक्त सचिव (बजट) से 10 जनवरी को पत्र प्राप्त होने के बाद इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

बर्फीली हवाओं से बढ़ी ठिठुरन, फिर बारिश की संभावना

आंशिक रूप से छाए रहेंगे बादल, घना कोहरा देखने को मिलेगा : जैनामणि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पहाड़ों पर जारी बर्फबारी ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में ठंड बढ़ा दी है। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं ने दिल्ली में ठिठुरन में जोरदार इजाफा किया है। ठंड का आलम यह है कि दफ्तरों के साथ घरों में भी लोग ठिठुरते नजर आए। बृहस्पतिवार सुबह घनाा कोहरा छाया रहा। इसके चलते दृश्यता सौ मीटर तक थी। बाद में धूप तो निकली, लेकिन बर्फीली हवाओं के असर से वह भी प्रभावी नहीं है। इस बीच नए पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 18 और 19 जनवारी को फिर फुहार पड़ सकती है। शहर में न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से दो डिग्री कम 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम कार्यालय के अनुसार, सफदरजंग वेधशाला में बृहस्पतिवार सुबह सात बजे घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होकर 100 मीटर तक दर्ज की गयी। पालम में सुबह साढ़े चार बजे के बाद घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर और 100 मीटर के बीच रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने कहा शहर में मुख्यत आसमान साफ रहेगा और मध्यम से घना कोहरा छाया रहेगा। घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भी कुछ विलंब से पहुंची।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कमी के चलते दिल्ली एनसीआर ठंड में इजाफा हुआ है। ठंड का दौर सप्ताहंत तक जारी रहेगा। अगले सप्ताह इसमें कमी आने के आसार हैं। आने वाले एक-दिन में न्यूनतम तापमान 6-7 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

एक नया विक्षोभ सक्रिय होने के चलते दिल्ली-एनसीआर में अगले सप्ताह बारिश हो सकती है। दरअसलस नए पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 18 और 19 को दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश होने के पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 14 जनवरी से फिर तीन दिन बादल छाए रहेंगे। ठंडी हवाओं के साथ दिन के तापमान में गिरावट आएगी और ठिठुरन रहेगी। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी आर के जैनामणि ने बताया कि अगले कुछ दिन तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और घना कोहरा देखने को मिलेगा।

लैंगिक समानता का प्रशिक्षण लिया तो मिलेगा वाहन फिटनेस प्रमाण पत्र

नई दिल्ली। कैबों और ऑटोरिक्शा समेत सार्वजनिक परिवहन सेवा (पीएसवी) के सभी वाहनों को तब तक फिटनेस प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा जब तक उनके ड्राइवर महिला-पुरूष या लैंगिक समानता संवेदीकरण पाठ्यक्रम अनिवार्य तौर पर नहीं करेंगे। परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त नवलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह पाठ्यक्रम पहले भी अनिवार्य था लेकिन उसे कुछ बदलावों के साथ एक निश्चित दिशा दी गयी है। ऑटोरिक्शा और वाणिज्यिक हल्के वाहनों के चालकों के लिए महिला-पुरूष समानता संवेदीकरण पाठ्यक्रम के तहत प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य था।

लूटपाट के आरोप में 5 धरे, 16.8 लाख बरामद

कर्मचारियों ने बनाई थी बदमाशों के हमला कर लूटने की झूठी कहानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली में मोबाइल फोन संबंधी सामान की एक कंपनी के दो कर्मचारियों सहित पांच लोगों को कंपनी से 17 लाख रुपये से अधिक की लूट करने और इसे लूटपाट की घटना के तौर पर दिखाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरूवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उसने करीब 95 फीसदी रकम बरामद कर ली है। लूट को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी दीपक ने बाड़ा हिंदू राव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसका सहकर्मी राहुल और वह जब एक ग्राहक से 17.71 लाख रुपये का भुगतान लेकर ऑटो रिक्शा से करोल बाग स्थित अपने कार्यालय लौट रहे थे तभी फतेहपुरी में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

उन्होंने कहा कि हमलावर रकम और उनके मोबाइल फोन लेकर भाग गए। दीपक की बात पर विश्वास कर उनका मालिक भी उनके साथ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचा। पुलिस ने कहा कि उनके बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि कथित अपराध स्थल का दौरा करने के बाद उन्हें दीपक पर शक हुआ। उन्होंने कहा कि इलाके से मिले सीसीटीवी फुटेज से भी लूट के बारे में कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने बताया कि अलग-अलग पूछताछ करने पर दीपक, राहुल और उनके ऑटो चालक दोस्त किशन ने अलग-अलग कहानियां सुनाईं। डीसीपी ने कहा कि जब उन सभी से फिर से पूछताछ की गई, तो दीपक फूट-फूट कर रोने लगा और लूट की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि उन लोगों ने आसानी से पैसा कमाने के लिए अपराध को अंजाम दिया। अधिकारी ने बताया कि दीपक छह महीने पहले कंपनी में शामिल हुआ था। अन्य दो आरोपियों की पहचान सत्य नारायण और संजय के रूप में हुई है।

कोरोना काल में तकनीक को मिला है बढ़ावा : विधायक सिंगला

सुधीर सिंगला ने डीएसडी कालेज में किया इग्नू स्टडी सेंटर का उद्घाटन

द्रोणाचार्य कालेज में संचालित किया जा रहा है यह स्टडी सेंटर

गुरुग्राम के द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय में इग्नू स्टडी सेंटर का उद्घाटन करते विधायक सुधीर सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने गुरुवार को द्रोणाचार्य (डीएसडी) कालेज में इग्नू (इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी) स्टडी सेंटर का उद्घाटन किया। कोरोना प्रोटोकॉल के बीच विधायक ने यह उद्घाटन किया।

इस मौके पर उन्होंने शहर के ऐतिहासिक द्रोणाचार्य महाविद्यालय के स्टाफ को यहां पढ़ाई के बेहतर वातावरण के लिए बधाई दी। कॉलेज प्राचार्य ने शॉल व पौधा भेंटकर विधायक का सम्मान भी किया।

महाविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही विद्यार्थियों की मांग को ध्यान में रखते हुए ही यह स्टडी सेंटर बनाया गया है। अपने संबोधन में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि महाविद्यालय के लिए यह एक सुखद अवसर है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का भी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बीच स्कूलों, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को पढ़ाई कराना चुनौती थी। इस चुनौती को हमारे अनुभवी, मेहनती शिक्षकों ने स्वीकार करते हुए ऑनलाइन पढ़ाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल का युग है। इस युग में हमने बहुत से बदलाव देखे हैं।

यह बदलाव भी हमारी पीढ़ियों के भविष्य के लिए एक स्वर्णिम समय लेकर आएंगे। कोरोना काल में तकनीक को बढ़ावा मिला है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य स्वर्णिम बनाने के लिए शिक्षकों की अहम भूमिका होती है।

विधायक सुधीर सिंगला ने महाविद्यालय में भ्रमण के दौरान जीर्ण-शीर्ण सड़क को देखा तो तुरंत इसे दुरुस्त कराने के अधिकारियों को आदेश दिए। इसके अलावा उन्होंने 10 हजार इंटरलॉकिंग सीमेंट टाइल्स भी महाविद्यालय में जल्द भिजवाने की बात कही।

प्राचार्य वीरेंद्र सिंह अंतिल ने बताया कि कोरोना के चलते कॉलेज में पचास प्रतिशत स्टाफ को ही बुलाया जा रहा है। विद्यार्थियों को ऑनलाइन ही पढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर लीलमणी गौड़, डॉ. करतार सिंह, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. रणधीर, एनके अरोड़ा, कर्मवीर, भूप सिंह, सुशील सैनी, सत्यपाल, शिवालिक, मोना चाहर, प्रियंका लांबा आदि उपस्थित रहे।

एमएसएमई पोर्टल पर पंजीकरण को 340 औद्योगिक इकाइयों ने किया आवेदन

लॉकडाउन की स्थिति में पंजीकृत इकाइयों को ही संचालन की होगी अनुमति

गुरुग्राम। कोरोना की भविष्य की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के उत्पादन तंत्र की गति को बनाये रखने के लिए एमएसएमई पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए 28 दिसंबर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में अभी तक जिला की 340 औद्योगिक इकाइयों ने रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है।

जिला एमएसएमई केंद्र गुरुग्राम के संयुक्त निदेशक दिग्विजय सिंह ने बताया कि वर्तमान में गुरुग्राम जिला में 34855 औद्योगिक इकाइयां नियमित रूप से कार्य कर रही हैं। श्रमिकों को कहीं कोई समस्या नहीं है। इन आंकड़े में से 33 हजार इकाइयां केंद्र सरकार के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर व 1855 हरियाणा सरकार के हरियाणा उद्यम मेमोरेंडम पोर्टल पर पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि एमएसएमई केंद्र गुरुग्राम, जिला की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों के साथ निरंतर संपर्क में है, सभी स्थानों अथवा औद्योगिक क्षेत्रों में स्टाफ और श्रमिक अपनी ड्यूटी नियमित रूप से दे रहे हैं। दिग्विजय ने बताया कि औद्योगिक इकाइयों को हरियाणा उद्यम मेमोरेंडम (एचयूएम) व उद्यम रजिस्ट्रेशन (यूआरसी) में पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते प्रसार के चलते यदि जिला प्रशासन की ओर से सख्ती बरतने के निर्देश जारी हुए तो केवल उन्हीं इकाइयों को कार्य करने की अनुमति दी जाएगी

जो इस पोर्टल पर पंजीकृत होंगी। श्रीसिंह ने बताया कि पंजीकृत इकाइयां रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं व अनेक प्रकार की सब्सिडी का लाभ ले सकेंगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर की औद्योगिक इकाई एवं प्रतिष्ठान पोर्टल पर पंजीकरण करा सकते हैं।

राजेंद्रा पार्क-भीमगढ़ खेड़ी के बीच में आरयूबी या आरओबी बनने की उम्मीद

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने लिखा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवीन गोयल।

राजेंद्रा पार्क से भीमगढ़ खेड़ी के बीच आने-जाने के लिए लोगों की दुविधा को सुविधा में बदलने के लिए प्रयास शुरू हो गये हैं। पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों की ओर से रखी गई मांग पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखा है। इसकी प्रति नवीन गोयल को भी प्रेषित की गई है।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के इन प्रयासों के साथ ही क्षेत्र के लोगों को रेलवे लाइन पर आरयूबी (रेलवे अंडर ब्रिज) व आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) बनने की उम्मीद बंधी है। बता दें कि 2 दिसम्बर 2021 को राजेंद्रा पार्क क्षेत्र में कैनविन फाउंडेशन के तीसरे पॉलीक्लीनिक के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कार्यक्रम से जुड़े थे। इस दौरान कैनविन फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने राव इंद्रजीत सिंह को अवगत कराया था कि राजेंद्रा पार्क से भीमगढ़ खेड़ी जाने के लिए लोगों को रेलवे लाइन पार करनी पड़ती है। किसी का निधन होने पर अंतिम संस्कार के लिए भीमगढ़ खेड़ी जाना पड़ता है। क्योंकि श्मशान घाट भीमगढ़ खेड़ी में ही है। ऐसे में लाइन पार करना काफी मुश्किल व खतरनाक है। इसलिए यहां फुटओवर ब्रिज या अंडरपास बनवाया जाए, ताकि लोगों को सहूलियत हो सके। अब इस विषय पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की ओर से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया है।

साथ ही कहा है कि यहां आरयूबी या आरओबी बनवाने के लिए सहानुभूतिपूर्वक आदेश करके जनता को सहूलियत दें। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की ओर से क्षेत्र की इस मांग पर सकारात्मक कार्यवाही के लिए नवीन गोयल ने उनका धन्यवाद किया है।

अग्रवाल वैश्य समाज मनाएगा हुकुम चंद जैन का 164वां शहीदी दिवस

19 जनवरी को मनाया जाएगा हुकुम चंद जैन का शहीदी दिवस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हुकुम चंद जैन।

अभय जैन।

हरियाणा के सपूत देश के लिए कुर्बानी देने में हमेशा आगे रहे हैं। वैश्य समाज से भी स्वतंत्रता सेनानी हुकुम चंद जैन ने देश के लिए अपनी शहादत दी। ऐसे योद्धा को सम्मान देने एवं प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और शौर्य गाथाओं को अमर रखने के लिए अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा वैश्य समाज के गौरव स्वतंत्रता सेनानी हुकुम चंद जैन के 164वें शहीदी दिवस का आयोजन सभी जिलों में आयोजित करेगा।

ये जानकारी देते हुए समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं वैश्य एक्सप्रेस के सम्पादक अभय जैन एडवोकेट ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के मार्गदर्शन में ये निर्णय लिया गया है। जिसके तहत प्रदेश की सभी वैश्यजन देश के वीर योद्धा को नमन करेंगे।

श्रीजैन ने वैश्य एवं जैन समाज की समस्त संस्थाओं से भी अपील कि करते हुए कहा कि 19 जनवरी 1858 के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए हुकुम चंद जैन को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें, ताकि अग्रिम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी को उनके शहीद दिवस आयोजित कर भावी पीढ़ी को प्रेरणा दी जा सकें। अभय जैन ने बताया कि शहीद हुकूम चंद जैन का जन्म वर्ष 1816 में हरियाणा के हांसी में हुआ था। अभय जैन एडवोकेट ने शहीद हुकूम चंद जैन को स्मरण करते हुए कहा कि वे महान देशभक्त व कुशल प्रशासक थे। उनकी काबिलियत को देखते हुए बहादुरशाह जफर ने उन्हें हांसी, हिसार और करनाल जिले के कुछ गांवों का कानूनगो नियुक्त किया था।

29 मई, 1857 को लाला हुकुम चंद तथा मुनीर बेग के नेतृत्व में जनता ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद किया था। हांसी की लाल सड़क देश की आजादी के लिए यहा के वीरों द्वारा दी गई कुर्बानियों की साक्षी है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में बहादुरशाह को सहायता करने का आश्वासन देने का पत्र लिखने के आरोप में अंग्रेजों ने हुकुम चंद व उनके भतीजे फकीर चंद तथा मिर्जा मुनीर बेग को फांसी पर लटका दिया था।

उर्जा संरक्षण और दक्षता के बढ़ावे के लिए हुआ गुरुग्राम विवि-ईईएसएल के बीच समझौता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय एवं ईईएसएल के बीच समझौता करार करने के बाद फाइलों का आदान-प्रदान करते अधिकारी।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में गुरुवार को ऊर्जा संरक्षण तथा दक्षता को लेकर एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) नई दिल्ली के बीच एमओयू साइन किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हुए इस अनुबंध पर गुरुग्राम विवि की ओर से कुलसचिव शशि भूषण भारती एवं ईईएसएल की ओर से हरियाणा के राज्य प्रमुख तोष अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुबंध के उद्देश्यों के बारे में बताया कि अनुबंध के तहत ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में आपसी सहयोग से व्यापक रूप से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई साझेदारी को विकसित करने और पोषित करने की आवश्यकता है।

एमओयू के तहत गुरुग्राम विवि में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के उपायों के अवसरों का पता लगाया जाएगा और इसके कार्यान्वयन के लिए दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे। विश्वविद्यालय में उपयोग होने वाले ई-वाहन ईईएसएल के माध्यम से ही मंगवाए जाएंगे। कुलपति ने बताया कि दोनों संस्थानों के मध्य हुआ यह अनुबंध विवि में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग, स्प्लिट एयर कंडीशनर, सौर रूफटॉप, ऊर्जा कुशल मोटर्स, ऊर्जा कुशल पंप, इनडोर लाइटिंग और सौर स्ट्रीट लाइट्स सहित आउटडोर प्रकाश जैसी परियोजनाएं, फैकल्टी के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक और अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग के आदान-प्रदान और बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि आज भारत ऐसी स्थिति में आ गया हैं कि हम ऊर्जा के अधिकाधिक उत्पादन के लिए, ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में, उसके नवीनीकरण एवं बचाव के लिए कदम उठाए। कुलपति ने सौर ऊर्जा के लाभों का जिक्र करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा एक नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन हैं। भारत जैसे देशों में जहां ऊर्जा का उत्पादन महंगा पड़ता है तो वहां ये संसाधन इसका बेहतरीन विकल्प है। इस अवसर पर डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ. सुमन वशिष्ठ, प्रो. राकेश कुमार योगी, डॉ. शुभम गांधी, डॉ. तरुण, पृथु गर्ग, कपिल बंसल मौजूद रहे।

बिना मास्क वालों से जुर्माना वसूलने में आ रहा पसीना

चालान के बदले लोग ऑनलाइन पेमेंट को तैयार मगर नगद रुपये नहीं दे पा रहे

सोहना। प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहरलाल सरकार हर कार्य ऑनलाइन किए जाने पर जोर दे रही है। हर विभाग को ऑनलाइन किया जा रहा है लेकिन देखने में आ रहा है कि कोरोना संक्रमण के नए वेरिएंट ओमिक्रोन की तीसरी संभावित लहर के दौरान चल रही शीतलहर व पड़ रही कड़ाके की ठंड के बावजूद बिना फेसमास्क पकड़ में आने वाले लोगों के चालान काटने पर पुलिस को काटे गए चालान की एवज में 500 रुपए वसूलने के लिए पसीने बहाने पड़ रहे हैं।

बिना मास्क वाले व्यक्ति अपनी गलती मानने की बजाय सरकार पर खीज उतारते हुए यह कहने से नही चूकते कि उसकी जेब में नकद रूप में पैसे नहीं है। पुलिस वालों से कहा जा रहा है कि आप गूगल-पे, फोन-पे, पेटीएम नाम बताओ। काटे गए चालान की एवज में जुर्माना राशि बताओ। वह ऑनलाइन जमा कर देगा। ऐसे में पुलिस वाले इधर-उधर बगले झाकते हुए कह रहे हैं कि भाई हमसे हाथ जुड़वाओ और नकद रूप में 500 रुपये जुर्माना भरकर हमारा पीछा छोड़ो लेकिन कई ऐसे व्यक्ति भी मिले, जो अपना बिना फेसमास्क चालान कटने पर इसी बात पर अड़ गए कि उसके पास नकद रूप में पैसे नहीं है। जिददो बहस के दौरान लोग पुलिस जवानों से कह रहे है कि वह अपना निजी पेटीएम अथवा गूगल-पे, फोन-पे बता दे। वह उसमें आनलाइन जुर्माना हाथोंहाथ भर देंगे लेकिन चालान काटने वाले पुलिस जवान इस बात के लिए तैयार नही हो रहे।

सभी नागरिकों को जितनी भी सुविधाएं मिलती हैं वह सब आसान, पारदर्शी और सही तरीके से मिलें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

Overview of eGov Foundation

eGov फाउंडेशन एक संस्था है जिसका लक्ष्य हैं देश के सभी नागरिकों को चाहे वह छोटे शहर में रहते हों या बड़े शहर में। हमारे देश में 4400 शहर और नगर पालिकायें हैं। इन शहरों और नगर पालिकाओं के सभी नागरिकों को जितनी भी सुविधाएँ मिलती हैं वह सब आसान, पारदर्शी और सही तरीके से मिलें। उनको पता रहे कौन और कहां उनकी सुविधाओं की देख रेख कर रहा है और उनका काम कब तक होगा। यह सब आसानी से हो यही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।

What is the thought process in setting up the eGov Foundation. We are aware of the certain lapses in the governance of India and how does eGov Foundation fill those gaps (eGov फाउंडेशन की स्थापना में विचार प्रक्रिया क्या है। हम भारत के शासन में कुछ कमियों से अवगत हैं और U eGov फाउंडेशन उस अंतराल को कैसे भरता है)

eGov फाउंडेशन का जो संस्थापन हुआ था 18 साल पहले वह यही सोचकर हुआ था कि भारत के जो शहरी इलाके हैं जो सिर्फ मुंबई या दिल्ली ही नहीं। शहर सहारनपुर भी शहर आसनसोल भी है, शहर तेनाली भी है जो 30 हज़ार लोगों का शहर है।

यह जो शहरी इलाके हैं वह विकास के लिए बहुत ज़रूरी हैं। आज हमारे शहरों में 30 प्रतिशत आबादी है लेकिन उनका जो कंट्रीब्यूशन जीडीपी में है वह 50 प्रतिशत से ज्यादा है और यह बढ़ता जायेगा। इसलिए हमें शहरों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है और इन शहरों में जो लोग हैं उनको अच्छी सुविधाएँ मिले अच्छे अवसर मिले उसके लिए जो शहरों का गवर्नेंस है

Please go through some light on DIGIT platform and what products and services are provided here (·¤ëÂØæ DIGIT प्लेटफॉर्म पर कुछ प्रकाश डालें और यहां कौन से उत्पाद और सेवाएं प्रदान की जाती हैं)

पहले हम डिजिटल प्लेटफार्म को समझ लेते हैं कि यह ऐसा सॉफ्टवेयर है जो किसी भी सरकारी या प्राइवेट कंपनी या सामाजिक संस्थान को मुफ्त में उपलब्ध है। दूसरा इस प्लेटफार्म में बहुत सारे प्रोडक्ट्स और सोलूशन्स हैं जिससे कि लोगों का काम सहज होता है तो नागरिकों के लिए आप घर बैठे अपने व्हाट्सप्प के द्वारा अपना प्रॉपर्टी टैक्स भर सकते हैं या वेब पर जाकर दो बटन दबाकर अपना नया कनेक्शन के लिए आवेदन दे सकते हैं। आप अपने आवेदन का स्टेटस भी चेक कर सकते हैं। और आपको सभी कामों की रशीदें, सर्टिफिकेट्स, प्रूफ, भी डिजिटल फॉर्म में मिल जाता है। यह एक बात हुई। दूसरी बात शहर के जो कर्मचारी हैं जो नगरपालिका में काम करते हैं उनको सारा काम कैसे सहज किया जाये।

On behalf of Mr. Viraj Tyagi, CEO, eGov Foundation.

Which state is more active in usage of eGov solutions? Which are the popular products and how the products provide solutions and any case studies available?

eGov समाधानों के उपयोग में कौन सा राज्य अधिक सक्रिय है? कौन से लोकप्रिय उत्पाद हैं और उत्पाद कैसे समाधान प्रदान करते हैं और कोई केस स्टडी उपलब्ध है?) हमारी संस्था अभी 10 से ज्यादा राज्यों के साथ काम कर रही है। पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तराखंड, हरियाणा और जो भी हमारे 62 कन्टेनमेंट बोर्ड हैं रक्षामंत्री के साथ काम करते हैं। चेन्नई में म्युनिसिपल कारपोरेशन , केरला में कोझीकोड है और नार्थ ईस्ट राज्यों में काम करते हैं। हर जगह जो काम हो रहा है हमने देखा है कि ज्यादातर जो प्रोडक्ट इस्तेमाल हो रहा है वह पब्लिक ग्रीवांस कैसे नागरिक अपनी समस्याएं म्युनिसिपालिटी को बताये, कैसे उनकी समस्याओं का समाधान हो, कब हो चूका, उसकी रेटिंग भी करते हैं। तो पूरा एक पारदर्शी तरीके से वो देख सकते हैं की क्या हो रहा है।

Ne&t Question - In view of the Covid pandemic, how have eGov solutions been utilized for the benefit of citizens?

eGov समाधानों का कैसे उपयोग किया गया है?)

कोविड की ये महामारी का जो दौर चल रहा है उसमें हमने 2-4 काम किये है जिससे कि देश के नागरिकों को फायदा हो। एक तो हमने पंजाब के राज्य में एक कोविड चैटबॉक्स बनाया है जिसका नाम है हिम्मत। जो लोग सेल्फ आइसोलेट है वो लोग दिन के दिन अपने जो भी symptoms रहे हैं, जो भी उनका temperature है उसको रिपोर्ट कर सकें और उसको देखते हुए सरकार के जो मेडिकल अफसर है वो लोग उस पर एक्शन ले सकें। दूसरा, जब पिछले साल लोकडाऊन लगा था तब एक समस्या ये थी जो लोग आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे थे चाहे खाने की फैक्ट्री में या दवाई की फैक्ट्री में काम कर रहे हों उनको बिना बाधा के अपने काम पर जाने दिया जाये तो उसमें हमने Covid epass सिस्टम बनाया था जिसमें जो फैक्ट्री के संचालक हैं वो लोग जो उनके कर्मचारी हैं उनको पास दे सकते हैं और जो अप्रूवल है वो सरकार के द्वारा किया जायेगा। फिर जब वो पास उनके पास हो चाहे वो उनके मोबाइल फ़ोन पर हो या प्रिंटेड पास हो तो अगर कोई पुलिस उन्हें रोकेगी तो उस पास को स्केन करके वो प्रमाणित कर सकते है कि वो एक सही आदमी है और उसका एक सही कारण है जैसे आज उसको अपने फैक्ट्री जाना है या काम पर जाना है। इसका उपयोग।

Last Question - Technology in governance - a boon for the country, please comment. (शासन में प्रौद्योगिकी - देश के लिए वरदान, कृपया टिप्पणी करें।)

जब हम भारत में governance (गवर्नेंस) की बात करते हैं उनमें दो चीजें हैं क्योंकि पहला भारत में जो जटिलता है समस्याओं की वो बहुत ज्यादा है, दूसरा समस्याओं का जो पैमाना है वो बहुत बड़ा है। दोनों को अगर ध्यान में रखें तो बहुत सारी जटिल समस्याएं हैं और एक बहुत बड़े पैमाने पर हमें इसे सुलझाना है और उसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि अगर आप एक-एक करके हर एक संदर्भ में एक समस्या को सुलझाएंगे तो सुलझाने में बहुत समय लग जायेगा। हमारा यह मानना है कि टेक्नोलॉजी होने से कई जटिल समस्याओं को एक बड़े पैमाने पर सुलझाना आसान है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना वैक्सीनेशन और जांच कराने वालों की संख्या घटी

नागरिक अस्पताल में कोरोना वैक्सीनेशन कराने वालों की छोटी हुई लाइन।

सोहना। सोहना के नागरिक अस्पताल में कोरोना वैक्सीन लगवाने से लेकर टेस्ट कराने वालों की संख्या में बीतें दो दिन में संख्या कम हुई है। बीते दो दिन में 300 के लगभग लोगों ने कोरोना की दूसरी डोज लगवाते हुए कोविड की जांच कराई है। नागरिक अस्पताल परिसर में कोरोना वैक्सीनेशन तथा कोविड टेस्ट कराने वालों की लगने वाली लाइन कम होने लगी है। जबकि पहली डोज लगवाने वालों का आंकड़ा गुरुवार को भी 200 के पार चल रहा है। पिछले 15 दिन से नागरिक अस्पताल में लग रही कोरोना वैक्सीनेशन तथा जांच कराने वालों की लाइन कम नहीं हो रही थी, लेकिन अचानक से बुधवार को वैक्सीनेशन तथा कोविड जांच कराने वालों की संख्या में कमी आई है। बुधवार व गुरुवार को कोरोना की दूसरी डोज लगवाने वालों की संख्या 150 तक आ गई है। जबकि कोरोना की पहली डोज लगवाने वालों की संख्या अभी भी 200 के लगभग चल रही है। वहीं कोविड जांच कराने वालों की संख्या भी 250 से 150 तक आ गई है। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि वैक्सीनेशन व कोविड जांच कराने के वाले शहर से बाहर रहने वाले हैं। जिन्हे बैंक, सार्वजनिक स्थान, बस या रेल यात्रा में परेशानी होने की संभावना है। इसके अलावा जिन्हें राशन डिपो से सरकारी राशन न मिलने की उम्मीद है। ऐसे लोग वैक्सीनेशन और कोरोना टेस्ट के लिए आ रहे हैं।

पुलिस ने अवैध हथियार समेत पकड़ा एक बदमाश

सोहना। पुलिस ने शहर के महाराजा अग्रसेन चौक पर अवैध हथियार लेकर खड़े युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार युवक से उसकी पेंट की जेब में रखा हथियार तलाशी के दौरान बरामद किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सिटी थाना पुलिस रात के समय बुधवार की शाम को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि हरीनगर निवासी युवक अजय अवैध हथियार लेकर अग्रसेन चौक के पास खड़ा है। वह रात के समय में अपराधीक वारदात को अंजाम देने वाला है। पुलिस ने गुप्तचर की सूचना पर अजय को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अजय के खिलाफ अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज किया गया।

सोहना में वेंटिलेटर और आईसीयू सुविधा उपलब्ध नहीं

सोहना। सोहना खादी ग्रामोद्योग मंडल सचिव नरेन्द्र सिंह यादव तथा युवा समाजसेवी व पर्यावरणप्रेमी मोहित यादव का कहना है कि कोरोना संक्रमण के नए वेरिएंट ओमिक्रोन की तीसरी संभावित लहर के बीच जहां पुलिस व स्वास्थ्य विभाग में भी कोरोना संक्रमण प्रवेश कर गया है, वहीं सोहना शहरी क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बावजूद इसके स्थानीय उपमंडलस्तरीय नागरिक अस्पताल में जरूरी सुविधाओं का अभाव है। हालात ये है कि ना तो यहां पर नागरिक अस्पताल में वेंटिलेटर की सुविधा है और ना ही आईसीयू आदि की सुविधा है। रक्त संग्रह केन्द्र पर लटका मोटा ताला जरूरतमंदों को मुंह चिढ़ाते नजर आ रहा है। जाहिर है कि जहां कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लागू नियमों की पालना ना करके लोग अपनी जान को जोखिम में डालते हुए लापरवाही बरत रहे है तो वही कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सरकार की तरफ से तमाम तैयारियां पूरी होने के किए जा रहे दावों के बावजूद भी यहां पर उपमंडलस्तरीय नागरिक अस्पताल में वेंटिलेटर, आईसीयू, रक्त संग्रह आदि समेत जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध नही कराई जा रही है। जिससे जाहिर है कि सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में सोहना एरिया के साथ सौतेला व्यवहार बरत रही है जबकि सोहना मेवात का प्रवेश द्वार और एनसीआर का प्रमुख स्थान है। खादी ग्रामोद्योग मंडल सचिव नरेन्द्र सिंह यादव तथा युवा समाजसेवी व पर्यावरणप्रेमी मोहित यादव प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और मुख्यमंत्री मनोहरलाल से मांग की है कि सोहना शहर के उपमंडलस्तरीय नागरिक अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए सभी जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

मंडियों में किसान व व्यापारी होंगे लाभान्वितः दिनेश शर्मा

सोहना। स्थानीय मार्केट कमेटी के चेयरमैन रहे व भाजपा के सहकारिता प्रकोष्ठ में प्रदेश सहसंयोजक दिनेश शर्मा खेड़लिया का कहना है कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल सरकार में किसानों व सब्जी के थोक विक्रेताओं के अच्छे दिनों की शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल सरकार ने ताजा-ताजा लिए गए फैसले में एक प्रतिशत मार्किट फीस व एक प्रतिशत एचआरडीएफ फीस को माफ कर दिया है। अब सब्जीमंडियों में फल व सब्जी विक्रेताओं को मार्केट फीस नहीं देनी पड़ेगी। स्थानीय मार्केट कमेटी के चेयरमैन रहे व भाजपा के सहकारिता प्रकोष्ठ में प्रदेश सहसंयोजक दिनेश शर्मा खेड़लिया की माने तो प्रदेश की सभी सब्जी व फल मंडियों में मुख्यमंत्री मनोहरलाल सरकार द्वारा एक प्रतिशत मार्किट फीस व एक प्रतिशत एचआरडीएफ फीस को माफ कर दिए जाने से किसानों के साथ-साथ फल व सब्जी के व्यापारियों को सालाना कुल तीस करोड़ का लाभ होगा। उन्होंने दावा जताया कि सरकार व्यापारी वर्ग के साथ है और व्यापारियों के हितों के लिए निरंतर कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है।

लॉकडाउन की आशंका को देखते हुए दुकानदार कर रहे जमाखोरी

सोहना। शिवनगरी सोहना में कोरोना संक्रमण के नए वेरिएंट ओमिक्रोन की तीसरी संभावित लहर के बीच देश भर में कोरोना संक्रमित मरीज बढ़ने से लॉकडाउन की आशंका से लोग चिंतित होने लगे हैं। वहीं व्यापारी वर्ग में जमाखोर इस आपदा को अवसर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। किरयाणा-परचून सामान, सिगरेट, बीडी समेत अन्य सामान की जमाखोरी शुरू हो गई है। लोगों में यह चर्चाएं जोरों पर चल रही है कि पीछे से ही सामान नहीं आने की बात कहकर जमाखोरी करने वाले व्यापारी द्वारा ग्राहकों को महंगा सामान बेचा जा रहा है। लोगों में यह चर्चाएं भी तेजी से जोर पकड़ रही हैं कि लॉकडाउन की संभावना के चलते अभी से कई थोक व रिटेल वाले दुकानदार गुटखा, पान, तंबाकू, सिगरेट, बीडी आदि की जमाखोरी कर रहे हैं। गृहणियों की माने तो पहले ही महंगाई चरम सीमा पर है। कामधंधे ठप पड़े हैं। रही-सही कसर खाद्य वस्तुओं और जरूरी सामान के आए दिन बढ़ रही कीमतों ने पूरी कर दी है। बाजार में बढ़ाई गई कीमतों का असर रसोई में उपयोग में आने वाली वस्तुओं, मिर्च-मसालों, दालों आदि के साथ-साथ किरयाणा, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों समेत रोजमर्रा के सामानों पर नजर आने लगा है।

दस एकड़ में फैली अवैध कॉलोनियों में जमकर चला पीला पंजा

गांवों में अवैध रूप से काटी कॉलोनी हुए निर्माणों को ढहाता डीटीपीई का पीला पंजा।

सोहना। सोहना खंड के गांव भौंड़सी, रिठौज व भौंड़सी जेल रोड़, आरबीएसएम कॉलोनी में खेती वाली जमीन में काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर बुधवार को डीटीपी दस्ते का पीला पंजा जमकर चला। इस मौके पर कई प्रोपर्टी डीलरों के दफ्तर भी पीले पंजे की मदद से जमींदोज किए हैं। डीटीपीई आरएस बाठ का कहना है कि यहां पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी की बाबत सोशल मीडिया पर भी विज्ञापन दिए जा रहे थे। जब उन्होंने अपने स्तर पर जांच कराई तो शिकायत सही मिली। गांव भौंड़सी, रिठौज व भौंड़सी जेल रोड, आरबीएसएम कॉलोनी समेत दस एकड़ में फैली इन अवैध कॉलोनियों में किए जा रहे सभी अवैध निर्माणों को तोड़ा गया है। देखने में आया कि आज जैसे ही डीटीपीई आरएस बाठ महिला पुलिस के साथ-साथ सैकड़ों पुलिस जवानों, दो जेसीबी की मदद से सोहना के गांव भौंड़सी में कृषि योग्य भूमि में काटी गई इन अवैध कॉलोनियों में बने अवैध निर्माणों को तोड़ने के लिए पहुंची तो लोगों का हुजूम इकटठा हो गया।

ऑपरेटरों की कमी से पुलिस, पब्लिक और डॉक्टर परेशान

इवनिंग ड्यूटी में देर शाम छह बजे तक भी नहीं पहुंचा डाटा एंट्री ऑपरेटर

कविता। फरीदाबाद

बादशाह खान सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में 24 घंटे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के दावे अस्पताल प्रबंधन करता है। लेकिन कुछ लापरवाह कर्मचारियों के कारण लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। बृहस्पतिवार को यहां ऐसा ही देखने को मिला। जब दोपहर दो बजे की ड्यूटी में डाटा एंट्री ऑपरेटर शाम छह बजे के बाद भी नहीं पहुंचा। ऐसे में यहां एमएलसी और मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए पुलिस और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कोरोना फैलने के कारण यहां वैसे ही कर्मचारियों और चिकित्सकों की कम संख्या है, ऐसे में किसी कर्मचारी के न आने समस्या और बढ़ जाती है।

अस्पताल में ऑपरेटर कम : बीके अस्पताल में वर्ष 2016 में ऑनलाईन सुविधाएं शुरू कर दी गई थी, लेकिन मरीजों की संख्या भी बढ़ने पर भी ऑपरेटरों संख्या नहीं बढ़ाई। सारा कामकाज ऑनलाइन होने से ऑपरेटरों की संख्या यहां बढ़नी चाहिए। मरीजों को उपचार देने के साथ चिकित्सकों और स्टाफ को डाटा एंट्री ऑपरेटरों का कार्य भी करना पड़ रहा है। भर्ती मरीजों की छुट्टी के कई-कई दिनों बाद भी उनकी फाइलों को कम्प्यूटर पर डिस्चार्ज नहीं किया जाता। मरीज के दोबारा इलाज के लिए आने पर उसका ओपीडी कार्ड नहीं बन पाता। ऐसे में उसे यहां से वहां भटकना पड़ता है।

बीके के अपातकालीन कक्ष में डाटा एंट्री ऑपरेटर की खाली पड़ी कुर्सी।

पॉजिटिव भी हैं: बृहस्पतिवार को दोपहर दो बजे से आठ बजे की शिफ्ट में एक भी डाटा एंट्री ऑपरेटर नहीं पहुंचा। जिस पर चिकित्सक और स्टाफ ने प्रबंधन से डाटा एंट्री ऑपरेटर की मांग की। लेकिन शाम छह बजे तक डाटा एंट्री ऑपरेटर की सीट खाली रही। सूत्रों से मालूम हुआ कि कई डाटा एंट्री ऑपरेटर पिछले कुछ समय से लेट ही आ रहे हैं। बृहस्पतिवार को तो सीट पर कोई था ही नहीं। जिससे पुलिस, पब्लिक और चिकित्सक सभी परेशान नजर आए।

हो गई देरी : पुलिसकर्मी और कुछ लोग एमएलसी करवाने यहां पहुंचे तो उन्हें डाटा एंट्री ऑपरेटर मौजूद नहीं मिला। चिकित्सकों ने उन्हें इंतजार करने को कह दिया।

करीब दो घंटे तक इंतजार करने के बाद भी कोई डाटा एंट्री ऑपरेटर नहीं आया। चिकित्सक द्वारा बार-बार फोन किया गया। लेकिन कम संख्या और कुछ के पॉजिटिव होने से शाम तक समस्या का कोई हल नहीं निकल सका। जिस कारण पुलिस और पब्लिक परेशान रही। कोर्ट केस, एमएलसी और पोस्टमार्टम के बाद रिपोर्ट बनवाने में दिक्कतें सामने आईं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के विरोध में किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। नाबालिग लड़की को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में डबुआ थाना पुलिस द्वारा बरती गई लापरवाही और आरोपियों को संरक्षण देने के खिलाफ पीड़िता के परिजनों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय सेक्टर-21सी के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया और न्याय की गुहार लगाई। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उनकी बेटी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले को पुलिस ने सांठगांठ करके दबा दिया और इतना ही नहीं बल्कि महिला जांच अधिकारी ने तो पीड़िता से मारपीट की, जबकि अन्य पुलिस कर्मचारियों ने उसके परिजनों को पीटा। पीड़ितों ने कहा कि अगर पुलिस की यही न्याय प्रक्रिया है तो वह इसका पुरजोर विरोध करते हुए। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों से पूरे मामले की विस्तार से जानकारी दी और मौके पर ही एसीपी व एसएचओ को बुलाया और इस मामले में लापरवाही बरतने वाली महिला जांच अधिकारी हेमलता सहित अन्य पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए। वहीं इस मामले में पीड़ित परिवार को रिवाल्वर दिखाकर जान से मारने की धमकी व जातिसूचक शब्दों से गालियां देने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए वहीं आरोपी संदीप को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया। इतना ही नहीं बल्कि पंकज शर्मा पर एक लड़के के अपहरण व मर्डर मामले में पुलिस द्वारा क्लीन चिट दिए जाने की जांच करवाने के लिए भी निर्देश दिए। लोगों ने पुलिस कमिश्नर का आभार जताया। गौरतलब है कि इस मामले में एनआईटी के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नगेंद्र भड़ाना के हस्तक्षेप के बाद पुलिस हरकत में आई थी। पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना स्वयं पीड़ित परिवार के साथ डबुआ थाने पहुंचकर इस मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मचारियों की शिकायत एसएचओ से की थी।

सेक्टर-21 सी स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करते पीड़ित युवती के परिजन।

20 हजार से ज्यादा लोगों ने करवाया टीकाकरण

फरीदाबाद। जिले में वैक्सीनेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में जहां 15 प्लस से लेकर 60 प्लस को वैक्सीन लगाई जा रही है। वहीं दूसरी तरफ फ्रंट और हेल्थ केयर वर्कर्स के साथ ही जिन नागरिकों को दोनो डोज लगे हुए 9 माह पूरे होने पर बुस्टर डोज लगाई जा रही है। जिसमें हेल्थ केयर वर्कर्स में बुस्टर डोज 266 को लगाई गई। वहीं फ्रंट लाईन वर्कर्स में बुस्टर डोज 169 को लगाई गई। वहीं 60 प्लस आयुवर्ग में 568 बुजुर्गो ने बुस्टर डोज लगवाई। इसी के साथ 15 प्लस आयुवर्ग में प्रथम डोज 6834 लोगों को लगाई। 18 आयुवर्ग में 8850 लोगों को डोज लगाई गई। वहीं 35 प्लस आयुवर्ग में 3326 को डोज लगाई गई।

वार्ड-12 के लिए पांच रिक्शे करवाए उपलब्ध

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद के स्वच्छता अभियान में सहयोग करते हुए बृहस्पतिवार को सी.दास फाउंडेशन की ओर से वार्ड-12 के लिए निगमायुक्त यशपाल यादव के नेतृत्व में नगर निगम फरीदाबाद को 5 रिक्शे उपलब्ध करवाए गए। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव ने सी.दास ग्रुप के चेयरमैन व फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान बी आर भाटिया, उनके अनुज व सी. दास ग्रुप के निदेशक विपिन भाटिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फरीदाबाद शहर की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि लोग यहां हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं। निगमायुक्त ने अपील कि और भी लोग इस स्वछता अभियान में मदद के लिए आगे आए, जिससे इस अभियान को और तेजी के साथ गति दी जा सके। इस मौके पर अतिरिक्त निगमायुक्त एवं वार्ड-12 के नोडल आफिसर इन्द्रजीत कुलाड़िया, अतुल सहगल, सी. दास ग्रुप की और से निदेशक विपिन भाटिया, ओमवीर सिंह, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शहीद भगत सिंह बिग्रेड ने मनाया लोहड़ी पर्व

लोहड़ी पर्व मनाते शहीद ए आजम भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह सन्धू व अन्य।

फरीदाबाद। शहीद भगत सिंह बिग्रेड द्वारा आज एनएच-3 मे लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर शहीद ए आजम भगत सिंह के पौत्र एवं शहीद भगत सिंह बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह सन्धू मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर यादवेन्द्र सिंह सन्धू ने बिग्रेड के अन्य सदस्यो के साथ मिलकर पूजा अर्चना की व मूगफली रेवड़ी का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर सुंदर-मुंदरिए, दुल्हा भट्टी वाला की गूंज से सारा वातावरण खुशनुमा बन गया और सभी ने पंजाबी गीतों पर खूब डांस किया। इस मौके पर यादवेन्द्र सिंह सन्धु ने कहा कि लोहड़ी पर्व का आयोजन कोरोना गाईडलाइन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जिसमें मास्क पहनना अनिवार्य और सोशल डिस्टेंस का पूरा ध्यान रखा गया। उन्होंने कहा कि यह पर्व जीवन में उल्लास बिखेरने वाला पर्व है। उन्होनें कहा कि लोहड़ी खुशहाली का संदेश लेकर आती है नए साल का यह पहला त्योहार लोगों के दिलों में खुशियां भर देता है।

लापरवाही : टीकमगढ़ के परिवार को सौंप दिया शहर के व्यक्ति का शव

बीके अस्पताल में दूसरी बार हुई शवों की अदला-बदली दोनों के परिजन परेशान रहे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में शवों की अदला-बदली होने की दूसरी घटना सामने आई है। 21 जून 2020 को सोनू नामक युवक का शव बदल गया था। अब ट्रेन दुर्घटना में मारे गए सोनू नामक युवक की डेडबॉडी मध्यप्रदेश के एक परिवार को सौंप दी। परिवार पहुंचने पर उन्हें वहां तैनात पुलिसकर्मी ने शव बदलने की बात बताई। जिस पर परिजनों ने हंगाम कर दिया। परिजनों का कहना था कि पुलिस उनकी बात ही नहीं सुन रही है।

11 जनवरी को बीके अस्पताल में जीआरपी द्वारा विभिन्न स्थानों पर ट्रेन से कटे चार लोगों के शवों को मोरचरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया था। पोस्टमार्टम के बाद टीकमगढ़ से आए एक परिवार को एक मृतक का शव सौंप दिया गया। लेकिन वह जिस शव को पहचान करके अपने साथ ले गए, वह सुभाष कालोनी निवासी सोनू का निकला। इसका खुलासा मृतक सोनू के मध्यप्रदेश में अंतिम संस्कार के बाद हुआ। वहीं मृतक के परिजनों को अब उसके पुष्प देने के लिए टीकमगढ़ से परिवार यहां आ रहा है। जिसके बाद वह यहां आकर उसके पुष्प परिवार को सौंपेंगे और अपने असली मृतक का अंतिम संस्कार करके यहां से वापस लौटेंगे।

शोकाकुल मृतक युवक सोनू के परिजन। इनसेट में सोनू की फाइल फोटो।

ऐसे हुआ खुलासा: बीके अस्पताल के शवगृह से 27 वर्षीय युवक का शव गायब हो गया। युवक की मौत रेलवे दुर्घटना में हुई थी। मृतक की पहचान सुभाष कालोनी निवासी मोनू के रूप में हुई। वह मूलरूप से बिहार जिला लखीसराय के गांव इटोन का निवासी था। जीआरपी की शुरुआती जांच में अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई है। कर्मचारियों ने सोनू का शव टीकमगढ़ के एक परिवार को दे दिया। पिता साधु साह ने बताया कि सोनू घर चलाने के लिए वह कबाड़ा एकत्र कर बेचता था। जीआरपी नें उन्हें एक शव की फोटो दिखाई तो उन्होंने पहचान सोनू के रूप में की। बृहस्पतिवार सुबह स्वजन शव लेने बीके अस्पताल पहुंचे। शवगृह के कर्मचारियों ने उन्हें रेलवे दुर्घटना से मरे चार लोगों के शव दिखाए मगर उनमें सोनू का शव नहीं था। बार-बार पूछने पर अस्पताल के कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि सोनू का शव किसी अन्य को दे दिया है।

इस तरह बदला शव: जीआरपी थाना प्रभारी सोहनपाल ने बताया कि मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ निवासी 30 वर्षीय कमलेश कुमार यहां लकड़पुर में रहता था। 10 जनवरी को लकड़पुर फाटक के पास रेलवे दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। पत्नी ने शव की पहचान की। शव का पोस्टमार्टम बादशाह खान अस्पताल में कराया गया। शवगृह के कर्मचारियों ने लापरवाही से कमलेश की जगह सोनू का शव सौंप दिया। उन्होंने भी मध्यप्रदेश ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

कोरोना विस्फोट: एक मौत, 1107 पॉजिटिव और 144 निकले नेगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना विस्फोट लगातार जारी है। बृहस्पतिवार को जहां 1107 नए संक्रमित सामने आए। वहीं जिसमें 144 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। इसी के साथ जिला स्वास्थ्य विभाग ने एक कोरोना पॉजिटिव की मौत की पुष्टि की है। जिले में पिछले 24 घंटे में 4839 सैम्पल जांच किए गए।

मात्र एक मौत: जिले में एक मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 718 पर पहुंच गया, लेकिन जिले में बुधवार को दो मौते हुई थी। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से एक ही मृतक की मौत की पुष्टि की गई है। वहीं जिले में पिछले 24 घंटे में 4839 सैम्पल जांच किए गए। लेकिन जिले में हजारों की संख्या में रिपोर्ट आनी शेष है। जिसमें सरकारी में 3624 और निजी प्रयोगशालाओं के 1520 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है। लेकिन जिले में बढ़ते मामलों के बीच लोग अब भी लापरवाही बरत रहे हैं। कोरोना जांच प्रयोगशाला में सैम्पल जांच करवाने वालों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग का नामों निशान तक नजर नहीं आ रहा है।

सेक्टर-15 से अधिक: 1107 नए कोरोना संक्रमित में सर्वाधिक सेक्टर-15 से 451 मरीज आए हैं। जिससे जिले में एक्टीव केस 6720 हो गए है। जिसमें होम आईसोलेशन में 6581 और अस्पताल में दाखिल मरीजो की संख्या 139 है। जिसमें 30 ऑक्सीजन पर और 7 वैंटीलेटर पर भर्ती है।

प्रयोगशाला में जुटी भीड़ के बीच सैंपल देती महिला।

यहां से पॉजिटिव: 1107 पॉजिटिव में सेक्टर-77 से 11, अंगनपुर से 2, तिगांव और अनखीर से 1-1 मरीज है। सेक्टर-49 और 39 से 24-24 मरीज हैं। सराय ख्वाजा से 8, सेक्टर-37 से 21, एसजीएम नगर से 15, एनआईटी-5 से 17, एनआईटी-तीन से 6, सेक्टर-23 से 14, सेक्टर-22 से 11, जवाहर कालोनी से 12, सेक्टर-18 से 8, सेक्टर-29 से 29, सेक्टर-17 से 24, सेक्टर-16 से 71, सेक्टर-19 से 19, सेक्टर-14 से 31, सेक्टर-10 से 9, सेक्टर-11 से 5, सेक्टर-15 से सर्वाधिक 451 मरीज है। सेक्टर-91 से 11, सेक्टर-88 से 33, सेक्टर-82 से 14, सेक्टर-81 से 6, सेक्टर-87 से 7, सेक्टर-89 से 3, सेक्टर-77 से 10, सेक्टर-तीन से 17, सेक्टर-31 से 20, सेक्टर-21 से 55 मरीज है। अन्य एरियों से 560 मरीज शामिल है।

भाजपा नेता को मिली जान से मारने की धमकी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-23 में रहने वाले युवा भाजपा नेता शशांक अग्रवाल को फतेहपुर तगा में रहने वाले कुछ लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। शशांक अग्रवाल स्व. नरेश अग्रवाल के पुत्र हैं और अपने पिता का पुश्तैनी प्रॉपर्टी व्यवसाय संभालते हैं।

थाना धौज में दर्ज एफआईआर के मुताबिक शशांक अग्रवाल की जमीन गांव मादलपुर में है, जिसमें से एक प्लॉट पर बाउंड्री की हुई है। इस प्लॉट पर 10 जनवरी की शाम को कुछ लोग जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे और बाउंड्री को तोड़ दिया। इस बात की सूचना पड़ोसियों ने शशांक अग्रवाल को दी तो उनमें से एक महिला गीता व उसके साथ आए राहुल वगैरह ने जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने कहा कि आज तो तेरी बाउंड्री तोड़ी है, भविष्य में तुझे जान से भी मार देंगे।

इस शिकायत की सूचना पर जब थाना धौज पुलिस मौके पर पहुंची और तस्दीक की तो पुलिस को भी यही पता चला कि हमलावर लोग शशांक अग्रवाल की जगह पर बदनीयती से कब्जा करना चाहते थे। कब्जा करने की नीयत से ही उन्होंने तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने गीता, राहुल समेत अन्यों के खिलाफ भादंसं के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। थाना धौज प्रभारी ने बताया कि इस मामले में जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। साथ ही उन सभी वाहनों को भी कब्जे में लिया जाएगा, जिनका उपयोग इस अपराध में हुआ है।

वैक्सीन लगवाकर जीतेंगे कोरोना की जंग

वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक राजेश नागर ने लोगों को किया प्रेरित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव स्वास्थ्य केंद्र पर वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण करते विधायक राजेश नागर।

विधायक राजेश नागर ने तिगांव स्वास्थ्य केंद्र पर 15 से 18 वर्ष आयु के बच्चों की वैक्सीनेशन के कार्य का उद्घाटन किया और पहले से चल रहे वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण किया और वहां मौजूद डॉ अजय गोयल और डॉ श्वेता से वैक्सीनेशन के कार्य को सफल बनाने की अपील की।

नागर ने डाक्टर्स से कहा कि आपके यहां अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों से लोग आते हैं। इसलिए आप लोग ऐसी व्यवस्था बनाएं कि यहां आने वाले सभी लोगों को अच्छा महसूस हो। उन्होंने वैक्सीन लगवाने के लिए आए किशोरों से बात की और उन्हें वैक्सीन लगवाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम कोरोना महामारी के दो राउंड जीत चुके हैं और तीसरे को भी जरूर जीतेंगे। उन्होंने बच्चों और बुजुर्गों के साथ विशेष रियायत बरतने के लिए भी स्टाफ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों का कोमल हृदय होता है। इनको हमें और प्रेरित करना है जिससे कि अन्य लोग जो किसी भी कारण से वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं, वह भी यहां आकर वैक्सीन लगवाएं। विधायक राजेश नागर ने कहा कि फिलहाल सकारात्मक विचार, निश्चित दूरी, मास्क, सैनिटाइजेशन और वैक्सीन ही इस बीमारी से बचाव के उपाय हैं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही हमारे बीच इस बीमारी की दवा भी आ जाएगी। नागर ने सभी को बिना संकोच और चिंता के वैक्सीन की सभी खुराक लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से हम वैक्सीन के सहयोग से ही जीत सकेंगे। इस अवसर पर हरीचंद सरपंच, विक्रम सरपंच, रघुबीर जैलदार, अमन नागर, राजेंद्र सरपंच, हितेश पालटा आदि मौजूद रहे।

अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान द्वारा अवैध हथियार के मामलों पर कार्रवाई करने के दिए गए निंदेश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले आरोपी निर्भय उर्फ अक्षय को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान निर्भय उर्फ अक्षय निवासी गांव पहलादपुर तिगांव फरीदाबाद के रुप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने अवैध हथियार को अपने घर भैंसों की रखवाली करने वाले बिहार के रहने वाले अक्षय से 20000 रुपये में गिरवी रखा था। नौकर अक्षय 2 साल पहले अपने गांव गया था। जो अभी तक नही आया है। आरोपी के बारे में गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के पर अवैध हथियार सहित सेक्टर-77-78 के चौक से गिरफ्तार किया है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हरियाणा कर्मचारी महासंघ हिस्सा लेगा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 64 स्थित 66 केवी पावर हाउस में आयोजित बैठक में भाग लेते बिजली निगम के कर्मचारी।

हरियाणा कर्मचारी महासंघ की एक आवश्यक मीटिंग 66 केवी पावर हाउस सेक्टर 64 बल्लभगढ़ में एचकेएम के प्रांतीय महासचिव सुनील खटाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य आगामी होने वाली 23 व 24 फरवरी 2022 की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर पूरे प्रदेश में हरियाणा कर्मचारी महासंघ के बैनर के तले होने वाली इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया।

इस अवसर पर सुनील खटाना ने कर्मचारियों को अपने वक्तव्य में कहा कि आगामी 16 जनवरी 2022 को रोहतक के रोडवेज भवन में हरियाणा कर्मचारी महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी ने राज्य की तमाम विभागीय यूनियनों के प्रधान व सचिवों सहित सभी जिलों के प्रधान सचिवों के साथ एक मीटिंग की जाएगी और पूरे प्रदेश के कर्मचारियों को लामबंद करके आगामी 23 और 24 फरवरी 2022 की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को पूरे प्रदेश मे सफल बनाना है आज देश और प्रदेश में कर्मचारियों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। हड़ताल को सफल बनाने के लिए प्रदेश के एक-एक कर्मचारियों को लामबंद किया जाएगा। आज प्रदेश में कर्मचारी वर्ग की लम्बित मांगों पर किसी का भी ध्यान नहीं है। सरकार सरेआम श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ा रही है। जिसमें 29 श्रम कानूनों को समाप्त करके पूंजीपतियों की सुविधानुसार 4 श्रम कानून लागू करने जा रही है। जो कि सीधे तौर पर कर्मचारी वर्ग का शोषण है। सरकार कोविड की आड़ में प्रदेश के कर्मचारियों का 18 महीने का डीए का एरियर डकार ना चाहती है। हम इसे लेकर रहेंगे। कच्चे कर्मचारियों को समान काम समान वेतन का लाभ देना, न्यू पेन्शन की जगह पुरानी पेंशन प्रणाली को बहाल कराना, सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए इंटर यूटिलिटी ट्रांसफर की सुविधा देना, दुर्घटनाओं के शिकार कर्मचारियों के आश्रितों को एक्सग्रेशिया का लाभ देना, बिजली की फ्री यूनिट को बढ़वाना, जोखिम भत्ता दिलवाना, सभी विभागों में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को रद्द किया जाना, आदि मांगों को एकत्र होंगी।

सेवादारों की ई-श्रम कार्ड प्राप्त करने में करें मदद: उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ई-श्रम कार्ड बनवाने पर 2 लाख रुपये का मुफ्त बीमा एवं 5 लाख रुपये के मुफ्त ईलाज की है सुविधा

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने जिला वासियों का आह्वान किया है कि वे अपने घरों, दुकानों आदि में कार्य करने वाले नौकरों, हाउस मेड, सेल्स ब्वॉयज, सेल्स गर्ल्जस, रिक्शा चालक आदि की ई-श्रम कार्ड के लिए पंजीकरण में मदद करें। ई-श्रम कार्ड धारकों को 2 लाख रुपये का निशुल्क बीमा तथा 5 लाख रुपये तक निशुल्क ईलाज की सुविधा मिलेगी। श्रम विभाग की योजनाओं का भी लाभ मिल पायेगा।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा है कि असंगठित कामगारों का राष्ट्रीय स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए पंजीकरण किया जा रहा है। इसके लिए सभी असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले नागरिकों के ई-श्रमिक कार्ड बनाये जा रहे है। सभी व्यक्ति अपने घरों, दुकानों व अन्य प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले श्रमिकों आदि का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करवाये। ई-श्रम कार्ड के लिए 16 से 59 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे व्यक्ति शामिल है, जो आयकर दाता न हो तथा किसी भी सीपीएस/एनपीएस/ईपीएफओ/ईएस आईसी के सदस्य न हो।

उपायुक्त ने कहा कि ई-श्रम कार्ड के लिए अपने नजदीकी पब्लिक सर्विस सेंटर/सीएससी/डाकघर पर पंजीकरण करवा सकते है। स्वयं भी साइट http://eshram.gov.in/ पर लॉग इन कर पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेजों में केवल आधार संख्या, मोबाइल संख्या तथा बैंक खाता संख्या अनिवार्य है। ई-श्रम कार्ड के माध्यम से 2 लाख रुपये का निशुल्क बीमा की सुविधा मिलेगी।

महामारी अलर्ट-'सुरक्षित हरियाणा' के तहत नए दिशा-निर्देश जारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पब्लिक मीटिंग्स, रैली, धरने-प्रदर्शनों पर भी लगी रोक

जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला फरीदाबाद को सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रदेश में कोरोना के बढ़ते केसों के चलते सरकार ने महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा के तहत मिनी लॉकडाउन की पाबंदिया जारी कर दी हैं।

जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला में कोविड के प्रकोप के चलते 12 से 19 जनवरी तक सभी राजकीय व प्राइवेट स्कूल, कोलेज, पॉलीटैक्निक, आईटीआई, कोचिंग इंस्टीटयूट, लायब्रेरी तथा ट्रेनिंग इंस्टीटयूट और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। स्कूलों में 15 से 18 वर्ष आयु के किशोरों के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार वैक्शीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा ज़िला में मॉल और मार्केट शाम छह बजे तक ही खुले रखे जा सकते हैं। बार और रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत सीटिंग क्षमता के साथ ही संचालित होंगी। जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने जिला में यह दिशा-निर्देश हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के चेयरमैन तथा हरियाणा के मुख्य सचिव ने जारी किए महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा आदेशानुसार जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला में दाह संस्कार और विवाह समारोह में क्रमश 50 और 100 लोगों से ज्यादा भाग नहीं ले सकते हैं, उन्हें भी कोविड अनुकूल व्यवहार तथा सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करना होगा। एनजीओ तथा शहरी स्थानीय निकायों को पब्लिक में मास्क वितरण की सलाह दी गई है। जिला में 'नो मास्क नो सर्विस' का दृढ़ता से पालन किया जाएगा। कोविड अनुकूल व्यवहार का उल्लंघन करने वालों तथा मास्क नहीं पहनने और सोशल डिस्टन्सिंग आदि का पालन नहीं करने वालों पर 500 रुपये जुर्माना किया जाएगा और संस्थान यदि इन नियमों की अवहेलना करता है तो उस पर 5000 रुपया जुर्माना होगा। उन्होंने आगे कहा कि रात्रि 11 बजे से सुबह पाँच बजे तक आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा।

सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रतिदिन पॉज़िटिव केसों के आधार पर ग्रुप रेड जोन में कुछ और प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। जिनमें सभी सिनेमाहॉल, थियेटर, मल्टीप्लैक्स बंद रखने, सभी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, स्टेडियम, स्विमिंग पूल बंद रखे जाएंगे। केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को इस नियम में छूट होगी। किसी बाहरी व्यक्ति अथवा दर्शक को स्टेडीयम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इन पांच ज़िलों में सभी एंटरटेनमेंट पार्क और बिज़नेस टू बिज़नेस एग्जिबीशन पर भी प्रतिबंध रहेगा।

मौर्य का इस्तीफा

सपा को वरीयता

राजनीति का खेल एक शक्तिशाली पिछड़े वर्ग के नेता को उत्तर प्रदेश में 2022 में गेमचेंजर साबित कर सकता है। इस समय अपने द्वारा उठाए दो कदमों के कारण स्वामी प्रसाद मौर्य सुर्खियों में हैं। पहला, उन्होंने भाजपा तोड़ दी तथा दूसरा उन्होंने 14 जनवरी को सपा में शामिल होने का वादा किया है। इस घटनाक्रम के बारे में केवल एक सवाल पूछा जा सकता है। इसका संबंध इस बात से नहीं है कि भाजपा इस झटके से उबरने के लिए क्या करेगी। सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की राजनीति पिछड़े वर्गों की एक चुनावी एकजुटता तथा उस पार्टी से मुकाबला स्वीकार करने के लिए तैयार है जो जातीय पहचानें धुंधली करने के लिए धार्मिक विचारधारा का प्रयोग करती है। कम से कम कागजी तौर पर मौर्य की कार्रवाई में अनेक ओबीसी जातियों को यादव प्रभुत्व वाली समाजवादी पार्टी से जोड़ने की क्षमता है। वे मजबूत समर्थन आधार वाले नेता हैं। मौर्य, कुशवाहा समाज के कुछ हिस्से, यादव, लोध व कुर्मी संख्याबल के विचार से महत्वपूर्ण ओबीसी समुदाय हैं। उनका भाजपा से इस्तीफा सभी ओबीसी जातियों में ऐसे समय एक संदेश देता है जब दो बड़े प्रतिद्वंद्वी भाजपा और सपा छोटे ओबीसी समुदायों के साथ एक गठबंधन बनाने में व्यस्त हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी की क्षमता पर ध्यान केन्द्रित रहेगा कि वह यादवों और गैर-यादव ओबीसी के बीच कारगर गठबंधन बनाने में कहां तक सफल होती है। सपा नेता अखिलेश यादव अपना समर्थन आधार यादवों और मुसलमानों से आगे ले जाना चाहते हैं। लेकिन केवल इच्छा ही उस समय तक काफी नहीं होगी जब तक वे गैर-यादव समुदायों को पार्टी के सर्वोच्च पदानुक्रम में स्थान देने को तैयार न हो जाएं।

हालांकि, अब समग्र सामाजिक गठबंधन बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, पर यदि ऐसा होता है तो यह मंडल युग के बाद पहली बार होगा कि सभी पिछड़ी जातियां एक समान मंच पर साथ आएंगी। आने वाले चुनावों का अर्थ नए गठबंधन सहयोगियों के बीच वोटों का पूर्ण हस्तांतरण होगा, लेकिन जमीनी स्तर पर व्याप्त व्यापक मतभेदों के कारण ऐसा होना आसान नहीं है। इन मतभेदों से निपटने पर ही निर्भर होगा कि वे कितना मजबूत भाजपा-विरोधी आधार तैयार करने में सफल होते हैं। मौर्य के तस्वीर में आने से पहले अखिलेश गठबंधन सहयोगियों के बीच सुपरिचित व परंपरागत गठबंधन बनाने का प्रयास कर रहे थे। वे कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी की कीमत पर आगे बढ़ते दिख रहे थे। उन्होंने सफलता के लिए मुसलमानों को समर्थन के संकेत दिए थे ताकि उनके वोट न बंटने पाएं। उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल के एक हिस्से, ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव समाज पार्टी, महान दल और जनवादी पार्टी-सोशलिस्ट से समझौते किए थे। अखिलेश अपने गठबंधन को शरद पवार की रांकापा तथा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ जोड़ कर एक राष्ट्रीय स्वरूप देना चाहते हैं। दोनों को एक-एक सीट दी जा सकती है। लेकिन वास्तव में 2014 के बाद वे पहली बार मौर्य के कारण सीधे भाजपा को नुकसान पहुंचा कर लाभ उठा सकते हैं। शायद इसी कारण मौर्य और पार्टी छोड़ने वाले दो भाजपा विधायकों ने अखिलेश के सामाजिक न्याय विमर्श को साझा करते हुए भाजपा पर उसके धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय 'दलितों, पिछड़ों, किसानों, बेरोजगार नौजवानों तथा छोटे व मझोले व्यापारियों' की अनदेखी का आरोप लगाया है।

स्वामी विवेकानंद की असाधारण बुद्धिमत्ता

नैतिक, आदर्शात्मक व मानवीय मूल्यों में क्षरण से मुकाबला करने के लिए चरित्र निर्माण तथा मूल्य समाहित करने की प्रक्रिया पुन: सीखनी जरूरी है।

जेएस राजपूत
(लेखक शिक्षा व साामजिक एकजुटता हेतु कार्यरत हैं)

केवल स्वामी विवेकानंद के नाम का उल्लेख करने भर से युवा और वृद्धों में समान रूप से ऊर्जा का संचार हो जाता है। इस ग्रह पर अपने केवल चार दशकों के जीवन में उन्होंने वैश्विक मंच पर 'सच्चे भारत' की तस्वीर पेश की। संभवत: उन्होंने ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से 'भारतीयता' को भी परिभाषित किया। उन्होंने अतीत को समझा, वर्तमान का विश्लेषण किया तथा भविष्य के लिए उचित रणनीति निर्धारित की। विचारों की शक्ति और कल्पना करने की क्षमता ने हर खोजी युवा के मन में उनके दर्शन का आधार तैयार कर दिया। उनके दर्शन का महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सबको प्रेरित किया जिसमें शिक्षक तथा सीखने वाले दोनों थे। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति मूलत: वही सीखता है जिसे वह मूलत: स्वयं 'खोजता या उद्घाटित करता' है। ऐसा तब होता है जब कोई व्यक्ति अपनी आत्मा पर पड़े आवरण को हटाता है। उन्होंने यह कह कर सबकी आत्मा में ऊर्जा भर दी कि शिक्षा, सीखने और वंचितों को आगे बढ़ाने के मूलाधारों को एक आधारभूत शिक्षा सिद्धान्त पर जोर देना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'शिक्षा व्यक्ति में पहले से मौजूद उत्कृष्टता को अभिव्यक्ति देने का माध्यम है।' कोई सीखने वाला कभी भी उनके द्वारा अभिव्यक्त ज्ञान के स्रोत को इनकार कर सकता है। उन्होंने कहा था, 'दुनिया ने अब तक सारा ज्ञान मस्तिष्क से प्राप्त किया है जो हमारे मन में सारे ब्रह्मांड का पुस्तकालय है। सेब के जमीन पर गिरने ने न्यूटन को एक संकेत दिया था जिसके बाद उन्होंने स्वयं अपने मस्तिष्क का अध्ययन किया। उन्होंने अपने मन में पहले से उपस्थित सभी विचारों का पुन: संयोजन किया। इस प्रकार न्यूटन ने एक नया विचार खोजा जो गुरुत्वाकर्षण नियम के रूप में हमारे सामने आया।'

वास्तविक शिक्षाशास्त्र की कोई आफलाइन या आनलाइन या हाइब्रिड प्रक्रिया इस लक्ष्य को उस समय तक नहीं प्राप्त कर सकती है जब तक प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपने भीतर उपस्थित खजाने को निकालने पर अनिवार्य रूप से जोर न दिया जाए। कोई भी स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में देख सकता है कि स्वामी विवेकानन्द के स्वर्णिम विचार और दृष्टिकोण कैसे छात्रों में अपने प्रति आत्मविश्वास भर देते हैं और वे अपने बारे में ज्यादा खोज करने के लिए प्रेरित होते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षकों और छात्रों, दोनों से उम्मीद की थी कि वे ज्ञान की सच्ची खोज में पवित्रता को स्थान देंगे तथा उन गुणों को बढ़ावा देंगे जो दृढ़ता के साथ अपने भीतर उपस्थित ज्ञान को खोज कर उसे उत्कृष्टता प्रदान करने में सहायक हो सकें। इसी प्रकार शिक्षक को यह अवश्य जानना चाहिए कि 'अब तक वास्तव में किसी ने किसी को कुछ सिखाया नहीं है, बल्कि सभी लोगों ने स्वयं सीखा है। बाहरी शिक्षक केवल एक संकेत देता है जो आंतरिक शिक्षक को चीजों को समझने में सहायक सिद्ध होता है। इसके बाद चीजें हमें ज्यादा स्पष्ट हो जाती हैं, हमारी समझने और विचार करने की क्षमता बढ़ती है तथा हम अपनी आत्माओं को बेहतर समझने में सफल होते हैं।' इस संबंध में इक्कीसवीं शताब्दी में शिक्षा को स्वरूप देने वाली यूनेस्को की 1996 की रिपोर्ट का संदर्भ दिया जा सकता है। डेलोर्स कमीशन रिपोर्ट के नाम से लोकप्रिय इस रिपोर्ट में स्वामी विवेकानंद के शिक्षा दर्शन को उसके शीर्षक-'अपने भीतर का खजाना खोजें' में ही देखा जा सकता है। खोजों और उद्यामिता पर लगातार जोर देने वाले इस समय में आलोचनात्मक सोच तथा विश्लेषणात्मक कौशल को शिक्षा संस्थानों में केवल तभी प्राप्त किया जा सकता है जब शिक्षक और छात्र अपनी शिक्षाशास्त्रीय रणनीतियों का स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए आंतरिक आयामों के अनुसार पुन: उन्मुखीकरण करें। स्वामी विवेकानन्द ने बार-बार जोर दिया था कि केवल सूचनायें प्राप्त करना ही शिक्षा नहीं है। उनके अनुसार, असली शिक्षा 'जीवन का निर्माण करने वाली, मनुष्य का निर्माण करने वाली, चरित्र का निर्माण करने वाली तथा विचारों का समन्वय होती है।'

स्वामी विवेकानन्द के स्वर्णिम विचार और दृष्टिकोण कैसे छात्रों में अपने प्रति आत्मविश्वास भर देते हैं और वे अपने बारे में ज्यादा खोज करने के लिए प्रेरित होते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षकों और छात्रों, दोनों से उम्मीद की थी कि वे ज्ञान की सच्ची खोज में पवित्रता को स्थान देंगे तथा उन गुणों को बढ़ावा देंगे जो दृढ़ता के साथ अपने भीतर उपस्थित ज्ञान को खोज कर उसे उत्कृष्टता प्रदान करने में सहायक हो सकें।

शिक्षा चरित्र का निर्माण करती है, मस्तिष्क की शक्ति बढ़ाती है, बुद्धि का विस्तार करती है तथा किसी को भी अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए तैयार करती है। इसकी सभी जगह समान रूप से स्वीकार्यता है और केवल इसे सच्ची भावना से क्रियान्वित करने का मुद्दा बचता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी-2020 सीखने वालों में समग्र विकास को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहती है, 'नीति का दृष्टिकोण सीखने वालों में अपने भारतीय होने के प्रति गहरे गौरव को समाहित करना है। ऐसा न केवल विचार में, बल्कि भावना, बुद्धि व कार्यों में भी होना चाहिए। इसके साथ ही ऐसे ज्ञान, कौशल, मूल्यों व अनुशासनों का विकास होना चाहिए जो मानवाधिकारों, टिकाऊ विकास तथा जीवन व वैश्विक बेहतरी के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा दें। इस प्रकार हम वास्तव में सच्चे विश्व नागरिक तैयार कर सकेंगे।' वर्तमान समय में जारी नैतिक, आदर्शात्मक व मानवीय मूल्यों में क्षरण से मुकाबला करने के लिए चरित्र निर्माण तथा मूल्य समाहित करने की प्रक्रिया पुन: सीखनी जरूरी है। इसका पुन: उन्मुखीकरण चरित्र निर्माण, मूल्यों को समाहित करने तथा उसे आंतरिक रूप से ग्रहण करने पर होना चाहिए। केवल ऐसा करने से ही बहु-प्रतीक्षित वैश्विक शांति और सद्भावना का विकास होगा, हिंसा में कमी आएगी तथा युद्धों में बहुत ज्यादा निवेश करने से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा व्यवस्थाओं को यह अवश्य समझना चाहिए कि आज मानवता के समक्ष आने वाले अधिकांश सरोकारों, जैसे जलवायु परिवर्तन व जैविक संसाधनों में कमी को स्वयं मनुष्यों ने ही पैदा किया है। इसे केवल ऐसे पुरुषों व महिलाओं द्वारा रोका जा सकता है जिनमें क्षमता, प्रतिबद्धता तथा चरित्र को मानवता से जोड़ा गया हो तथा मानव-निर्मित सारी सीमाओं को उनके द्वारा तोड़ा गया हो। भारत को इस दिशा में नेतृत्व करने का महान अवसर प्राप्त हुआ है। उसके पास अनुभव, ज्ञान, विवेक और कौशल है जिससे वह आगे बढ़ सकता है। इतिहास तथा ऐतिहासिक शक्तियों के बारे में स्वामी विवेकानंद की अपनी समझदारी इतनी गहरी थी कि उन्होंने पूर्वानुमान लगाया था, 'भारत अभूतपूर्व परिस्थितियों से 50 साल के भीतर मुक्त हो जाएगा।' इसके साथ ही उन्होंने रूस में होने वाली पहली सर्वहारा क्रांति का सटीक पूर्वानुमान किया था। भारत के बारे में उनका पूर्वानुमान था कि यह 'एक दिन समृद्धि और शक्ति की महान ऊंचाइयों तक पहुंचेगा जो अतीत में उसके द्वारा प्राप्त उपलब्धियों से बहुत अधिक होंगी।' ऐसा लगता है कि स्वामी विवेकानंद का यह पूर्वानुमान भी सही सिद्ध होगा।

उन्होंने धर्मों पर विश्व संसद के अंतिम सत्र में महत्वपूर्ण संकेत करते हुए कहा था, 'बीज जमीन में बो दिया गया है तथा उसे मिट्टी, हवा और पानी उपलब्ध करा दिया गया है। क्या बीच मिट्टी, हवा या पानी में बदल जाएगा? नहीं, यह एक पौधा बनेगा।' स्वामी विवेकानन्द ने आगे कहा था, 'यही बात धर्म के बारे में कही जा सकती है। ईसाइयों को हिंदू या बौद्ध बनने की आवश्यकता नहीं है, न ही एक हिंदू या बौद्ध को ईसाई बनने की जरूरत है। हम में से प्रत्येक को दूसरों की भावना अपने भीतर समाहित करते हुए भी अपने व्यक्तित्व को बनाए रखना होगा।' यह सभी धर्मों और मानवता का वैश्विक लक्ष्य होना चाहिए।

कज़ाखस्तान में चोरों के बीच टकराव

गुइन डायर
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कजाखस्तान में हाल की घटनाओं के बारे में दो प्रश्न। पहला, क्या पिछले हफ्ते देश के सबसे बड़े शहर अलमाटी में 20,000 डाकुओं और शासन की पुलिस के बीच कत्लखाने की लड़ाई वास्तव में चोरों के बीच का झगड़ा था? और दूसरा, रूसी सैनिक क्यों शामिल हुए?

पिछले महीने एक विशेष चैथम हाउस की रिपोर्ट में पाया गया कि नूरसुल्तान नज़रबायेव के परिवार और सहयोगियों, सोवियत कजाकिस्तान के कम्युनिस्ट शासक और तत्कालीन स्वतंत्र कजाकिस्तान के राष्ट्रपति ने 35 वर्षों के लिए, लंदन और दक्षिणी इंग्लैंड में केवल चार वर्षों में 1998 में। 720 मिलियन में 34 संपत्तियां खरीदीं- 2002। कजाकिस्तान में हर कोई जानता है कि उन पर चोरों का शासन है। जो रूसी अच्छा कर रहे थे वे आजादी के बाद रुके और बाकी चले गए। कज़ाख जो अच्छा कर रहे हैं, उन्हें कार्यालय में चोरों से भी कोई आपत्ति नहीं है - लेकिन अधिकांश कज़ाख बहुत अच्छा नहीं कर रहे हैं।

वे सभी गंदगी गरीब नहीं हैं - इस बार का विरोध शुरू में कारों के लिए ईंधन की कीमत में दोगुने होने के बारे में था - लेकिन केपीएमजी की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 162 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति है। ऐसी बात किसी को पसंद नहीं आती। इसलिए, 2 जनवरी को शुरू हुआ शांतिपूर्ण विरोध तेजी से देश के हर कोने में फैल गया - और फिर अल्माटी में चीजें पागल हो गईं। बुधवार, 5 जनवरी को, प्रदर्शनकारियों के लिए अज्ञात लोगों के सुव्यवस्थित समूह भीड़ में शामिल हो गए और आधिकारिक भवनों पर हमला करना शुरू कर दिया। उतनी ही अजीब बात यह है कि उसी बुधवार को पुलिस ने अलमाटी में प्रमुख इमारतों को असुरक्षित छोड़ दिया। राष्ट्रपति का महल जला दिया गया, हवाई अड्डे पर कब्जा कर लिया गया, लोग मारे गए - लेकिन क्या वे सही लोग थे?

राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट टोकायव ने इसके बारे में आश्वस्त किया। विदेश में शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत की मांग की जा रही है, उन्होंने टेलीविजन पर कहा क्या मूर्खता है! आप अपराधियों

के साथ किस तरह की बातचीत कर सकते हैं? हम स्थानीय और विदेशी दोनों तरह के सशस्त्र और अच्छी तरह से तैयार डाकुओं से निपट रहे हैं, जिन्हें नष्ट कर दिया जाना चाहिए। हमें उन्हें मारना चाहिए। तोकायेव अपने वचन के समान ही अच्छा था। शूटिंग शुक्रवार तक खत्म हो गई थी, और पुलिस और सैनिकों ने निश्चित रूप से बहुत से लोगों को मार डाला था। 9 जनवरी को उन्होंने घोषणा की कि 164 मारे गए और 8,000 से अधिक गिरफ्तार किए गए, जिनमें विदेशी नागरिकों की एक बड़ी संख्या भी शामिल है। लेकिन स्क्रिप्ट में कुछ ढीले सिरे थे। उसी बुधवार को जब हिंसा शुरू हुई, राष्ट्रपति टोकायव ने सेवानिवृत्त राष्ट्रपति नज़रबायेव को राज्य परिषद के प्रमुख के रूप में उनकी शेष नौकरी से बर्खास्त कर दिया। नज़रबायेव ने तीन साल पहले अपनी उम्र (वह 81 वर्ष) के कारण राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन सभी ने माना कि वह वास्तव में अभी भी प्रभारी थे, और अभी भी अपनी बेटी दरिगा को नौकरी के लिए तैयार कर रहे थे। (प्रदर्शनकारियों ने चिल्लाया 'बूढ़े आदमी, जाओ!')

फिर अचानक टोकायव ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मदद मांगी - और नज़रबायेव पूरी तरह से सरकार से बाहर हो गए। 2,000 रूसी सैनिक एक दिन में उड़ान भरते हैं। वे किसी भी नागरिक को गोली नहीं मारते हैं, लेकिन एक बार जब वे जमीन पर होते हैं तो टोकायव देश के पूर्व खुफिया प्रमुख करीम मासीमोव को देशद्रोह के संदेह में गिरफ्तार करने का आदेश देते हैं। मासिमोव नज़रबायेव के सबसे करीबी सलाहकार थे। क्या रूसियों के आने से पहले टोकायव ने उसे गिरफ्तार करने की हिम्मत की होगी?

मैं बिंदुओं में शामिल होने में मदद नहीं कर सकता, और यह मेरे लिए तख्तापलट जैसा लगता है। शायद एक असफल तख्तापलट का प्रयास जिसमें नज़रबायेवा के लोग एक अति-शक्तिशाली तोकायेव से सत्ता वापस लेने की कोशिश कर रहे थे, जो वास्तविक मालिक बनना चाहता था, न कि केवल दरिगा नज़रबायेवा के लिए एक स्थान-धारक। या हो सकता है कि टोकायव ने खुद बूढ़े आदमी और उसकी महत्वाकांक्षी बेटी को दरकिनार करने का कदम उठाया हो। टोकायव ने सोमवार को खुद को स्वीकार किया कि विरोध वास्तव में तख्तापलट का प्रयास था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके पीछे कौन था। मेरा अनुमान है कि वह था। कि उन्होंने वास्तव में विरोध शुरू नहीं किया था, लेकिन उन्होंने उनमें एक अवसर देखा था। उसे बूढ़े आदमी के खिलाफ जाने के लिए रूसी समर्थन की आवश्यकता थी, और उसे रूसियों को आमंत्रित करने के लिए एक बहाने की आवश्यकता थी, इसलिए उसने विरोध को हिंसक बनाने और उस बहाने को बनाने के लिए अपने ठगों को भेजा। या हो सकता है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ हो, और यह अमीर और शक्तिशाली लोगों को कुचलने की एक और सांसारिक कहानी है। मुझे एक वर्ष में एक साजिश सिद्धांत की अनुमति है, और मैं इसे जल्दी प्राप्त कर रहा हूं।

किसी भी तरह, मुझे पता है कि रूस का मकसद क्या था। ज्यादातर लोग भूल जाते हैं कि सोवियत संघ सिर्फ एक और यूरोपीय औपनिवेशिक साम्राज्य था। अंतर केवल इतना था कि यह एक भूमि साम्राज्य था, और यह कि इसने एक के बाद एक पीढ़ी को समाप्त कर दिया। पुतिन उस साम्राज्य में पले-बढ़े, वह अभी भी इसके निधन पर शोक मनाते हैं, और वह वहां रूस के प्रमुख प्रभाव को बहाल करने के लिए कोई भी मौका लेंगे। यहां कोई सुसंगत रणनीति नहीं है। पुतिन सख्त हैं और वह दुष्ट हो सकते हैं, लेकिन वह वास्तव में एक रोमांटिक हैं, न कि विश्व विजेता।

आप की बात

यूपी में भाजपा को झटके

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। सियासी गलियारों में हलचल हो चुकी है। लेकिन सबसे बड़ी उठापटक उत्तर प्रदेश के बीजेपी खेमें में देखने को मिल रही है। जहाँ लगातार भाजपा के बड़े नेता, मंत्री, विधायक, दूसरे दलों का दामन थाम रहे हैं। पिछले एक महीनों के अंदर भारतीय जनता पार्टी के 17 से अधिक नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। इसमें स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चौहान जैसे बड़े नेता शामिल हैं। यह सिलसिला थमा नहीं है। ऐसी संभावना है कि अभी आगे भी ऐसी टूट फूट देखने को मिल सकती है। ये अफरा तफरी बता रही है कि बीजेपी में सब कुछ ठीक नहीं है। कहीं ये संकेत एक बड़े बदलाव की तरफ इशारा तो नहीं कर रहे हैं। वैसे तो चुनाव के वक़्त सभी दलों में ऐसे बदलाव देखने को मिलते। अभी हाल ही में समाजवादी पार्टी से सिरसागंज के विधायक हरिओम यादव एवं पूर्व विधायक धर्मपाल यादव , तथा कांग्रेस विधायक नरेश सैनी बीजेपी में शामिल हुए हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी से बड़े चेहरों का अलग होने से सूबे की अनेक सीटों का समीकरण गड़बड़ा सकता है। भाजपा तो कह रही है की टिकट कटने के डर से विधायकों का पलायन हो रहा है।

- **शिवेंद्र यादव,** मेल से

आदर्श ग्राम

गांवो के विकास के लिये सरकार लगातार योजनाये बनाकर लागू कर रही है। लेकिन उनका अपेक्षित कार्यान्वयन नही हो पा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालते ही वर्ष 2014 में सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू किया था।जिसमे हर सांसद को 5वर्षके कार्यकाल में तीन गाँवो को गोद लेकर उनका विकास कर लोगो को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना था।लेकिन सांसदों ने इसमें अपेक्षित रुचि नही दिखाई। आजादी के 75वे अमृत महोत्सव वर्ष में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2025 तक देश भर के सभी अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवो में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुचाने का कार्य किया जाएगा।ऐसे गाँव आदर्श ग्राम बन जायेंगे जहां लोगो की हर जरूरत की सुविधाये और केंद्र सरकार की योजनाओ का अमल जमीन पर दिखाई देगा।सरकार सभी राज्यो के आदर्श ग्रामो की घोषणा आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान घोषित करने की योजना बना रही है।केंद्र और राज्य सरकारों को ग्रामीण क्षेत्रों का विकास न होने के सबसे बड़े कारण की ओर विचार करना चाहिये। - **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

सराहनीय कदम

मैं तो चकित हूं। झारखण्ड के राज्यपाल श्री रमेश बैश ने डीजीपी नीरज सिन्हा को तलब किया। उन्हें सख्त आदेश दिए की सिमडेगा में, इसी महीने के शुरू में, 25 वर्षीय युवक संजू प्रधान को भीड़ द्वारा पीट पीट के मार दिए जाने पर सख्त कदम उठाये। जो पुलिसकर्मी तमाशबीन बने थे, उन्हें तत्काल प्रभाव से ससपेंड करे। वाह पहली बार, सिर्फ झारखण्ड में ही नहीं बल्कि देश के किसी भी हिस्से में हो रहा है। जब राज्यपाल का दिल पसीज गया। काश इसी तरह का करवाई पूर्व की बीजेपी की सरकार भी करती। झारखंड में वर्ष 2016 और 2020 के बीच आदिवासी, ईसाई और मुस्लिम समुदायों के 29 व्यक्तियों को या तो गोहत्या, गोमांस की बिक्री और खपत और धार्मिक घृणा के संदेह में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार डाला गया था ।मगर उस समय कानून खुलेतौर पर अपराधियों के पक्ष में खड़ा दिख रहा था। आरोपियों का फूल माला के साथ स्वागत किया जा रहा था। मेरा हेमंत सोरेन सरकार से निवेदन है की उन तमाम मामलों को फिर से जांच करवाए।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

जो सरकार प्रधानमंत्री के विरुद्ध साजिश कर सकती है वह कुछ भी कर सकती है।
- **बिक्रम सिंह मजीठिया**
शिरोमणि अकाली दल नेता

हमारा मानना है कि भारत-चीन सीमा पर बीजिंग का बर्ताव अस्थिरता पैदा होने का कारण बन सकता है।
- **जेन साकी**
व्हाइट हाउस प्रेस सचिव

उत्तर प्रदेश में हम समाजवादी पार्टी व अन्य छोटे दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं।
- **शरद पवार**
राकांपा प्रमुख

सभी अनुष्ठानों में करें कोविड प्रोटोकॉल का पालन

मुख्यमंत्री ने की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से माघ मेला तैयारियों की समीक्षा

● मुख्यमंत्री की मकर संक्रांति पर बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जने मकर संक्रांति और खिचड़ी पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लोगों से मकर संक्रांति तथा खिचड़ी पर्व के समस्त अनुष्ठानों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेले सहित प्रदेश में मकर संक्रांति के पर्व की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह आयोजन स्वच्छता, सुरक्षा तथा सुव्यवस्था के उच्च मापदण्डों के आधार पर सम्पन्न कराए जाएं। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन द्वारा समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि माघ मेले में स्वच्छता और सैनिटाइजेशन का पूरा ध्यान रखा जाए। चिकित्सा सुविधाओं के विशेष प्रबन्ध किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड संक्रमण की वर्तमान परिस्थितियों में विशेष सावधानी और सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के आयोजनों में कोविड वैक्सीनेशन की डबल डोज प्राप्त किये हुए व्यक्ति ही सम्मिलित हों। ऐसे लोग वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अपने साथ रखें। माघ मेले में आरटीपीसीआर रिपोर्ट भी लेकर आएं। जिन लोगों ने कोरोना टीके की दोनों डोज नहीं प्राप्त की है अथवा जिन लोगों को बुखार, जुकाम अथवा गला खराब जैसे कोविड लक्षण हों या जो व्यक्ति कोमॉर्बिड हों, ऐसे लोग पवित्र माघ माह और मकर संक्रांति के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर होने वाले मेलों, पावन नदियों में स्नान तथा अन्य आयोजनों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कोविड टीकाकरण की गति को बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि कोविड के खिलाफ वैक्सीन सुरक्षा कवच है। उन्होंने गत दिवस प्रदेश में 22 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन की डोज प्रदान किये जाने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 25 लाख वैक्सीन की डोज दिए जाने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए ताकि लक्षित आयुवर्ग के शत-प्रतिशत लोगों को जल्द से जल्द टीके की एक खुराक उपलब्ध करायी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मेला क्षेत्र तथा समस्त जनपदों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लोगों को कोरोना से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक किया जाए। कोविड टीकाकरण के सम्बन्ध में भी जानकारी उपलब्ध करायी जाए।

मकर संक्रांति परस्पीकर व सभापति ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियो को हार्दिक शुभकामनांए देते हुए उनके सुख समृद्धि की कामना की है। श्री दीक्षित ने अपने संदेश में कहा है कि मकर संक्रांति एक ऐसा सांस्कृतिक परिवेश रचती है जो रसमय एवं मधुमय होता है। यह पर्व स्नान और दान का पर्व भी है। इस दिन तीर्थों एवं पवित्र नदियों में स्नान का अत्याधिक महत्व है। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों को कोविड19 के इस महामारी के बीच इस मकर संक्रांति पर्व को समाजिक दूरी के साथ प्रीत पूर्ण ढ़ंग से मनाने की अपील की है। विधानसभा के उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की है। श्री अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति पर्व भारत का एक ऐसा त्यौहार है जो हर साल 14 या 15 जनवरी को ही मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तर की ओर बढ़ता हैं। भारतीय जनमानस के लिए सूर्य एक रोशनी, ऊर्जा और ज्ञान का प्रतीक होता है। मकर संक्रांति त्यौहार सभी को अँधेरे से रोशनी की तरफ बढ़ने की प्रेरणा देता है। मकर संक्रांति के दिनए सूर्योदय से सूर्यास्त तक पर्यावरण अधिक चौतन्य रहता है जिसमें हमारे देश की बहुरंगी संस्कृत के दर्शन होते हैं। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राम गोविन्द चौधरी ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की है। श्री चौधरी ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति लहलाती हुई फसलों और किसानों की खुशी का भी पर्व है। खेतों में सरसों की फसल बहुत ही सुनहरा रूप देती है और सब कुछ बहुत ही मनमोहक लगता है। मकर संक्रांति बसंत रितु के आगमन का भी प्रतीक है। इस दिन से बसंत रितु की शुरूआत होती है। विधानपरिषद के सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिहं ने मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियो को हार्दिक शुभकामनांए देते हुए उनके सुख समृद्धि की कामना की है। श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि मकर संक्रांति को स्नान और दान का पर्व भी कहा जाता है। इस दिन तीर्थों एवं पवित्र नदियों में स्नान का बेहद महत्व है हमारा देश त्योहारों का देश है इसलिए यहां पर प्रत्येक दिन कोई ना कोई त्योहार मनाया जाता है त्योहारों के कारण ही भारत के लोग एक दूसरे से प्रीतपूर्ण रहते है।

महिलाओं को टिकट देना महत्वपूर्ण नहीं महिलाओं का उत्थान जरूरी:विमला बाथम

लखनऊ। विधानसभा चुनावों में आधी आबादी के वोटों को अपनी ओर लुभाने के लिए विपक्षी पार्टियां नए दांव चल रही हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने गुरुवार को महिला वोटरों को लुभाने की इस नीति पर कहा कि बीजेपी ने पिछले चुनावों में विपक्षी पार्टियों की अपेक्षा अधिक महिला उम्मीदवारों को टिकट दिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी में चुनावों के लिए नहीं महिलाओं का समर्थन करती बल्कि संगठन में भी 35 प्रतिशत से अधिक महिलाएं सक्रिय हैं। केवल महिलाओं को टिकट देना ही महत्वपूर्ण नहीं है। सामाजिक परिवेश में उनकी भागीदारी को बढ़ाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। रोजगार, शिक्षा, अधिकार, सुरक्षा समेत दूसरे मुद्दों पर महिलाओं को मजबूत करना बेहद जरूरी है जिस पर बीजेपी लगातार काम कर रही है। चुनावी दौर में सिर्फ महिला वोटरों को लुभाने के लिए विपक्षी पार्टियों की ओर से चले जा रहे इन दांव का असर जमीनी स्तर पर फीका होना वाला है। महिलाओं को टिकट देने के मामले में कांग्रेस का पिछला रिकॉर्ड सबसे खराब रहा है। अगर साल 2017 विधानसभा चुनाव की बात करें तो महिलाओं को टिकट देने के मामले में कांग्रेस फिसड्डी रही है। इस मामले में कांग्रेस से आगे बीजेपी रही थी। पिछली बार हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने कुल 46 महिलाओं को टिकट दिया था जो कि 12 प्रतिशत है। महिलाओं को टिकट देने के मामले में पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस तीसरे नंबर पर थी जिसने कुल 12 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया था। विमला बाथम ने कहा कि पांच साल के दौरान यूपी में शिक्षा, स्वास्थ्य, कारोबार और रोजगार सहित सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य हुआ है। प्रदेश सरकार ने केवल चुनावों में नहीं बल्कि पांच सालों में महिलाओं के उत्थान के लिए जमकर काम किया है। उज्ज्वला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, शबरी संकल्प अभियान, महिला शक्ति केन्द्र, किशोरी बालिका योजना, मुख्यमंत्री सश्रम सुपोषण योजना, सखी सेंटर, महिला हेल्पलाइन 1090, मिशन शक्ति,

भाजपा सरकार में दलितों, पिछड़ों के लिए सबसे ज्यादा काम: सोनकर

लखनऊ। दलितों और पिछड़ों के हित में सबसे ज्यादा काम भाजपा सरकार में हुआ है। शोषितों, वंचितों को सम्मान से जीने का हक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी ने दिलाया। दलितों को आर्थिक रूप से मजबूत किया। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। प्रतिनिधित्व देकर राजनीति में पिछड़ों की भागीदारी को मजबूत किया। सांसद और भाजपा चुनाव अभियान समिति के सदस्य विनोद सोनकर ने कहा कि वर्षों तक देश की सत्ता पर काबिज कांग्रेस और सिर्फ एक परिवार का विकास करने वाली सपा ने दलितों, पिछड़ों और वंचितों का शोषण किया है। अखिलेश यादव केवल एक जाति के नेता हैं। उनकी नजर में सिर्फ एक जाति का विकास ही पिछड़ों का विकास है।

टोल फ्री नंबर 1800 180 7540 पर दे काले धन की जानकारी: आयकर विभाग

बड़े नहीं संदिग्ध नकदी पर रहती है नजर

● चुनाव के समय में धन का दुरुपयोग रोकना आयकर विभाग की प्राथमिकता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत निर्वाचन आयोग के शासनादेश के अंतर्गत आयकर विभाग के अन्वेषण निदेशालय ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव में काले धन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इस संबंध में सूचना, शिकायत प्राप्त करने के लिए लखनऊ में टोल फ्री नंबर 18001807540 के साथ एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह चौबीसों घंटे काम करता है। लोगों को इस नंबर पर कॉल करने और चुनाव प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संदिग्ध नकदी या अन्य क़ीमती सामान से संबंधित विशिष्ट जानकारी प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉल करने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उस जिले विशेष से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई के लिए प्रत्येक जिले में अधिकारियों और निरीक्षकों की टीमें तैनात गई हैं। सूचना की प्रमाणिकता के आधार पर और जांच के पश्चात उचित मामलों में कानून के अनुसार नकदी आदि को जब्त करने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। इस विशिष्ट उद्देश्य के लिए लगभग 300 अधिकारियों और निरीक्षकों की तैनाती की गई है। टीमें जिला निर्वाचन अधिकारी के जिला नियंत्रण कक्ष के साथ ही जिला स्तर पर अन्य एजेंसियों के नजदीकी समन्वय के साथ कार्रवाई करेंगी।

चुनावी प्रक्रिया के दौरान बेहिसाब नकदी के संचालन में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों, स्थानों और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। यूपी के सभी हवाई अड्डों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आने वाली व्यावसायिक उड़ानों वाले हवाई अड्डों पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट्स कार्य कर रही हैं। इकाइयां हवाई मार्ग से नकदी की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। इसी प्रकार रेलवे प्राधिकारियों के समन्वय से रेलवे के माध्यम से नकदी आदि की आवाजाही पर भी नजर रखी जा रही है।

जिन्हें डबल इंजन की ट्रेन का टिकट नहीं मिल रहा उन्हें डग्गामार वाहन ब्लैक में टिकट दे रहे है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने गुरुवार को कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य की सरकार ने समाज के अंतिम वर्ग के कल्याण के लिए जितने काम किये हैं उतना काम अन्य दलों ने 70 सालों में नहीं किया है। अब आज जिन्हें डबल इंजन की ट्रेन का टिकट नहीं मिल रहा उन्हें अपने डग्गामार वाहन का ब्लैक में टिकट दे रहे है सपा प्रमुख। उन्होंने कहा भाजपा पिछड़ों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही हैं और कुछ लोग हैं जिनके लिए पिछड़ों का कल्याण केवल अपने परिवार का ही कल्याण रह गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दिल में इस देश का गरीब, दलित, वंचित, पिछड़ा बसता है। विपक्ष ने समाज के जिन वर्गों का केवल शोषण किया। उन्हें मोदी ने अपना मान कर गले से लगाया, सम्मानित किया और सशक्त किया। ओबीसी समाज को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जितना भाजपा में मिला है उतना किसी सरकार में नहीं मिला। कहा कि हमारे लिए पी का अर्थ पिछड़ों का उत्थान है। कुछ लोगों के लिए प का अर्थ सिर्फ पिता पुत्र परिवार का उत्थान होता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है। पिछड़ों की आड़ में सिर्फ अपने परिवार की राजनीति करने वालों को जनता को जवाब देगी। केंद्रीय कैबिनेट में पिछड़े वर्ग से आने वाले 27 लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। राज्य सरकार में भी पिछड़े वर्ग से 23 लोग मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में उपेक्षा का शिकार रहे पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए भाजपा सरकार सहारा बनकर आई और 37.74 लाख बच्चों को प्रदान की 762.49 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी।

टिकट बंटवारे में कांग्रेस ने सभी जाति और वर्ग का रखा पूरा ख्याल

● ज्यादातर नौजवानों को कांग्रेस ने बनाया है प्रत्याशी

● पहली प्रतिज्ञा पूरी करते हुए 40 प्रतिशत टिकट नारी शक्ति को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस पार्टी की ओर से जारी 125 प्रत्याशियों की लिस्ट में सभी वर्गों और धर्म के प्रतिनिधित्व रखा गया है। कांग्रेस की पहली प्रतिज्ञा कि हम 40 प्रतिशत राजनीतिक हिस्सेदारी महिलाओं को देंगे उसी के तहत 125 सीटों में 50 टिकट नारी शक्ति को दिए गए हैं। इसके साथ-साथ 125 प्रत्याशियों में 88 प्रत्याशियों को पहली बार टिकट मिला है और दूसरी बार चुनाव लड़ने वाले 15 प्रत्याशियों को दोबारा किस्मत आजमाने का मौका मिला है। कांग्रेस ने 10 ऐसे लोगों को टिकट दिया है जो तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं और 7 लोगो चौथी बार चुनाव लड़ेंगे जो विधायक, एमएलसी भी रह चुके हैं। 3 प्रत्याशी 5 वीं बार चुनाव लड़ेंगे और 1 प्रत्याशी प्रदीप माथुर जो इससे पहले 6 बार चुनाव लड़ें जिसमें 4 बार विधायक रहकर नेता विधानमंडल कांग्रेस भी रहें हैं। इस बार मथुरा विधानसभा से किस्मत आजमाएंगे। 125 प्रत्याशियों की लिस्ट में सबसे ज्यादा 33 दलित वर्ग के लोगों को टिकट दिया गया है और 18 ब्राह्मणों को टिकट दिया है। ओबीसी वर्ग के 23 प्रत्याशियों को मौका दिया गया है। 20 मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट मिला है जिसमें 6 महिलाएं शामिल हैं। 3 सिख और ठाकुर वर्ग में 14 प्रत्याशी व वैश्य समाज के 10 लोगों को प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की पहल की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को फिर तमकुही राज और नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना को रामपुर खास से प्रत्याशी बनाया गया है। रामपुर स्वार सीट से नवाब खानदान के हैदर अली खान को प्रत्याशी बनाया है। अभिनेत्री अर्चना गौतम को कांग्रेस ने मेरठ के हस्तिनापुर सुरक्षित से प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस से दो बार सांसद रहे सुरेंद्र गोयल के बेटे सुशांत गोयल को गाजियाबाद, पंखुड़ी पाठक को नोयडा से मनोज चौधरी को जेवर से जो कि एयरपोर्ट किसान आंदोलने के नेता हैं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप माथुर को मथुरा से प्रत्याशी घोषित किया है जो सातवीं बार चुनाव लड़ेंगें। इससे पहले उन्होंने 6 चुनाव लड़े जिसमें 4 बार जीते और 2 हार चुके हैं। पश्चिम उप्र के व्यापार मंडल के अध्यक्ष विनोद बंसल, मनोज दीक्षित कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष रजनी सिंह को बदायूं से प्रत्याशी बनाया है। मीरगंज बरेली के नगर पालिका चेयरमैन मोहम्मद इलियास और आशाकर्मी पूनम पांडे जिनका आंदोलन में हाथ तोड़ दिया गया था शाहजहांपुर से लड़ रही हैं। रितु सिंह को मोहममदी खीरी से प्रत्याशी बनाया है जिनकी पंचायत चुनाव में साड़ी खींची गई थी। उन्नाव रेप पीड़िता की मां आशा सिंह को पहली बार लड़ाया जा रहा है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ममता चौधरी को मोहनलालगंज से लड़ाया जा रहा है। वह पहली बार लड़ रही हैं पांच बार पार्षद रही हैं। पूर्व राज्यसभा सांसद बृजलाल खाबरी की पत्नी उर्मिला खाबरी उरई से कांग्रेस की प्रत्याशी बनाई गईं हैं। सहला अहरारी पूर्वांचल महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामपुर कारखाना से लड़ेंगीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह चौथी बार देवरिया के रुद्रपुर से प्रत्याशी घोषित किया है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव चंद्र को भाटपार रानी से पहली बार

कांग्रेस ने इन्हें दिया टिकट

नजीबाबाद से हाजी मोहम्मद सलीम अंसारी, नगीना सुरक्षित से हेनरीता राजीव सिंह, नहटौर सुरक्षित से मीनाक्षी सिंह, मुरादाबाद ग्रामीण से मोहम्मद नदीम, मुरादाबाद नगर से मोहम्मद रिजवान कुरैशी, असमोली से हाजी मरगूब आलम, संभल से निदा अहमद, स्वार से हैदर अली खान, चमरउआ से युसूफ अली युसूफ, बिलासपुर से संजय कपूर, रामपुर से काजिम अली खान, धनौरा सुरक्षित से समर पाल सिंह, अमरोहा से सलीम खान, हस्तिनापुर सुरक्षित से अर्चना गौतम, किठौर से बबीता गुर्जर, छपरौली से डॉक्टर यूनुस चौधरी, लोनी से यामीन मलिक, मुरादनगर से बृजेंद्र यादव, गाजियाबाद से सुशांत गोयल, गढ़मुक्तेश्वर से आभा चौधरी, नोएडा से पंखुड़ी पाठक, दादरी से दीपक भाटी चोटीवाला, जेवर से मनोज चौधरी, बरौली से गौरंग देव चौहान, अतरौली से धर्मेंद्र कुमार, कोल से विवेक बंसल, अलीगढ़ से मोहम्मद सलमान इम्तियाज, गोवर्धन से दीपक चौधरी, मथुरा से प्रदीप माथुर, बलदेव सुरक्षित से विनेश कुमार सनवाल वाल्मीकि, एत्मादपुर से शिवानी सिंह बघेल, आगरा साउथ से अनुज शर्मा, आगरा नॉर्थ से विनोद कुमार बंसल, आगरा रूरल सुरक्षित से उपेंद्र सिंह, खेरगढ़ से रामनाथ सिकरवार, फतेहाबाद से होतम सिंह निषाद, बाह से मनोज दीक्षित, टूंडला सुरक्षित से योगेश दिवाकर, जसराना से विजय नाथ सिंह वर्मा, शिकोहाबाद से शशि शर्मा, सिरसागंज से प्रतिमा पाल, एटा से गुंजन मिश्रा, मैनपुरी से विनीता शाक्य, करहल से ज्ञानवती यादव, बिसौली सुरक्षित से प्रज्ञा यशोदा, बदायूं से रजनी सिंह, बहेड़ी से संतोष भारती, मीरगंज से मोहम्मद इलियास, बरेली कैंट से सुप्रिया ऐरन, आंवला से ओमवीर यादव, बरखेड़ा से हरप्रीत सिंह छब्बा, पूरनपुर सुरक्षित से ईश्वर दयाल पासवान, जलालाबाद से गुरमीत सिंह, तिलहर से रजनीश कुमार गुप्ता, पुवांया सुरक्षित से अनुज कुमारी, शाहजहांपुर से पूनम पांडे, ददरौल से तनवीर सफदर, मोहम्मदी से रितु सिंह, सीतापुर से शमीना शफीक, बिसवां से अभिनव भार्गव, बांगरमऊ से आरती बाजपेई, मोहान सुरक्षित से मधु रावत, उन्नाव से आशा सिंह, बख्शी का तालाब से ललन कुमार, सरोजनीनगर से रुद्र दमन सिंह, लखनऊ सेंट्रल से सदफजाफर, लखनऊ कैंट से दिलप्रीत सिंह, मोहनलालगंज सुरक्षित से ममता चौधरी, बछरावां सुरक्षित से सुशील पासी, तिलोई से प्रदीप सिंघल, सलोन सुरक्षित से अर्जुन पासी, जगदीशपुर सुरक्षित से विजय पासी, कादीपुर सुरक्षित से निकलेश सरोज, फर्रुखाबाद से लुईस खुर्शीद, औरैया सुरक्षित से सरिता दोहरे, बिल्हौर सुरक्षित से उषा रानी कोरी, आर्या नगर से प्रमोद कुमार जयसवाल, किदवई नगर से अजय कपूर, कानपुर कैंट से सुहैल अख्तर अंसारी, महाराजपुर से कनिष्का पांडे, कालपी से उमाकांती, उरई सुरक्षित से उर्मिला सोनकर खाबरी, महोबा से सागर सिंह, मानिकपुर से रंजना बराती लाल पांडे, हुसैनगंज से शिव कांत तिवारी, रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना, बाबागंज सुरक्षित से बीना रानी, प्रतापगढ़ से नीरज त्रिपाठी, मंझनपुर सुरक्षित से अरुण कुमार विद्यार्थी, फाफामऊ से दुर्गेश पांडे, इलाहाबाद नार्थ से अनुग्रह नारायण सिंह, इलाहाबाद साउथ से अल्पना निषाद, बर्रा सुरक्षित से मंजू संत, रामनगर से ज्ञानेश शुक्ला, जैदपुर सुरक्षित से तनुज पुनिया, दरियाबाद से चित्रा वर्मा, हैदरगढ़ सुरक्षित से निर्मला चौधरी, उतरौला से धीरेंद्र प्रताप सिंह, गोंडा से रमा कश्यप, डुमरियागंज से कांति पांडे। हरैया से लबोनी सिंह, रुदौली से बसंत चौधरी, फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी, महाराजगंज सुरक्षित से आलोक प्रसाद, पनियारा से शारदेन्दु कुमार पांडे, खजनी सुरक्षित से रजनी देवी, पडरौना से मनीष जयसवाल, तमकुही राज से अजय कुमार लल्लू, रुद्रपुर से अखिलेश प्रताप सिंह, रामपुर कारखाना से शहला अहरारी, भाटपार रानी से केशव चंद्र यादव, बरहज से रामजी गिरी, सगरी से राणा खातून, आजमगढ़ से प्रवीण कुमार सिंह, निजामाबाद से अनिल कुमार यादव, मेहनगर सुरक्षित से निर्मला भारती, मधुबन से अमरेश चंद्र पांडे, मोहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित से बनवारी लाल, जखनिया सुरक्षित से सुनील राम, गाजीपुर से लोटन राम निषाद, सकलडीहा से देवेंद्र प्रताप सिंह, पिंडरा से अजय राय, रोहनिया से राजेश्वर पटेल, छानबे सुरक्षित से भगवती प्रसाद चौधरी और ओबरा से कांग्रेस ने रामराज गोंड को प्रत्याशी बनाया है।

मेरठ व गाजियाबाद के कई वरिष्ठ नेता सपा में हुए शामिल

लखनऊ। अखिलेश यादव के नेतृत्व में भरोसा करते हुए बसपा छोड़कर मेरठ, गाजियाबाद के कई वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इनमें राम प्रसाद प्रधान, पूर्व राज्यमंत्री मुकेश कुमार, पूर्व राज्मंत्री सिंहराज मु य कोआर्डिनेटर बसपा मेरठ मण्डल तथा पूर्व पार्षद गाजियाबाद नगर निगम प्रमुख हैं। भाजपा छोड़कर राजवीर सिंह बाठ पूर्व प्रत्याशी पुवाया विधानसभा शाहजहांपुर तथा डा लोकपति सिंह पटेल सेक्टर प्रभारी बसपा मिर्जापुर मण्डल एवं फहाद एस दानी पूर्व प्रत्याशी बसपा बढ़ापुरए बिजनौर ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बसपा छोड़कर बालजीत कुशवाहा प्रदेश महासचिव जनअधिकार पार्टी, सुधीर गौतम भदोही, भोलानाथ वर्मा बलिया, करूणाकांत मौर्य आजमगढ़, पूनम चन्द्रा लखनऊ एवं मेजर सुरेन्द्र कुशवाहा गाजीपुर पार्टी में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के समक्ष सहारनपुर के हाजी मोहर्रम अली पप्पू पूर्व पार्षद, हाजी नवाब अंसारी पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, धीरज आजाद बाल्मीकि प्रदेश महामंत्री एससी, एसटी कांग्रेस तथा कांग्रेस नेता आफाक कुरैशी एवं रईस अंसारी ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सत्तारूढ़ दल में इसके पहले कभी ऐसी भगदड़ नहीं देखी: प्रमोद तिवारी

लखनऊ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि हम अपने राजनैतिक अनुभव के आधार पर कह सकते हैं कि सत्तारूढ़ दल में इसके पहले कभी ऐसी जबरदस्त भगदड़ नहीं देखी, जहां तीन-तीन कैबिनेट मंत्रियों सहित ढेर सारे विधायकों ने त्याग पत्र दिये हों। बातें सिद्धांत एवं नीतियों की हों, परन्तु इस सच्चाई से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि इस समय मौजूदा उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ किसान, शिक्षित अशिक्षित वर्ग में बेरोजगारी, महंगाई, कानून व्यवस्था, छुट्टा जानवर आदि ज्वलंत समस्याओं के कारण बीजेपी सरकार का तम्बू खेमा उखड़ रहा है और डूबते जहाज से वे सभी कूदकर भाग रहे है जो डूबना नहीं चाहते है। नेताद्वय ने कहा है कि सत्तारूढ़ दल द्वारा विधायकों को तोड़ना तो हमने देखा है किन्तु तीन-तीन कैबिनेट मंत्रियों का सरकार से त्यागपत्र देना और त्यागपत्र देने का उन्होंने जो कारण दिया है वह बीजेपी के अंदर विद्रोह जैसी स्थिति की तरफ इशरा कर रहा है।

प्रदेश में बह रही है बदलाव की हवा, सपा का बहुमत में आना तय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि किसान और गरीब आदमी को भाजपा राज में गुजर-बसर करना सम्भव नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और सरकारी कुनीतियों के चलते सभी परेशान हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारों से जो धोखा मिला है उससे अब जनता ने भाजपा का सफाया करना तय कर किया है। प्रदेश में बदलाव की हवा बह रही है और सभी मान रहे है कि समाजवादी पार्टी ही एक मात्र विकल्प है जिसका बहुमत में आना और सरकार बनाना भी सुनिश्चित है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने महंगाई दोगुनी कर किसानों को बेहाल कर दिया है। खाद, बीज, महंगे डीजल और बिजली के बाद बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि की मार से किसान तबाह है। मुआवजे की आस से सरकार की ओर टकटकी लगाए किसान देख रहा है पर संवेदन शून्य मुख्यमंत्री को ज्यादा फिक्र चुनाव की पड़ी है। खरीफ के बाद रबी की फसल भी नष्ट होने से किसान बैंकों के कर्जदार हो गए है। दलहन की फसल पूर्णतया नष्ट हो चुकी है जबकि अन्य फसलों का भी 60 प्रतिशत नुकसान हो चुका है। ओलावृष्टि के दिन तो कई किसानों के घर चूल्हें भी नहीं जले। किसान भी इंतजार कर रहा है क्योंकि वह जानता है कि उसकी भरपाई समाजवादी सरकार में ही होगी। अखिलेश ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के उपयोग की सभी चीजें कपड़ा, तेल, चीनी, सब महंगे हो गए है। 100 दिन में महंगाई कम करने के वादे के साथ सत्ता में आने वालों ने महंगाई सौ गुना बढ़ा दिया है। खाद्य कीमतें बढ़ने से खुदरा महंगाई 6 माह के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। दिसम्बर से तेल के दाम 24.32 प्रतिशत तक बढ़े हैं। ईंधन व बिजली 13.35 प्रतिशत महंगी है। इलेक्ट्रिक सामान भी महंगे हुए है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने कोई काम नहीं किया। यह डबल इंजन आपस में टकराते रहे हैं। जनता भाजपा के झूठ और धोखे को समझ चुकी है। अब वह भाजपा को दोबारा सत्ता में नहीं आने देगी।

सरकार बनने के तीन महीने के अंदर जातीय जनगणना शुरू हो जाएगी: अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में शोषितों-वंचितों को सताया, अपमानित किया जा रहा है। युवाओं को नौकरी से दूर रखने और आरक्षण समाप्त किए जाने की साजिशें हो रही है। डा लोहिया और डॉ अम्बेडकर के विचारों का समता मूलक समाज बनाने का सपना पूरा करना है। वैचारिक आंदोलन के रास्ते से ही सामाजिक न्याय को सुनिश्चित किया जा सकता है। अखिलेश यादव गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने की। अखिलेश ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार बनने के तीन महीने के अंदर जातीय जनगणना शुरू हो जाएगी। इस गणना के आधार पर सभी समाजों की समानुपातिक भागीदारी तय हो सकेगी। समाजवादी सरकार में पुरानी पेंशन जारी की जाएगी। समय से नौकरी में पदोन्नति के साथ छात्रवृत्ति और सबके साथ समान व्यवहार की व्यवस्था रहेगी। श्री यादव ने कहा कि यूपी के सीएम हर परीक्षा में फेल साबित हुए हैं। उनके संकल्प पत्र में जितने वादे किए गए सब झूठे हैं। न लैपटाप बंटे, न किसान की आय दुगनी हुई, नहीं युवाओं को नौकरियां मिली और नहीं महिलाएं सुरक्षित रहीं। ध्वस्त कानून व्यवस्था में छेड़खानी से परेशान कई छात्राओं ने पढ़ाई छोड़ दी तो कुछ ने आत्महत्या तक कर ली।

इस अवसर पर एकत्र बुद्धिजीवियों ने कहा कि भाजपा से संविधान को खतरा है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही सामाजिक न्याय की लड़ाई सफ्लता से जीती जा सकेगी। सभी लोगों का मानना है कि हिम्मतए हौसला और इरादा अखिलेश का ही मजबूत है।

पुलिस अभिरक्षा से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कौशाम्बी में पुलिस मुठभेड़ के उपरान्त गिर तार होने के बाद इलाज के दौरान एसआरएन हास्पिटल प्रयागराज से फरार 25 हजार रुपए के पुरस्कार घोषित अपराधी गुलशन कुमार त्रिपाठी को एसटीएफ ने प्रयागराज से गिर तार किया है। एसटीएफ को सूचना मिली कि 23 फरवरी 2021 को इलाज के दौरान एसआरएन हास्पिटल प्रयागराज से फरार अभियुक्त गुलशन कुमार त्रिपाठी मुण्डेरा सब्जी मण्डी के पास मौजूद है जो कही जाने की फिराक में है। उक्त सूचना पर अभियुक्त गुलशन कुमार त्रिपाठी को गिर तार कर लिया गया। पूछताछ पर गिर तार अभियुक्त ने बताया कि उसके विरूद्ध थाना सरायअकील कौशाम्बी में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। जिसमें यह वांछित था। 20 फरवरी 2021 को थाना सराय अकील कौशा बी पुलिस से इसकी मुठभेड़ हुई जिसमें इसके पैर में गोली लग गयी तथा इसका इलाज एसआरएन हास्पिटल प्रयागराज में चल रहा था। इसी दौरान 23 फरवरी 2021 की रात्रि में यह शौच के बहाने से शौचालय गया तथा शौचालय की खिड़की तोड़कर फरार हो गया। जिस सम्बन्ध में थाना कोतवाली प्रयागराज में मुकदमा पंजीकृत हुआ था और इसी मुकदमें में इसके गिर तारी पर 25 हजार का पुरस्कार घोषित था।

कर्नाटक कांग्रेस ने मेकेदातु पदयात्रा रोकी

● कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर लिया निर्णय

भाषा। रामनगर (कर्नाटक)

कांग्रेस की कर्नाटक ईकाई ने कोविड-19 संबंधी चिंताओं के कारण और जन स्वास्थ्य के हित में अपनी मेकेदातु पदयात्रा अस्थाई रूप से रोकने का फैसला किया है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्दरमैया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इसलिए पदयात्रा नहीं रोक रही कि उसे अपने नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने का डर है या भाजपा सरकार ने इस पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 की तीसरी लहर के धीमी पड़ने और पाबंदियों में ढील दिए जाने पर पदयात्रा फिर शुरू की जाएगी।

सिद्दरमैया ने कहा कि हमें कर्नाटक में लोगों की सेहत की चिंता है, यह देखना हमारी जिम्मेदारी है कि हमारी पदयात्रा के कारण कोविड न फैले, सभी आवश्यक उपाय किए जाने के बावजूद हमें चिंता है, इसलिए हमने आज चर्चा की।

हम नहीं चाहते कि लोगों को लगे कि कोविड की बिगड़ती स्थिति के लिए हम जिम्मेदार हैं। पार्टी नेताओं और विधायकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से यहां बातचीत में उन्होंने कहा कि पदयात्रा कल शाम तक बेंगलुरु पहुंचनी थी, जहां कोविड के मामले बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए हमने इस पदयात्रा को यहां अस्थाई रूप से रोकने का फैसला किया है। एक बार जब तीसरी लहर धीमी हो जाएगी और कोविड-19 संबंधी नियमों में ढील दी जाएगी तो हम रामनगर से शेष पदयात्रा शुरू करेंगे।

उच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणियों और सरकार के गत रात पदयात्रा में भाग ले रहे लोगों तथा

कांग्रेस अपने बलबूते गोवा विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकती : शिवसेना

भाषा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के गठबंधन प्रयोग को गोवा विधानसभा चुनाव में दोहराने के अपने प्रस्ताव पर कांग्रेस द्वारा उत्साह नहीं दिखाए जाने पर शिवसेना ने चिंता जताई है। शिवसेना के नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को कहा कि गोवा की राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि कांग्रेस यदि अपने बलबूते पर वहां विधानसभा चुनाव लड़ती है तो वह इकाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि गोवा में कांग्रेस के केवल तीन विधायक हैं।

पार्टी के विधायकों ने सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ दी। अहम राजनीतिक दलों के तौर पर हमने (शिवसेना एवं राकांपा) ने कांग्रेस को उसकी इस मुश्किल घड़ी में सहयोग की पेशकश की थी। लेकिन मैं नहीं जानता कि कांग्रेस क्या सोच रही है। यदि वह अपने बलबूते चुनाव लड़ती है तो वह इकाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकती। कांग्रेस के गोवा प्रभारी दिनेश गुंडूराव, कांग्रेस विधायक दल के नेता दिगंबर कामत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चूडांकर के साथ एक दौर की बातचीत कर चुके राउत ने कहा कि उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि कांग्रेस 40 में से 30 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़े और बाकी सीट सहयोगी दलों के लिए छोड़ दे। उन्होंने कहा कि गोवा में जिन 10 सीट पर कांग्रेस पिछले 50 साल के दौरान नहीं जीत पाई है, वे सीट शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और गोवा फॉरवर्ड पार्टी को दे दी जाएं।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी गठबंधन के विचार के पक्ष में थे लेकिन स्थानीय नेतृत्व की भिन्न राय थी। राउत ने कहा कि यदि गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल इस विधानसभा चुनाव में राजनीतिक मैदान में उतरने का फैसला करते हैं तो शिवसेना उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, उत्पल को चुनाव लड़ने का साहसिक निर्णय लेना चाहिए। आपको चुनाव लड़ने के लिए साहसी होने की जरूरत है। यदि वह निर्णय लेते हैं तो शिवसेना उनका साथ देगी। राउत ने कहा कि पिछले साल मुंबई के एक होटल में दादरा एवं नगर हवेली के लोकसभा सदस्य मोहन डेलकर के मृत मिलने के बाद शिवसेना ने उनके परिवार का साथ दिया था और डेलकर की पत्नी कलाबेन डेलकर ने शिवसेना प्रत्याशी के तौर पर लोकसभा उपचुनाव जीता था। उत्पल ने पणजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी जिसका प्रतिनिधित्व चार बार गोवा के मुख्यमंत्री रहे उनके पिता मनोहर पर्रिकर ने किया था। वह इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिले थे। गोवा में 14 फरवरी को विधानसभा चुनाव होगा।

शिवसेना की उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने की योजना, राउत की टिकैत से मुलाकात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को नुकसान पहुंचाने के कथित इरादे से चुनाव मैदान में उतरने की योजना बना रही शिवसेना ने बृहस्पतिवार को प्रमुख किसान नेता राकेश टिकैत से संपर्क किया। शिवसेना नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में टिकैत से मुलाकात की। टिकैत निरस्त किए जा चुके तीनों विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ साल भर चले किसान आंदोलन का चेहरा बनकर उभरे थे। राउत ने ट्वीट किया मैंने उत्तर प्रदेश के किसानों की गंभीर समस्याओं और उनके समक्ष उत्पन्न मुद्दों तथा देश की राजनीतिक स्थिति पर विचार विमर्श किया। (इस मुलाकात के दौरान) पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों के ज्वलंत मुद्दों पर भी प्रमुखता से चर्चा हुई। शिवसेना किसानों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शिवसेना ने अयोध्या और मथुरा सहित उत्तर प्रदेश में 50 से 100 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारने की योजना बनाई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी। राउत ने कहा कि शिवसेना ने राम जन्मभूमि आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वाहनों की आवाजाही निषिद्ध करने के आदेश के बाद कांग्रेस ने पदयात्रा रोकने का फैसला किया है। इसके अलावा नौ जनवरी को पदयात्रा के उद्घाटन में शामिल हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी के कई नेता कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं।

इससे पहले बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सिद्दरमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष डी के शिवकुमार से पदयात्रा रोकने की अपील की। मेकेदातु परियोजना के क्रियान्वयन की मांग को लेकर कांग्रेस की 10 दिवसीय पदयात्रा का बृहस्पतिवार को पांचवां दिन है। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु इस परियोजना का विरोध कर रहा

पंजाब में जनता चुने मुख्यमंत्री पद के लिए आप पार्टी का चेहराः केजरीवाल

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी आम जनता से पूछेगी कि पंजाब विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी का चेहरा किसे बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने संकेत दिया कि इस पद के लिए उनकी पसंद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भगवंत मान हैं और उन्होंने खुद को पंजाब के मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भगवंत मान और पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा की मौजूदगी में एक मोबाइल नंबर जारी किया जिस पर लोग 17 जनवरी तक अपनी आवाज में संदेश रिकॉर्ड करके, एसएमएस भेजकर या वॉट्सऐप से इस बारे में अपनी राय बता सकते हैं कि पार्टी नेताओं में से किसे वह मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में देखना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि नहीं, अरविंद केजरीवाल इस दौड़ में नहीं है। उन्होंने जून 2021 में घोषणा की थी कि 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए के लिए पार्टी का मुख्यमंत्री पद का दावेदार सिख समुदाय से होगा और कहा कि पूरे पंजाब को उन पर गर्व होगा। केजरीवाल ने कहा कि वह चाहते हैं कि मान को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया जाए लेकिन मान चाहते हैं कि पंजाब की जनता को यह फैसला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवंत मान मेरे छोटे भाई हैं। वह आप पार्टी के बड़े नेता हैं। मैंने कहा कि भगवंत मान को बनाया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि पहले लोगों से पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंद दरवाजों में मुख्यमंत्री पद के दावेदार के नाम पर फैसला करने का चलन बंद होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा पहली बार ऐसा हो रहा होगा कि कोई पार्टी जनता से पूछ रही है कि उसका मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा किसे बनाया जाना चाहिए।

हैदराबाद में वैकुंठ एकादशी के अवसर पर जियागुड़ा रंगनाथ स्वामी मंदिर में दक्षिण द्वार से लाए गए भगवान रंगनाथ स्वामी का दर्शन करते श्रद्धालु

पाक से जुड़े हैं मारे गए आतंकी के तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के बाबर भाई के रूप में की गई है जो 2018 से सक्रिय था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह मुठभेड़ बुधवार को दक्षिण कश्मीर जिले के परीवान इलाके में हुई थी। सुरक्षाबलों को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी जिसके बाद वहां घेराबंदी की गई और तलाश अभियान चलाया गया। कश्मीर मंडल की पुलिस ने ट्विटर पर बताया, मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के बाबर भाई के रूप में की गई है जो 2018 से शोपियां-कुलगाम के इलाकों में सक्रिय था। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक एके राइफल, एक पिस्तौल तथा दो ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी मारा गया और तीन जवान समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर मंडल, विजय कुमार ने ट्वीट किया था, एक पुलिसकर्मी सार्जेंट रोहित छिब शहीद हो गए, सेना के तीन जवान घायल हो गए। दो नागरिकों को भी मामूली चोटें आई हैं। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी मारा गया। सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान शुरू किया गया और आतंकवादियों के गोलियां चलाने और ग्रेनेड फेंकने के बावजूद सुरक्षाबलों को बेहद संयम बरतना पड़ा ।

धर्म परिवर्तन के प्रयास के आरोप में चार गिरफ्तार

भाषा। सीहोर (**मध्य प्रदेश**)

जिला पुलिस ने एक व्यक्ति को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन देने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि चारों आरोपियों ने करीब चार दिन पहले इछावर थाना क्षेत्र के गुरडी गांव निवासी मनोहर बंसल से संपर्क किया और कहा कि यदि वह ईसाई धर्म अपना लेता है तो उसके बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाएगी।अधिकारी ने शिकायतकर्ता के हवाले से कहा कि आरोपियों ने बुधवार को फिर से बंसल को लुभाने और डराने की कोशिश की और एक फॉर्म भरने के लिए उसपर दबाव बनाने का प्रयास किया।

मुंबई में 16 करोड़ रुपए से अधिक का मादक पदार्थ बरामद

मुंबई। मुंबई के एन्टॉप हिल इलाके में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कथित तौर पर उनके पास से 16.10 करोड़ रुपए का मेथाक्वालोन नामक मादक पदार्थ बरामद किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक खुफिया सूचना के आधार पर मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की यूनिट-। ने बुधवार शाम को एन्टॉप हिल में एसएमडी रोड पर तीन आरोपियों को रोका। उन्होंने बताया कि उनके बैग की तलाशी लेने के बाद उनके पास 16.100 किलोग्राम मेथाक्वालोन बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 16.10 करोड़ रुपए है।

KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
PUBLIC NOTICE

We, Kotak Mahindra Bank Limited, (KMBL), for our Bank Office and other related business, desire to take on Lease for the period of 18 (Eighteen) years the property, more particularly described in the schedule hereunder written, owned by owners as mentioned herein below.

Public at large and all the concerned, private individuals, government/ semi-government institutions / bodies / authorities, if have got any right, title, interest, or share in the property herein mentioned or anybody who has objection for the aforesaid transaction are herewith publicly informed to raise his/her/their objection/s in writing with copies of all the supportive documents to the undersigned within 7 (Seven) days from publication of this public notice. If the objections are not received by the undersigned in writing along with copies of all supportive documents within 7 (Seven) days from publication of this public notice, then it will be construed that the title to the said property are clear and that all such concerned have waived their rights and all such concerned shall be estopped from raising any objections thereafter and that we shall proceed thereafter further in the execution of the Lease Deed or such agreements and all such persons shall be estopped from raising any objections to such transaction thereinafter.

Description of the Property to be taken on Lease	Owner
ALL THAT the piece and parcel of Commercial property being Showroom/Office Space No. 807, admeasuring 976.00 sq.fts (approx.) Super Area, and Space No. 808, admeasuring 1069.00 sq.fts (approx.) Super Area, on 8th Floor, having Total super area 2045.00 sq.fts (approx.) Super Area, in the said commercial Complex called "JMD Regent Square" constructed on a piece of land measuring 2.18125 Acres comprising of Mustatil No. 38, Khasra No. 8(8-0), 13(8-0), 18/1/2(1-09), situated in Village Sarhaul on Mehrauli-Gurgaon Road, Distt. Gurgaon-122002.	Mrs. Prabha Gulati w/o Mr. Lalit Gulati. **Having residence at:** 1 Avenue, Gulmohar, Westend Greens, Rajokari, New Delhi-110038

Legal Department
Kotak Mahindra Bank Limited.
Kotak Infinity, 5th Floor, Building No.21, Infiniti Park, off Western Express Highway, General A K Vaidya Marg, Malad (East), Mumbai 400097

नई दिल्ली में परेड के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान सेना के जवानों ने आर्मी परेड ग्राउंड में अपने युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया

छगन भुजबल को आरोप मुक्त किए जाने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंची दमानिया

भाषा। मुंबई

सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने दिल्ली में नए महाराष्ट्र सदन के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार के मामले में महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल और उनके परिवार के सदस्यों को आरोप मुक्त करने के एक विशेष अदालत के आदेश को बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

अंजली दमानिया ने उच्च न्यायालय से मामले में भुजबल और अन्य को आरोप मुक्त करने का विशेष अदालत का आदेश रद्द करने और अदालत को मुकदमे की सुनवाई तेजी से पूरी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। विशेष अदालत ने सितंबर 2021 में राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो से जुड़े मामलों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और उनके बेटे पंकज तथा भतीजे समीर समेत सात अन्य को आरोप मुक्त कर दिया था। विशेष अदालत ने कहा था कि ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे यह पता चलता हो कि आरोपियों ने इमारत के निर्माण के लिए नियुक्त डेवलेपर से गैरकानूनी रिश्वत ली। दमानिया ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में एक पुनरीक्षित अर्जी दायर की जिसमें निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। इसमें दावा किया गया है कि अभियोजक एजेंसी (एसीबी) ने अभी तक आरोपमुक्त करने के आदेश को चुनौती नहीं दी है।

दमानिया ने अपनी अर्जी में आरोप लगाया है कि भुजबल और अन्य आरोपियों ने राजकोष को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने की आपराधिक साजिश रची थी। उन्होंने अपनी अर्जी में कहा है कि उच्च न्यायालय में 2014 में जनहित याचिका दायर करने वालों में शामिल थीं। उन्होंने आवेदन में कहा है कि उच्च न्यायालय ने 2015 में राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो को भुजबल और अन्य के खिलाफ जांच का निर्देश दिया था।

ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान विश्व भारती के कुलपति के खिलाफ अभद्र टिप्पणी

भाषा। कोलकाता

ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान एक अज्ञात प्रतिभागी ने विश्व भारती के कुलपति प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती पर अभद्र टिप्पणी की जिसकी केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने आलोचना की है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि 11 जनवरी को दैनिक संगीत चिकित्सा सत्र में शामिल हुए लोगों में से एक अज्ञात व्यक्ति ने कुलपति पर अभद्र टिप्पणी की। कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

आयोजकों ने ऑनलाइन कार्यक्रम से अज्ञात प्रतिभागी को तुरंत हटा दिया था और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि घटना की पूरी जांच की जा रही है। प्रवक्ता ने कहा कि हर शाम आयोजित होने वाला ऑनलाइन कार्यक्रम कोविड महामारी के दौरान एक चिकित्सा सत्र है जिसमें गायन और ऑडियो नाटक शामिल होते हैं।

विश्व भारती विश्विद्यालय संकाय संघ के पदाधिकारी सुदीप्तो भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को कहा, हम कुलपति को अपशब्द कहे जाने के इस कृत्य की निंदा करते हैं, लेकिन हम यह बताना चाहेंगे कि वह वही व्यक्ति हैं जो अतीत में आधिकारिक बैठकों में भी लोगों को अपशब्द कहने की संस्कृति लेकर आए। एसएफआई नियंत्रित छात्रों के निकाय ने भी इस घटना की निंदा की और मांग की कि संबंधित व्यक्ति की पहचान की जाए। विश्व भारती विश्वविद्यालय की एसएफआई इकाई के प्रवक्ता सोमनाथ सो ने कहा कि कुलपति के खिलाफ उनकी चाहे जो भी नाराजगी है, लेकिन यह विश्व भारती की भावना के खिलाफ है। कोई उनके शिक्षक का अपमान नहीं कर सकता।

इस संबंध में एक प्रवक्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने ऑनलाइन आयोजनों के लिए सख्त नियम बनाएगा ताकि घटना की पुनरावृत्ति न हो।

ऑनलाइन सत्र के दौरान एक अज्ञात एकाउंट से कुलपति के खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणियां की गईं और चक्रवर्ती को वरिष्ठ संकाय सदस्यों को सत्र से सभी अज्ञात प्रतिभागियों को हटाने और ब्लॉक करने के लिए कहते हुए सुना गया।

उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि पहले इन अज्ञात प्रतिभागियों को हटाओ। हम सत्र को फिर से शुरू करेंगे। पीटीआई की ओर से स्वतंत्र रूप से वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हो पाई।

भारत में पिछले दो वर्षों में पेड़, वन क्षेत्र में 2261 वर्ग किमी की बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली। भारत में पिछले दो वर्षों में वृक्ष एवं वन क्षेत्र में 2,261 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर), 2021 में दी गई है। इसके मुताबिक सबसे अधिक 647 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र की बढ़ोतरी आंध्रप्रदेश में हुई है।

देश के वन संसाधनों के आकलन पर फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) की द्विवार्षिक रिपोर्ट केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को जारी की। उन्होंने कहा कि 2019 की तुलना में देश में वन एवं पेड़ क्षेत्र में हुई कुल वृद्धि में, 1540 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र और 721 वर्ग किलोमीटर वृक्षों के क्षेत्र में बढ़ोतरी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्र आठ करोड़ नौ लाख हेक्टेयर हो गया है जो भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 24.62 फीसदी है।

वन क्षेत्र में बढ़ोतरी के मामले में पांच शीर्ष राज्यों में आंध्र प्रदेश (647 वर्ग किलोमीटर), तेलंगाना (632 वर्ग किलोमीटर), ओडिशा (537 वर्ग किलोमीटर), कर्नाटक (155 वर्ग किलोमीटर) और झारखंड (110 वर्ग किलोमीटर) शामिल हैं।

देश में मध्यप्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश है जिसके बाद अरूणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र में सबसे अधिक वन क्षेत्र हैं।

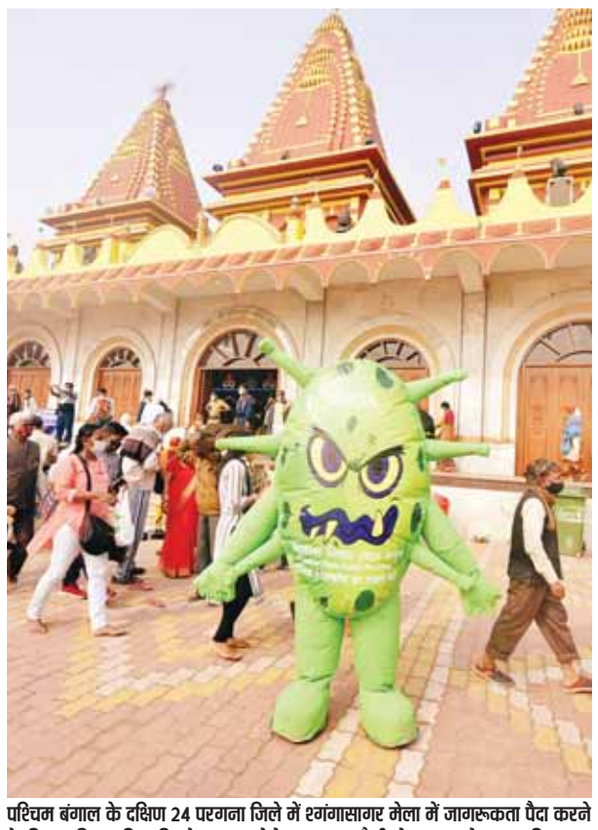

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में रगंगासागर मेला में जागरूकता पैदा करने के लिए कपिल मुनि मंदिर के बाहर कोरोना वायरस जैसी पोशाक पहने एक व्यक्ति

RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION, LUCKNOW

E-OT Notice no.14/2021 for Tender no. 03215018 & 03205020

Principal Executive Director/Stores on behalf of President of India invites open tender (single packet System by this office as follows-

SN	Tender number	Brief Description	QTY.	Tender closing Date
1	03215018	Up-gradation of existing Vehicle Dynamics Analysis Software (ADAMS/VI-RAIL)	1 No.	01/02/2022 (Tuesday)
2	03205020	Setting UP of fire Testing Facilities at RDSO	1 Set	02/02/2022 (Wednesday)

For complete details of tender conditions and Corrigendum issued in tender, if any. Please visit IREPS website www.ireps.gov.in

Principal Executive Director/Stores/RDSO/Lucknow

GOVT. OF BIHAR
OFFICE OF THE RESIDENT ENGINEER,
BIHAR B BHAWAN, NEW DELHI

NO.....24..... **Dated.....13/01/2022/**

Short Notice inviting Quotation

The reputed firms are requested to submit sealed quotation for following work in Bihar Bhawan and Bihar Niwas Chankyapuri, Bihar sadan dwarka New Delhi for the year 2021-2022 Quotation will be submitted up to 21-01-2022 till 3:00 pm and opened on 21-01-2022 at 3:30 pm at the office of the Resident Engineer, Bihar Niwas Chankyapuri, New Delhi undersigned office has right to cancel quotation without any further information. Registration, GST, PAN No. and authorization of firm paper here enclosed. Details of items list can be obtained form the office of the Resident Engineer, Bihar Bhawan , New Delhi. The Earnest Money (NSC/ Term Deposit) should be deposited 5% of total contract value before issue of work order.

S. No	Particulars
1.	Addition alteration work of Female toilet in basement at Bihar Sadan new Delhi for the year 2021-22
2.	Addition alteration work of show case , book Shelve and display rack in prefunction on area at Bihar Sadan New Delhi for the year 2021-22
3.	Supply fitting and fixing extended kitchen at Bihar sadan Dwarka new Delhi for the year 2021-22

Sd./-
Executive Engineer-Cum-
Resident Engineer
Bihar Bhawan, New Delhi

बाजार में पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 85 अंक मजबूत

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी बनी रही और बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 85 अंक चढ़कर बंद हुआ। तीन आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजों को लेकर दिखा निवेशकों का उत्साह कमजोर वृहत आर्थिक आंकड़ों (खुदरा मुद्रास्फीति और आईआईपी) से धीमा पड़ गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 85.26 अंक यानी 0.14 प्रतिशत बढ़कर 61,235.30 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.45 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,257.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 6.40 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टाटा स्टील सर्वाधिक लाभ में रही। इसके अलावा सन फार्मा, एल एंड टी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड और बजाज फिनसर्व में भी प्रमुख रूप से तेजी रही।वित्तीय परिणाम आने के बाद सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का शेयर 1.05 प्रतिशत चढ़ा। कंपनी का शुद्ध लाभ दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही में 12.2 प्रतिशत बढ़कर 9,769 करोड़ रुपए रहा। वहीं इन्फोसिस का शेयर 1.03 प्रतिशत मजबूत हुआ। कंपनी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,809 करोड़ रुपए रहा। इसके उलट, विप्रो छह प्रतिशत की गिरावट के साथ सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में रही। कंपनी का दिसंबर तिमाही का परिणाम 2,969 करोड़ रुपए पर स्थिर रहा। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक भी 2.47 प्रतिशत तक नुकसान में रहे। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध (बुनियादी) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट के रुख के बावजूद घरेलू बाजार हल्की बढ़त के साथ लगभग स्थिर खुला। अमेरिका में मुद्रास्फीति उंचा रहने और चीन में बैंक कर्ज दिसंबर में उम्मीद के मुकाबले अधिक कम होने से एशियाई बाजारों पर असर पड़ा। उन्होंने कहा, दोपहर कारोबार में बाजार में तेजी आई लेकिन यह सीमित दायरे में ही रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि एनएसई में कारोबार की मात्रा हाल के औसत के बराबर रही। बिजली, धातु, पूंजीगत सामान और स्वास्थ्य सूचकांक चढ़े जबकि रियल्टी और बैंक सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स (छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों से जुड़े सूचकांक) 0.38 प्रतिशत चढ़ा।आर्थिक मोर्चे पर देश की अर्थव्यवस्था को बुधवार को दोहरा झटका लगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जहां औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि की रफ्तार लगातार तीसरे महीने सुस्त रही और नवंबर, 2021 में इसमें केवल 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2021 में बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर 5.59 प्रतिशत पर पहुंच गई।एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत बढ़कर 84.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर तीन पैसे मजबूत होकर 73.90 पर पहुंच गई। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को।,001.57 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

भारत में उत्पाद उतारने के सवाल पर एलन मस्क ने कहा, सरकारी स्तर पर चुनौतियां हैं

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में उत्पाद उतारने के लिए उसे सरकार के स्तर पर बहुत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत में अपने उत्पाद उतारने के संबंध में कंपनी की योजनाओं के बारे में एक ट्वीट के जवाब में मस्क ने ट्वीट किया, सरकार के स्तर पर कई चुनौतियों का सामना अब भी करना पड़ रहा है। टेस्ला ने पिछले साल भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी। भारी उद्योग मंत्रालय ने टेस्ला से कहा था कि वह पहले भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण शुरू करे, उसके बाद ही किसी कर छूट के बारे में विचार किया जा सकता है। सरकार के सूत्रों ने बताया था कि वे किसी वाहन निर्माता कंपनी को इस तरह की छूट नहीं दे रहे और टेस्ला को कर संबंधी लाभ देने से भारत में अरबों डॉलर निवेश करने वाली दूसरी कंपनियों को अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

क्विक न्यूज

टीवीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन श्रेणी को मजबूत करने के लिए स्विगी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी टीवीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन श्रेणी को मजबूत करने के लिए ऑनलाइन माध्यम से खाना आर्डर और डिलिवरी की सुविधा देने वाला मंच स्विगी के साथ समझौता किया है। टीवीएस मोटर ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह साझेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस समझौते के तहत स्विगी खाना पहुंचाने और मांग के आधार पर सेवाओं के लिए प्रयोग के तौर पर टीवीएस मोटर के इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करेगी। टीवीएस मोटर ने एक बयान में कहा कि दोनों कंपनियां स्विगी के डिलिवरी भागीदारों के लिए स्थाई और व्यापक समाधानों के निर्माण की तलाश कर रही है।

आयकर विभाग ने 10 जनवरी तक 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस वित्त वर्ष में अब तक उसने 1.59 करोड़ करदाताओं को 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए हैं। आयकर विभाग ने ट्वीट किया, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल 2021 से 10 जनवरी 2022 के बीच 1.59 करोड़ से अधिक मतदाताओं को।,54,302 करोड़ से अधिक के रिफंड जारी किए है। इसमें आकलन वर्ष 2021-22 (31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष) के 1.20 करोड़ रिफंड शामिल हैं, जो 23,406.28 करोड़ रुपए के है।

यस म्युचुअल फंड का नाम व्हाइट ओक कैपिटल म्युचुअल फंड हुआ

नई दिल्ली। संपत्ति प्रबंधन से जुड़ी इकाई यस एसेट मैनेजमेंट का नाम बदलकर 12 जनवरी से व्हाइट ओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट किया गया है। यस म्युचुअल फंड का नाम भी अब से व्हाइट ओक कैपिटल म्युचुअल फंड होगा। व्हाइट ओक कैपिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष पी सोमैया ने बृहस्पतिवार को ट्वीट में यह जानकारी दी। उन्होने कहा, व्हाइट ओक कैपिटल ने नियामक मंजूरी की खातिर इक्विटी म्युचुअल फंड पेशकश दस्तावेज दाखिल किए हैं। व्हाइट ओक कैपिटल समूह ने नवंबर में घोषणा की थी कि यस बैंक के म्युचुअल फंड कारोबार के अधिग्रहण के लिए लेनदेन पूरा हो चुका हैं।

वित्त समाधान के लिए हीरो इलेक्ट्रिक की श्रीराम सिटी यूनियन के साथ साझेदारी

नई दिल्ली। बिजली चालित दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने अपने वाहन खरीदारों के लिए ऋण सुविधा को लेकर श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस के साथ समझौता किया है। हीरो इलेक्ट्रिक ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य इलेक्ट्रिक स्कूटर को अधिक किफायती बनाने तथा वित्तीय समाधानों के साथ लागत के प्रति जागरूक खरीदारों को आकर्षित करना है। कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी ग्राहकों को पूरे देश में हर समय उपलब्ध वित्तपोषण विकल्पों के साथ पूरी तरह से डिजिटल और कागज रहित ऋण प्रक्रिया का लाभ उठाने का मौका देगी। हीरो इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सोहिंदर गिल ने कहा, "बदलते बाजार और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बढ़ती प्राथमिकता के बीच हमने महसूस किया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ावा देने के लिए मजबूत वित्त योजनाओं की आवश्यकता है। आसान और पसंदीदा वित्तपोषण योजनाएं पर्यावरण अनुकूल यातायात में मदद करेगी।

फास्ट्रैक रिफलेक्स का नया ईयरबड्स

मुंबई। युवाओं के लिए जाने-माने फैशन एक्सेसरी ब्राण्ड फास्ट्रैक ने ईयरबड्स के दो नए वेरिएन्ट्स के लॉन्च के साथ अपने स्मार्ट ऑडियो सेगमेन्ट-फास्ट्रैक रिफ्लेक्स ट्यून्स को और भी खास बनाय है। एफटी-3 और एफटी-4 के साथ ब्राण्ड अपने यूज़र्स को शानदार साउण्ड और बेहतरीन स्टाइल का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। ईयरबड्स के एफटी-3 और एफटी-4 मॉडल्स स्टाइलिश होने के साथ-साथ बेहद लाईटवेट और आरामदायक हैं। नए ईयरबड इंटैलीजेन्ट एनवायरनमेंटल नॉइस कैन्सीलेशन फीचर के साथ आते हैं, जो आपको क्लियर कॉल और शानदार साउण्ड का अनुभव प्रदान करेंगे। दोनों ईयरबड वॉइस असिस्टेन्ट- गूगल और सिरी के साथ बेहतरीन प्रोडक्टिविटी और मल्टी-टास्किंग का सहज अनुभव प्रदान करते हैं। आप वर्क मोड में कॉल्स लेना चाहते हैं, रोड ट्रिप के दौरान अपनी पसंदीदा प्लेलिस्ट सुनना चाहते हैं या अपने पसंदीदा शोज़ का लुत्फ़उठाना चाहते हैं। आप घण्टों तक मनोरंजन का आनंद लें, इसकी बैटरी जल्दी से खत्म नहीं होने वाली है। एनवायरनमेन्ट नॉइस कैन्सीलेशन और 6एमएम बास ड्राइवर शानदार और बेहतरीन साउण्ड देता है। एफटी-4, आईपीएक्स4 स्वेट रेजिस्टेन्ट फीचर के साथ आता है। इसकी कीमत रु 4495 है।

स्टार्टअप की मदद के लिए आईआईएम कोझीकोड, इंडियन बैंक के बीच करार

कोझीकोड (केरल)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कोझीकोड के बिजनेस इन्क्यूबेटर लेबोरेटरी फॉर इनोवेशन वेंचरिंग ऐंड एंट्रेप्रेन्योरशिप (लाइव) ने बृहस्पतिवार को यहां इंडियन बैंक के साथ एक करार किया।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने एक बयान में कहा कि इस समझौते के साथ एक स्टार्टअप वित्तपोषण योजना इंडस्प्रिंग बोर्ड की शुरुआत हुई है जिसके तहत शुरुआती चरण के स्टार्टअप को 50 करोड़ रुपए तक का ऋण प्रदान देकर उन्हें समर्थन दिया जाएगा। एमओयू पर हस्ताक्षर आईआईएमके के निदेशक प्रो. देबाशीष चटर्जी और इंडियन बैंक के कार्यकारी निदेशक आमिन सिद्दकी की उपस्थिति में किए गए।

श्रेस्टा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

मुंबई। श्रेस्टा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स लिमिटेड, जिनका पैकेज्ड ऑर्गेनिक फूड सेगमेंट के सबसे बड़े ब्रांडए 24 मंत्रा पर स्वामित्व हैए ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामकए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दायर किया है। हैदराबाद स्थित इस ऑर्गेनिक फूड कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में कुल 50 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और विक्रेता शेयरधारकों द्वारा 70प्त3 लाख तक के इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है।कंपनी ने नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषणय कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया अप्रत्याभूतध्प्रत्याभूत उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतानय और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव दिया है। 2004 में इसके एक प्रमोटर और एमडी राजशेखर रेड्डी सीलम द्वारा निगमित विपणन और अनुसंधान और विकास के कारोबार में लगी हुई है।

हैदराबाद क्षेत्र में घरों का पंजीकरण 21 में 96 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। हैदराबाद क्षेत्र में दिसंबर 2021 के दौरान घरों का पंजीकरण मामूली रूप से घटकर 3,931 इकाई पर रहा। वही पूरे वर्ष 2021 के दौरान यह 96 प्रतिशत बढ़कर 44,278 इकाई पर पंहुच गया। नाइट फ्रेंक इंडिया ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, "मासिक आधार पर दिसंबर 2021 के दौरान हैदराबाद (हैदराबाद, रंगारेड्डी और संगारेड्डी जिलों समेत) में घरों का पंजीकरण 3,931 इकाई पर रहा। इसमें सालाना आधार पर दिसंबर 2020 की तुलना में 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नई कैमरी हाइब्रिड पेश की

बरेली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने नई कैमरी हाइब्रिड पेश करने की घोषणा की। इसकी डिजाइन में ताजगी लाने वाले बदलाव किए गए हैं ताकि इंटेलीजेंट और सहज अनुभूति वाले सेडान की शक्तिए विलासिताए शैली और भव्यता को बढ़ाया जा सके। बाहर की तरफ एक नई डिज़ाइन फ्रंट बंपरए ग्रिल और अलॉय व्हील कैमरी हाइब्रिड के बोल्ड और परिष्कृत लुक को और बेहतर करते हैं। इंटीरियर में ग्राहकों की बढ़ती पसंद के अनुरूप डिजाइन में बदलाव देखने को मिलता हैए जिसमें फ्लोटिंग किस्म का बड़ा 9 इंच वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम है जो एंड्रॉयड ऑटो और ऐप्पल कार प्ले के अनुकूल है और सौंदर्य की दृष्टि से डिजाइन किए गए इंस्ट्रूमेंट पैनल का पूरक है।

असम सरकार बुनकरों की बिक नहीं सकीं पारंपरिक हथकरघा वस्तुएं खरीदेगी

गुवाहाटी । असम सरकार बुनकरों को कोविड-19 के कारण आई चुनौतियों से उबारने में मदद देने के लिए उनकी बिक नहीं पाई पारंपरिक हथकरघा वस्तुओं की खरीद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह कहा गया। इसमें कहा गया कि यह खरीद स्वनिर्भर नारी योजना के तहत की जाएगी।

भारत, ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक वार्ता शुरू की

● इस समझौते का उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देने के अलावा, वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को उदार बनाना और सीमा शुल्क को कम करना है

भाषा। नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से बातचीत की शुरुआत की। इस समझौते से 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार दोगुना होने में मदद मिलेगी और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामलों की मंत्री ऐनी मेरी ट्रेवेलियन से बृहस्पतिवार को मुलाकात की और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत की औपचारिक शुरुआत भी की। गोयल ने कहा कि आज मुक्त व्यापार समझौते के नियमन एवं शर्तों को अंतिम रूप दे दिया गया है और दोनों देशों ने औपचारिक रूप से इसका समर्थन किया है।उन्होंने संवाददाताओं से यहां कहा, हम मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक वार्ता की शुरुआत कर रहे हैं। इसके लिए दोनों पक्ष के प्रतिनिधि एक दूसरे से नियमित और सक्रिय संवाद कायम रखेंगे और हमारे संबंधों की विभिन्न पहलुओं विचार विमर्श करेंगे तथा अंतरिम समझौते की प्रक्रिया में तेजी लाएंगे। इससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए अवसर बढ़ेंगे और माल एवं सेवा क्षेत्र में कारोबार बढ़ेगा। वार्ता का पहला चरण 17 जनवरी से शुरू होगा और बाकी के चरण लगभग हर पांच हफ्ते पर होंगे। दोनों ही पक्ष दिसंबर 2022 तक वार्ता को पूरा कर लेना चाहते हैं। गोयल ने कहा, ...हम वार्ता को सालभर के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते से चमड़ा, कपड़ा, आभूषण और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री ऐनी मेरी ट्रेवेलियन ने मीडिया से बातचीत में कहा, हमारा उद्देश्य इस दशक के अंत तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने के साथ दोनों देशों में नौकरियों, कारोबार तथा समुदायों को समर्थन देने का है। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को नई उंचाई देगा। इस समझौते का उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देने के अलावा, वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को उदार बनाना और सीमा शुल्क को कम करना है। भारत की ओर से 2020-21 में ब्रिटेन को निर्यात 8.15 अरब डॉलर जबकि आयात 4.95 अरब डॉलर रहा।

रिलायंस गुजरात में हरित ऊर्जा, अन्य परियोजनाओं में 5.95 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्ली, भाषा

जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले 10 से 15 साल के दौरान गुजरात में हरित ऊर्जा और अन्य परियोजनाओं में 5.95 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी राज्य में एक लाख मेगावॉट का नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र और हरित हाइड्रोजन परिवेश के विकास के लिए 5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल, हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर, ऊर्जा भंडारण बैटरी और फ्यूल सेल के विनिर्माण के लिए कारखानों की स्थापना को लेकर 60,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। साथ ही अगले तीन से पांच साल में मौजूदा परियोजनाओं और नए उपक्रमों में 25,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसके अलावा रिलायंस ने जियो के अपने दूरसंचार नेटवर्क को 5जी में बदलने के लिए तीन से पांच वर्ष में 7,500 करोड़ रुपए और रिलायंस रिटेल में अगले पांच साल के दौरान 3,000 करोड़ रुपए निवेश करने का भी प्रस्ताव दिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, "वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन 2022 के लिए प्रचार-प्रसार कार्यक्रम के दौरान बृहस्पतिवार को आरआईएल ने गुजरात सरकार के साथ कुल 5.95 लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन परियोजनाओं से राज्य में करीब दस लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

भारतीय स्टार्टअप ने पिछले साल 42 अरब डॉलर जुटाए: रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

भारत के स्टार्टअप ने वर्ष 2021 में 42 अरब डॉलर की राशि जुटाई जो एक साल पहले 11.5 अरब डॉलर रही थी।ओरियोस वेंचर पार्टनर्स ने बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2021 में भारत में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले 46 स्टार्टअप यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) का दर्जा पाने में सफल रहे। इसके साथ ही भारत में मौजूद कुल यूनिकार्न की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर 90 हो गई।

पिछले साल में यूनिकॉर्न बनने वाले स्टार्टअप में शेयरचैट, क्रेड, मीशो, नजारा, मॉगलिक्स, एमपीएल, ग्रोफर्स (अब ब्लिंकइट), अपग्रेड, मामाअर्थ, ग्लोबलबीज, एको और स्पिनी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 90 यूनिकॉर्न की संख्या के साथ अमेरिका और चीन के बाद तीसरा बड़ा यूनिकॉर्न मौजूदगी वाला देश बन गया है। अमेरिका में 487 और चीन में 301 यूनिकॉर्न हैं और भारत अब ब्रिटेन (39) से आगे निकल चुका है। भारत करीब 60,000 स्टार्टअप की संख्या के साथ तीसरा बड़ा स्टार्टअप परिवेश वाला देश बन गया है। रिपोर्ट कहती है कि ए स्टार्टअप न सिर्फ नवोन्मेषी समाधान एवं तकनीक लेकर आ रहे हैं बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा कर रहे हैं। आज के समय में दुनिया का हर 13वां यूनिकॉर्न भारत में पैदा हुआ है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलूरु में सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न हैं। सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न वित्त-प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स एवं सॉफ्टवेयर सेवा से जुड़े हुए हैं। स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी, गेमिंग एवं क्रिप्टो भी उनकी गतिविधियों के केंद्र में हैं।रिपोर्ट कहती है कि फ्लिपकार्ट 37.6 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न है जबकि मेन्सा ब्रांड्स सिर्फ छह महीनों के भीतर ही यूनिकॉर्न का दर्जा पाने में सफल रही है। वर्ष 2021 में चार कंपनियां- फ्लिपकार्ट, पेटीएम, बायजू और ओयो रूम्स 10 अरब डॉलर से भी अधिक मूल्यांकन के साथ डेकाकॉर्न (दस अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) बन चुकी हैं।

पेज एक का शेष

कोविड-19...

दे चुका है। इतना ही नहीं, सिर्फ 10 दिनों के भीतर ही भारत अपने लगभग तीन करोड़ किशोरों का भी टीकाकरण कर चुका है। यह भारत के सामर्थ्य को दिखाता है और इस चुनौती से निपटने की हमारी तैयारी को भी दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के अधिकतर विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना का कोई भी स्वरूप हो, उसके खिलाफ टीका ही सबसे कारगर हथियार है और भारत में बने टीके तो दुनिया भर में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर रहे हैं। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी हिस्सा लिया।

लगातार बढ़...

है जहां गुरुवार को 18,374 नए मरीज आए। यहां पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी है। महाराष्ट्र में स्थिति स्थिर रही, जबकि मुंबई में बुधवार की तुलना में मामलों की संख्या में थोड़ी गिरावट देखी गई। महाराष्ट्र में गुरुवार को पिछले 24 घंटों में 46,406 नए मामले आए और 36 लोगों की मौत हुई। मुम्बई में 13,702 नए केस आए और 6 मौतें हुईं। यहां बुधवार को 16420 मामले सामने आए थे। पोंगल, वार्षिक फसल उत्सव और तमिल नव वर्ष उत्सव के बीच तमिलनाडु में गुरुवार को 20,911 नए कोविड केस आए। पश्चिम बंगाल में भी कोविड से कोई राहत नहीं मिल रही है। राज्य में 23,467 ताजा मामले आए और 26 मौतें हुईं।

तीन करोड़...

किया जा चुका है और यह संख्या हर मिनट बढ़ती जा रही है। हालांकि, इस आयु वर्ग के कुल 3,21,63,781 युवाओं ने अब तक टीकों के लिए अपना पंजीकरण कराया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा कि युवा भारत में जिम्मेदारी और उत्साह की भावना। 15-18 आयु वर्ग के 3 करोड़ से अधिक युवाओं को कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक मिली है। उन्होंने सभी पात्र युवा लाभार्थियों से जल्द से जल्द टीकाकरण कराने की भी अपील की।

उत्तर प्रदेश...

प्रसाद मौर्या ने अचानक इस्तीफा अपना देकर लखनऊ का राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया था। उसके बाद कल सरकार के मंत्री दारा सिंह चौहान और आज धर्म सिंह सैनी ने सरकार से इस्तीफा दिया। इन मंत्रियों के अलावा भगवती सागर रोशनलाल वर्मा, विनय शाक्य, अवतार सिंह भाड़ाना, बृजेश प्रजापति, मुकेश वर्मा, राकेश राठौर, जय चौबे, माधुरी वर्मा, आरके शर्मा, बाला अवस्थी भी भाजपा का साथ छोडकर दूसरे दलों में जा चुके है। करीब पांच साल तक सरकार में रहने के बाद धर्म सिंह सैनी ने अपना इस्तीफा देने से पहले सरकारी आवास खाली किया और सरकार से मिली सभी सुविधाओं को वापस किया। इसके बाद उन्होने सरकार ने अपना त्याग पत्र दिया। हालांकि आवास और सरकारी सुविधाए वापस किये जाने के बाद से ही धर्म सिंह सैनी के इस्तीफे की अटकले गुरुवार सुबह से ही थी। सहारनपुर के नकुड़ से भाजपा विधायक तथा आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी ने बुधवार को ही इंटरनेट मीडिया पर अपने समाजवादी पार्टी के शामिल होने की सूचना वायरल होने के बाद कहा था कि स्वामी प्रसाद ह्मौर्य मेरे बड़े भाई हैं और बड़े भाई रहेंगे। उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया इसकी जानकारी नहीं है। श्री सैनी ने 2017 का चुनाव कांग्रेस के इमरान मसूद को हराकर जीता था। इससे पहले 2012 में धर्म सिंह सैनी बसपा से जीते थे। तब भी इमरान मसूद को हराया था। वह नकुड़ से लगातार चार बार से विधायक हैं। डॉ सैनी ने कहा कि योगी सरकार के दो और मंत्री इस्तीफा देंगे। उनके साथ ही कई और विधायक भी भाजपा का साथ छोड़ेंगे।

बीकानेर-गुवाहाटी...

मदद के लिए हाथ बंटाते देखे गए जो क्षतिग्रस्त डिब्बों के अंदर फंस गए थे। दुर्घटना के दौरान कुछ डिब्बे ट्रेन से अलग हो गए, जबकि कुछ के पहिए पटरी से उतर गए। हादसे की खबर जलपाइगुड़ी पहुंचते ही एक एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालते देखा गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, आज शाम न्यू मयनागुड़ी (पश्चिम बंगाल) के पास दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। त्वरित बचाव अभियान के लिए व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहा हूं। उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री से बात कर उन्हें बचाव अभियानों का जानकारी दी। भारतीय रेलवे ने मृतकों लिए 5 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए। लाख रुपए और मामूली रूप से घायल यात्रियों के लिए 25,000 रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य लाइन पर हादसा होने के कारण गुवाहाटी की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों को फिलहाल रोक दिया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिला अधिकारियों से बात की और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। बनर्जी ने ट्वीट किया, मयनागुड़ी में बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस की दुखद दुर्घटना के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, डीएमाएसपी/आईजी-उत्तर बंगाल बचाव और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। घायलों को जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता मिलेगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट किया, बीकानेर गुवाहाटी एक्सप्रेस के जलपाइगुड़ी के पास पटरी से उतर जाने की खबर सुनकर दुख हुआ।

सीएम उम्मीदवार...

राष्ट्रीय संयोजक ने मोहाली क्लब में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अक्सर देखने में आया है कि पार्टियों में कोई अपने बेटे को सीएम चेहरा बना देता है। कोई अपनी बहू को बना देता है, तो कोई अपने घर वाले को बना देता है। भगवंत मान हमारे बहुत प्यारे हैं। मेरे छोटे भाई हैं। आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े नेता हैं। हमारी पसंद मान थे, लेकिन भगवंत मान ने कहा कि इसके लिए जनता से पूछना चाहिए। भगवंत मान ने कहा कि जनता जो जिम्मेदारी देगी, वह उसे निभाएंगे। बंद कमरे में सीएम चेहरा को तय करने का सिलसिला बंद करना चाहिए। उनकी ड्यूटी चाहे पोस्टर चिपकाने में लगा दी जाए, वह उसे भी पूरी शिद्दत से निभाएंगे और चौराहे पर झाड़ू लगाने को कहा जाएगा तो वह भी करेंगे।

धर्म संसद...

ने हरिद्वार में धर्म संसद का आयोजन किया था, जबकि साध्वी अन्नपूर्णा ने आयोजन में वक्ता के रूप में भाग लिया था, जहां मुसलमानों के खिलाफ कथित तौर पर भडकाऊ भाषण दिए गए थे। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक योगेंद्र रावत ने बताया कि रिजवी को रूड़की के नारसन बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया। कुछ माह पूर्व हिंदू धर्म अपनाने के बाद जितेंद्र नारायण त्यागी बने 52 वर्षीय लखनऊ निवासी वसीम रिजवी का नाम उन 10 से ज्यादा लोगों में शामिल है, जिनके खिलाफ मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रिजवी उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के प्रमुख रह चुके हैं। हरिद्वार में 17 से 19 दिसंबर तक हुई धर्म संसद में मुसलमानों के खिलाफ कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के मामले में यह पहली गिरफ्तारी हुई है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस मामले में और भी गिरफ्तारी होंगी? पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह आगे विवेचना पर निर्भर करेगा। गौरतलब है कि धर्म संसद में कथित भड़काऊ भाषण देने के मामले में कार्रवाई करने को लेकर राज्य सरकार पर चौतरफा दबाव पड़ रहा था। इस मामले में बुधवार को ही उच्चतम न्यायालय ने घटना के इतने दिनों बाद भी कोई कार्रवाई न करने के लिए राज्य सरकार की खिंचाई की थी और उत्तराखंड के साथ केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था।

व्यवसाय प्रमाणपत्र...

लिए भी ऊंचे शुल्क का भुगतान करना पड़ा। शीर्ष अदालत ने एनसीडीआरसी के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसने बिल्डर के खिलाफ सोसायटी की याचिका को खारिज कर दिया था और कहा था कि उन्हें ज्यादा कर लेने वाले प्राधिकारों के खिलाफ शिकायत करनी चाहिए। पीठ ने कहा, मौजूदा मामले में प्रतिवादी कब्जा प्रमाणपत्र के साथ सोसायटी को फ्लैट के स्वामित्व को हस्तांतरित करने के लिए जिम्मेदार था। प्रतिवादी द्वारा कब्जा प्रमाणपत्र प्राप्त करने में विफलता सेवा में कमी है, जिसके लिए प्रतिवादी उत्तरदाई है। शीर्ष अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा, इस प्रकार, अपीलकर्ता सोसायटी के सदस्यों के उपभोक्ताओं के रूप में अधिकार हैं कि वे कब्जा प्रमाणपत्र नहीं रहने से उत्पन्न होने वाले परिणाम के कारण दायित्व (जैसे कि मालिकों द्वारा उच्च करों और पानी के शुल्क का भुगतान) को लेकर मुआवजे के लिए अनुरोध करें।

भारत-चीन...

कोशिशें करेंगे। इसमें कहा गया है, दोनों पक्ष करीबी संपर्क बनाए रखने और सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों से वार्ता जारी रखने तथा शेष मुद्दों के यथाशीघ्र परस्पर स्वीकार्य समाधान तलाशने के लिए सहमत हुए। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष यथाशीघ्र अगले दौर की कमांडर स्तर की वार्ता करने के लिए भी सहमत हुए। उल्लेखनीय है कि 13वें दौर की वार्ता पिछले साल 10 अक्टूबर को हुई थी और उसमें गतिरोध का हल नहीं निकल पाया था।

जादू-टोना...

दीपाटोली में किसी के मृत्यु भोज (दसवां) में भाग लेने गई थीं। लेकिन उनके देर से पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने डायन बिसाही का आरोप लगाकर उनपर मिट्टी तेल और पुआल डालकर आग लगा दिया। मृत्यु भोज में आए कुछ लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसने मौके पर पहुंचकर झरियो देवी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह कोलेबिरा थाना क्षेत्र के बेसराजरा बाजार में भीड़ ने 32 वर्षीय व्यक्ति की पत्थर मार-मार कर हत्या कर दी थी और शव को जला दिया था पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मामले के मुख्य आरोपी ग्राम प्रधान सुबुन बुद को रविवार को गिरफ्तार किया। इस संबंध में अभी तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आशा है संबद्ध लोग गैर-रचनात्मक टिप्पणी करने से परहेज करेंगे : चीन

भाषा। बीजिंग

● नरवणे की टिप्पणी पर चीनी प्रवक्ता की प्रतिक्रिया

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत में संबद्ध लोग गैर-रचनात्मक टिप्पणियां करने से परहेज करेंगे। बीजिंग की यह टिप्पणी थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की उस टिप्पणी के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्वी लद्दाख में खतरा किसी भी तरह से कम नहीं हुआ है और भारतीय सेना दृढ़ता तथा साहसिक तरीके से चीनी सेना से निपटना जारी रखेगी। नरवणे पिछले 20 महीने से जारी सीमा गतिरोध का जिक्र कर रहे थे, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हुआ है। जनरल नरवणे ने सेना दिवस (15 जनवरी) से पहले बुधवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा था कि युद्ध या संघर्ष हमेशा अंतिम उपाय होता है, लेकिन अगर इसे भारत पर थोपा जाता है, तो देश विजई होगा। उनकी टिप्पणी उस दिन आई जब भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए कोर कमांडर स्तर की 14 वें दौर की वार्ता की। जनरल नरवणे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने आज यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, अब चीन और भारत सीमा तनाव को कम करने के लिए राजनयिक एवं सैन्य चैनल के माध्यम से संपर्क एवं बातचीत कर रहे हैं।

पश्चिमी मीडिया के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि भारतीय पक्ष के संबद्ध लोग गैर-रचनात्मक टिप्पणी करने से परहेज करेंगे। कोर कमांडर स्तर की वार्ता के बारे में वांग ने कहा, कमांडर स्तर की 14वीं बैठक के संबंध में, यदि कोई जानकारी हुई तो हम जानकारी जारी करेंगे। हालांकि, नई दिल्ली में सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चुशूल-मोल्डो सीमा बिंदु पर चीन के साथ हुई 14वें दौर की सैन्य वार्ता के दौरान भारत ने देपसांग बुलगे और डेमचोक में मुद्दों के समाधान सहित पूर्वी लद्दाख में तनाव के सभी शेष बिंदुओं से सैनिकों को जल्द से जल्द हटाने की बात पर जोर दिया। इससे पहले, 13वें दौर की वार्ता 10 अक्टूबर को हुई थी जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला था। भारत और चीन की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को शुरू हुआ था। इसके बाद, दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे हजारों सैनिकों के साथ-साथ वहां भारी अस्त्र-शस्त्रों की भी तैनाती कर दी। सैन्य और कूटनीतिक वार्ताओं के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी छोर क्षेत्र सहित गोगरा इलाके से भी सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी की थी।

द. कोरिया को फाइजर की एंटीवायरल गोलियों की पहली खेप मिली

सियोल। दक्षिण कोरिया को हल्के या मध्यम लक्षणों वाले कोविड पीड़ितों के लिए बृहस्पतिवार को फाइजर की एंटीवायरल गोलियों की पहली खेप मिली। स्वास्थ्य अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती होने से बचाने और कोरोना वायरस के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए पैक्सलोविड गोलियों को एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में वर्णित किया है, क्योंकि देश कोरोना वायरस के संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में संभावित तेजी के लिए तैयार है। दक्षिण कोरिया को भेजी गई दवा 21,000 लोगों के पांच-दिवसीय कोर्स के लिए पर्याप्त है। गोलियों की दूसरी खेप 10 हजार लोगों के पांच-दिवसीय कोर्स के लिए पर्याप्त होगी। ए गोलियां शुक्रवार से कोविड के हल्के और मध्यम लक्षण वाले मरीजों को दी जाएंगी। इससे पहले इन्हें दक्षिण कोरिया के मध्य में स्थित फर्मास्यूटिकल भंडारण केंद्र ले जाया जाएगा।

दक्षिण कोरिया के सियोल के पश्चिम में इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक कार्गो टर्मिनल पर फाइजर की एंटीवायरल कोविड-19 गोली पैक्सलोविड के पहले बैच वाले शिपमेंट का परिवहन करता हुआ

क्विक न्यूज

नाइजीरिया ने सात महीने बाद ट्विटर से हटाया प्रतिबंध

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजीरिया मे सात महीने बाद वहां की सरकार ने ट्विटर से प्रतिबंध हटा लिया है। इस प्रतिबंध के कारण देश के 20 करोड़ से अधिक लोग सोशल मीडिया नेटवर्क से कट गए थे। देश की राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी के महानिदेशक काशीफू इनुवा अब्दुल्लाही के अनुसार, नाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी ने निर्देश दिया कि बृहस्पतिवार को देश में ट्विटर का संचालन फिर से शुरू होगा। अब्दुल्लाही ने कहा कि ट्विटर द्वारा नाइजीरिया में एक कार्यालय खोलने सहित कुछ शर्तों को पूरा करने के लिए सहमत होने के बाद यह फैसला हुआ है। नाइजीरिया के कॉरपोरेट अस्तित्व को कम करने वाली गतिविधियो के लिए एक मंच के तौर पर ट्विटर के लगातार उपयोग का हवाला देते हुए नाइजीरिया ने पिछले साल चार जून को सोशल नेटवर्किंग साइट का संचालन निलंबित कर दिया था। इस कार्वाई से नाइजीरिया की काफी आलोचनाएं हुई क्योंकि यह कदम सोशल मीडिया नेटवर्क द्वारा बुहारी के एक पोस्ट को हटाने के तुरंत बाद आया था। अपने पोस्ट में बुहारी ने अलगाववादियो के साथ उसी भाषा में व्यवहार करने की धमकी दी थी जिसे वे समझेंगे। अब्दुल्लाही ने एक बयान में कहा, हमारी कार्वाई कंपनी के उचित हितो को खतरे में डाले बिना देश के लिए अधिकतम पारस्परिक लाभ प्राप्त करने को लेकर ट्विटर के साथ हमारे संबंधो को फिर से जांचने का एक प्रयास है। हमारी बातचीत बहुत सम्मानजनक, सौहार्दपूर्ण और सफल रही है। हालांकि, ट्विटर के एक प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नही दिया। अब्दुल्लाही ने कहा कि 2022 की पहली तिमाही के दौरान नाइजीरिया मे पंजीकरण करने के अलावा ट्विटर ने अन्य शर्तो पर भी सहमति व्यक्त की है, जिसमे देश के लिए प्राधिकृत प्रतिनिधि को नियुक्त करना, कर दायित्वो का पालन करना और नाइजीरिया के कानूनो एवं राष्ट्रीय संस्कृति तथा इतिहास की सम्मानजनक स्वीकृति के साथ कार्य करना शामिल है।

अमेरिका में हमले के शिकार भारतीय मूल के सिख टैक्सी ड्राइवर ने कहा, स्तब्ध और गुस्से में हूं

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका मे हमले का शिकार हुए भारतीय मूल के सिख टैक्सी ड्राइवर ने कहा कि वह अपने ऊपर हुए हमले से हैरान और गुस्से में है। उसने कहा कि किसी को भी ऐसी नफरत भरी हिंसा का सामना न करना पड़े। कुछ दिन पहले जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) हवाई अड्डे पर एक अज्ञात व्यक्ति ने सिख टैक्सी ड्राइवर पर हमला किया था और उन्हे अपने देश लौट जाने को कहा था। समुदाय आधारित नागरिक एवं मानवाधिकार संगठन द सिख कोएलिशन ने तीन जनवरी को एक बयान मे कहा कि न्यूयॉर्क सिटी के निवासी सिंह पर यहां जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी कैब के पास हमला किया गया और उन्हें पीटा गया। संगठन ने अपने बयान मे कहा कि सिंह ने अपनी कैब टर्मिनल 4 टैक्सी स्टैंड पर खड़ी की थी। तभी एक अन्य ड्राइवर ने उनके वाहन को रोक दिया। जब सिंह ने एक सवारी को अपनी कार मे बैठाया और दूसरे ड्राइवर को आगे बढ़ने के लिए कहा तो दूसरे ड्राइवर ने सिंह को अपनी कार के दरवाजे से मारने का प्रयास किया। इसके बाद उसने सिंह के सिर, छाती और बाहो पर बार-बार घूंसे मारना शुरू कर दिया। बयान के अनुसार, दूसरे ड्राइवर ने सिंह को पगड़ीधारी कहा और वह चीख-चीख कर कह रहा था, अपने देश वापस चले जाओ। संगठन ने हमले के शिकार सिख टैक्सी ड्राइवर के हवाले से बताया, मै स्तब्ध और गुस्से मे था कि मुझ पर अपना काम करने के अलावा, कुछ नही करने के लिए हमला किया गया। काम करते समय किसी को भी इस तरह की घृणा का अनुभव नही होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि पुलिस उस व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार करेगी और उसके खिलाफ मामला दर्ज करेगी। संगठन ने नाम उजागर नही करने के अनुरोध पर सिख टैक्सी ड्राइवर को केवल श्री सिंह के नाम से संबोधित किया। सिंह ने घटना के तुरंत बाद पोर्ट अथॉरिटी पुलिस विभाग (पीएपीडी) मे रिपोर्ट दर्ज कराई। सिख कोलिशन की कानूनी निदेशक अमृत कौर आकरे ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि इस अपमानजनक हमले मे पूर्वाग्रह को एक कारक के रूप मे माना जाएगा, जो इस बात का सबूत है कि दूसरे ड्राइवर ने श्री सिंह के साथ क्या कहा और किया। नवजोत पाल कौर ने हमले का 26 सेकंड का वीडियो चार जनवरी को ट्विटर पर पोस्ट किया था और यह जल्द ही वायरल हो गया। कौर ने ट्वीट किया, यह वीडियो जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति ने बनाया है। मै इस विडियो के अधिकार नही रखती।

हिंदी फिल्मों से भाषा को दुनियाभर में पहचान मिली, और प्रयास करने होंगे : भारतीय राजनयिक

जोहानिसबर्ग। बॉलीवुड फिल्मों से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, लेकिन इस भाषा को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यताप्राप्त पांच वैश्विक भाषाओ के साथ समुचित स्थान मिलना चाहिए। जोहानिसबर्ग में भारत की महावाणिज्यदूत अंजू रंजन ने विश्व हिंदी दिवस के मौके पर अपने भाषण में यह बात कही। विश्व हिंदी दिवस हर साल 10 जनवरी को मनाया जाता है। 1975 मे इस दिन पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया था। 2012 मे दक्षिण अफ्रीका के हिंदी शिक्षा संघ ने सैंडटन कन्वेंशन सेंटर मे सम्मेलन की सह-मेजबानी की थी और सम्मेलन के लिए इस स्थान का नाम गांधीग्राम कर दिया गया था। स्वयं भी हिंदी मे कविताएं और अन्य साहित्यिक कृतियां रच चुकी रंजन ने कहा कि भारत मे हिंदी का जबरदस्त विकास हुआ है, लेकिन दुनियाभर मे बड़ी संख्या मे हिंदीभाषी लोगो के होने के बावजूद इस भाषा को वह दर्जा नही मिला। रंजन ने कहा, अंग्रेजी, फ्रेंच, जापानीज, चाइनीज और रशियन को संयुक्त राष्ट्र की पांच प्रमुख भाषाओ के तौर पर मान्यताप्राप्त है और दुनिया मे इनमे से कुछ भाषाओ की तुलना में हिंदी बोलने वाले अधिक है, तब भी हिंदी उस स्तर तक नही पहुंच पाई है। उन्होने कहा, हमें हिंदी को इन भाषाओं के समान दर्जा दिलाने के लिए क्रांतिकारी प्रयास करने होंगे। राजनयिक ने कहा कि वह दुनिया मे जहां भी जाती है, विशेष रूप से युवाओ से बातचीत मे बॉलीवुड फिल्मो के संवाद सुनने को मिलते है।

अमेरिका ने मिसाइल परीक्षण के बाद उत्तर कोरियाई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया के ताजा बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने एशियाई देश के पांच अधिकारियो पर बुधवार को प्रतिबंध लगाए तथा बाद मे घोषणा की कि वह संयुक्त राष्ट्र से भी और नए प्रतिबंध लगाने की मांग करेगा। राजकोष विभाग ने कहा कि वह उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रमों के लिए तकनीक तथा उपकरण हासिल करने में भूमिकाओं को लेकर पांच अधिकारियो पर जुर्माना लगा रहा है। इसके अलावा विदेश विभाग ने एक अन्य उत्तर कोरियाई व्यक्ति, रूसी व्यक्ति तथा रूसी कंपनी के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के विध्वंसक गतिविधियों के हथियारो में व्यापक सहयोग देने के लिए इन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। राजकोष विभाग ने यह कदम तब उठाया है जब कुछ घंटो पहले उत्तर कोरिया ने कहा कि उसके नेता किम जोंग उन के समक्ष मंगलवार को एक हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने बुधवार रात को ट्वीट किया कि राजकोष और विदेश विभाग द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अमेरिका भी संयुक्त राष्ट्र में सितंबर के बाद से उत्तर कोरिया के छह बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण करने के जवाब में उस पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दे रहा है। राजकोष विभाग के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया के प्रमुख ब्रायन नेल्सन ने कहा, उत्तर कोरिया के ताजा मिसाइल परीक्षण इस बात का सबूत है कि वह कूटनीति और परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदायो की अपीलो के बावजूद प्रतिबंधित कार्यक्रमो को आगे बढ़ा रहा है।

रूस ने अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने पर दी चेतावनी

भाषा। मास्को

● क्यूबा, वेनेजुएला में सैन्य तैनाती करेंगे

रूस के एक वरिष्ठ राजनयिक ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका के साथ तनाव बढ़ता है तो क्यूबा और वेनेजुएला में रूस की सैन्य तैनाती की संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। जिनेवा में सोमवार की वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करने वाले उप विदेश मंत्री सर्जेई रियाबकोव की टिप्पणी बृहस्पतिवार को टेलीविजन पर प्रसारित हुई जिसमें उन्होंने कहा कि क्यूबा और वेनेजुएला में रूस द्वारा सैन्य ढांचा खड़ा करने की संभावना की वह न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इसे खारिज कर सकते हैं। जिनेवा में हुई वार्ता और बुधवार को विएना में हुई नाटो-रूस की बैठक में यूक्रेन के नजदीक रूस की सैन्य तैनाती के बीच उसकी सुरक्षा मांगों को लेकर बनी खाई को पाटने में सफलता नहीं मिली। रूस के आरटीवीआई टीवी के साथ साक्षात्कार में रियाबकोव ने कहा, यह सब हमारे अमेरिकी समकक्षों की गतिविधियों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका रूस को उकसाने वाले कार्वाई करता है और उस पर सैन्य दबाव बनाता है तो रूस भी सैन्य एवं तकनीकी कदम उठा सकता है। रियाबकोव ने कहा कि अमेरिका और नाटो ने यूक्रेन तथा अन्य पूर्व-सोवियत राष्ट्रों तक गठबंधन बल के विस्तार को रोकने की गारंटी देने के लिए रूस की मांगों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रयासों में अंतराल से वार्ता जारी रहने की संभावना को लेकर संशय पैदा हो गया है।

संरा मिशन ने यूएई के बंधक बनाए गए जहाज के चालक दल के सदस्यों से बात की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि उसने संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाले मालवाहक जहाज के चालक दल के सदस्यों से बात की है। इस जहाज को यमन के होदीदा बंदरगाह में हूती विद्रोहियों ने बंधक बना लिया है और इसमें सात भारतीय सवार हैं। होदीदा समझौते के समर्थन में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने ट्वीट किया, अपनी नियमित साप्ताहिक गश्त के दौरान यूएनएमएचए अस-सलीफ बंदरगाह और पड़ोसी इलाकों में गया। गश्ती दल ने कुछ दूरी से रवाबी जहाज को देखा और उसके चालक दल के सदस्यों से बात की। उसने बताया, यूएनएमएचए गश्ती दल स्थानीय लोगों से बातचीत करने के लिए अस सलीफ में एक मछली बाजार और एक स्थानीय स्कूल भी गया। गश्ती वाले इलाकों में सैन्ईकरण का कोई संकेत नहीं मिला। भारत ने इस महीने की शुरुआत में यमन के होदीदा बंदरगाह पर हूती विद्रोहियों द्वारा बंधक बनाए गए जहाज पर सवार सात भारतीयों की तत्काल रिहाई का अनुरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, हम यमन में सैन्य अभियानों के निरंतर तीव्र होने से चिंतित हैं। पिछले कुछ वर्षों में सना, मारिब और शाब्वा में भीषण झड़पें शांति की संभावनाओं को कमजोर कर रही हैं। यमन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को तिरुमूर्ति ने चिंता जताई कि इस महीने की शुरुआत में होदीदा तट पर संयुक्त अरब अमीरात के रवाबी जहाज को बंधक बनाने से पहले से चल रहा तनाव और बढ़ेगा। तिरुमूर्ति ने कहा, हम इस कृत्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं जिसने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। जहाज में सवार चालक दल के सदस्यों में सात भारतीय नागरिक भी शामिल हैं और हम उनकी सुरक्षा तथा कुशलक्षेम को लेकर बहुत चिंतित हैं। हूती विद्रोहियों से चालक दल के सदस्यों और जहाज को तत्काल रिहा करने का अनुरोध करते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि हूती पर चालक दल के सदस्यों की रिहाई तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि यमन में होदीदा बंदरगाह के पास हूतियों द्वारा कब्जा,, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का झंडा लगे मालवाहक जहाज पर सवार सभी सात भारतीय सुरक्षित हैं ।

गार्डन पार्टी विवाद में बोरिस जॉनसन के साथ खड़े हुए ब्रिटेन के अनेक मंत्री

लंदन। ब्रिटेन की सरकार के वरिष्ठ मंत्रियो ने बृहस्पतिवार को कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रति समर्थन जताया और देश मे कोरोना वायरस महामारी के कारण लगे पहले लॉकडाउन के दौरान गार्डन पार्टी मे शामिल होने के लिए उनके इस्तीफे की मांगो को खारिज कर दिया। वही, कई अन्य कंजर्वेटिव नेताओ ने इस बारे मे कुछ नही कहा।

कार्यालय नगर मजिस्ट्रेट
सैक्टर-19, नोएडा, गौतमबुद्धनगर
पत्र सं. 3276/एस.टी.-सी.एम./2022
दिनांक 11 जनवरी, 2022
सार्वजनिक सूचना
श्री बिन्नी वर्गिस पुत्र श्री पी.वी. वर्गिस निवासी 57, प्रथम पैराडाईज, निकट सोमनाथ नगर, तर्सली, बड़ोदरा, गुजरात-390009 एवं सुश्री छवि शारदा पुत्री श्री वी.के. शारदा निवासी 9डी, ब्लॉक-बी-5, धवलगिरी अपार्टमेंट, चर्च के सामने, सेक्टर- 34, नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर (उ.प्र.) ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह करने हेतु आवेदन किया है।
इस संबंध में आपत्तिधारी व्यक्ति अपनी आपत्ति/आपत्तियां अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 08.02.2022 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकता है।
नगर मजिस्ट्रेट
विशेष विवाह अधिकारी, गौतमबुद्धनगर

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given that Santra Devi who is in the process to avail the loan against the Land area measuring 3 Kanal 15 marla (bearing property Id no. 175C9U179) out of Rectangle no.24, Killa no.15/2(2-13), 27(1-2), Situated in the revenue estate of Village Mohammadpur Jharsa, Tehsil & Distt. Gurgoan Haryana owned by her vide sale deed having registration no.14663, dated 13/9/2012 executed by M/s Pick Up Carrier(s) Unit of Sanya Road Line Pvt Ltd.
Whereas she has lost one of the original previous title deed i.e. Sale Deed dated 3/10/01 in favour of M/s Pick Up Carrier(s) Unit of Sanya Road Line Pvt Ltd in lieu of that she has also lodged an FIR on dated 4/11/22. All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan for purchase of the said Property and subsequent creation of mortgage in respect thereof.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5&6, Pkt-E, CSC Mayur Vihar-II
Delhi-91, Mob. 9810063351

कांग्रेस ने भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर गार्सेटी के नाम को दी मंजूरी

भाषा। वाशिंगटन

कांग्रेस की एक अहम समिति ने भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक एम गार्सेटी के नामांकन को मंजूरी दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले साल जुलाई में भारत में राजदूत के तौर पर गार्सेटी को नामांकित किया था। अगर सीनेट उनके नाम पर मुहर लगा देती है तो 50 वर्षीय गार्सेटी पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान भारत में अमेरिका के राजदूत रहे केनेथ जस्टर का स्थान लेंगे। गार्सेटी के अलावा सीनेट की शक्तिशाली विदेशी संबंध समिति ने बुधवार को 11 अन्य राजदूतों के नामांकन को मंजूरी दी। इनमें जर्मनी में अमेरिका के राजदूत के तौर पर एमी गुटमैन, पाकिस्तान में डोनाल्ड आर्मिन ब्लोम तथा होली सी में जोए डोनेली के नाम शामिल हैं। अब इन नामों को अंतिम मंजूरी के लिए सीनेट के पटल पर रखा जाएगा। सीनेट की विदेश संबंधों की समिति के अध्यक्ष सीनेटर बॉब मेनेंदेज ने इस पर नाराजगी जताई कि समिति के समक्ष 55 नामांकन अब भी लंबित हैं और दुनियाभर में कई चुनौतियां उनका इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैने इस समिति और सीनेट के समक्ष कई बार कहा है कि लंबे समय तक पदों को रिक्त रखना हमारे हित में नहीं है। रैंकिंग सदस्य जिम रिश्च ने जर्मनी के राजदूत पद पर नामांकन के विरोध में मत दिया। उन्होंने कहा, मैं डॉ. गटमैन के खिलाफ ना में वोट दे रहा हूं लेकिन यह निजी मसला नहीं है। मैं उनके साथ काम करने और जर्मनी के साथ हमारा गठबंधन मजबूत करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर वह योग्य हैं, उनका लंबा और सफल करियर रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह संभवत: यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया में काम करने को लेकर रहा, जो चीन से लाखों डॉलर का चंदा लेता है।
अमेरिका के उच्च शिक्षा संस्थानों में विदेशी, खासतौर से चीन के प्रभाव का मुद्दा इस समिति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बाइडन के नामांकित करने के

भारतीय नागरिक पर छह लाख डॉलर की ठगी करने का आरोप

न्यूयॉर्क। एक भारतीय नागरिक और अमेरिका के एक व्यक्ति पर देशभर के बुजुर्ग लोगों से करीब 6,00,000 डॉलर की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। अमेरिका न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि भारत के रवि कुमार और टेक्सास के एंथनी मुनिगेटी पर 20 आरोप लगाए गए हैं। कुमार भारत में है और उसे भगोड़ा माना जा रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी जेनिफर लावरी ने बताया कि मुनिगेटी को देशभर के कई बुजुर्ग पीड़ितों से 6,00,000 डॉलर से अधिक की ठगी करने के आरोपों में हिरासत में लिया गया है। मुनिगेटी और कुमार पर धन शोधन की साजिश रचने, दूरसंचार धोखाधड़ी के 20 आरोप और धन शोधन के छह आरोप लगाए गए हैं। दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें प्रत्एक आरोप में 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। दोनों आरोपियों तथा अन्य लोगों ने कई स्थानों से काम करते हुए धोखाधड़ी योजनाएं चलाई।

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि रेमन ख़वेस भूटानी एक संपत्ति नं 129, क्षेत्रफल 35 वर्ग गज, खसरा नंबर 303, स्थित ग्राम सैदुलाजैब, तहसील साकेत (एमबी रोड) के लाल डेरा की आबादी में नई दिल्ली-110017 उपरोक्त संपत्ति कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड द्वारा बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज़ मूल मुख्तारनामा दिनांक 25.09.1994 क्रमांक संख्या 3060 कही खो गए हैं, और एलआर नं0 37267/2022 पर 12.01.2022 को दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज किया गया है।
यदि किसी व्यक्ति(ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा हैं, तो हमें इस नोटिस की तारीख से 10 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा कि किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।
राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली-11001
Mob.: +8076188328

PUBLIC NOTICE
To be known to all that I, Mrs. Sheila Tahil Ramani W/o Sh. Gautam T. Ramani R/o Flat No.C-1A, Ground Floor, Gangotri Enclave, Alaknanda, New Delhi-110019 owner of DDA SFS Flat No.C-1A, Ground Floor, Gangotri Enclave, Alaknanda, New Delhi-110019 vide File No. F 52(204)82/ SFS/ALB /III has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold in DDA. The original document i.e Fifth & Final Demand Letter, Possession Letter, NOC Electricity & Water and Site Possession Slip etc., of the above said flat have been lost. An NCR to this effect has been lodged in Police Station.
Any person (s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original document, contact with above named person at above address/phone No.9891166096 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to **Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D Block 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi**

KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
PUBLIC NOTICE
We, Kotak Mahindra Bank Limited, (KMBL), for our Bank Office and other related business, desire to take on Lease for the period of 18 (Eighteen) years the property, more particularly described in the schedule hereunder written, owned by owners as mentioned herein below.
Public at large and all the concerned, private individuals, government/ semi-government institutions / bodies / authorities, if have got any right, title, interest, or share in the property herein mentioned or anybody who has objection for the aforesaid transaction are herewith publicly informed to raise his/her/their objection/s in writing with copies of all the supportive documents to the undersigned within 7 (Seven) days from publication of this public notice. If the objections are not received by the undersigned in writing along with copies of all supportive documents within 7 (Seven) days from publication of this public notice, then it will be construed that the title to the said property are clear and that all such concerned have waived their rights and all such concerned shall be estopped from raising any objections thereafter and that we shall proceed thereafter further in the execution of the Lease Deed or such agreements and all such persons shall be estopped from raising any objections to such transaction thereinafter.

Description of the Property to be taken on Lease	Owner
ALL THAT the piece and parcel of Commercial property being Showroom/Office Space No. 805, admeasuring 891.00 sq.fts (approx.) Super Area, and Space No. 806, admeasuring 976.00 sq.fts (approx.) Super Area, on 8th Floor, having Total super area 1867.00 sq.fts (approx.) Super Area, in the said commercial Complex called "JMD Regent Square" constructed on a piece of land measuring 2.18125 Acres comprising of Mustatil No. 38, Khasra No. 8(8-0), 13(8-0), 18/1/2(1-09), situated in Village Sarhaul on Mehrauli-Gurgaon Road, Distt. Gurgaon -122002.	Mr. Lalit Gulati S/o Late. J. N. Gulati **Having residence at:** 1 Avenue, Gulmohar, Westend Greens, Rajokari, New Delhi-110038

Legal Department
Kotak Mahindra Bank Limited.
Kotak Infinity, 5th Floor, Building No.21, Infiniti Park, off Western Express Highway, General A K Vaidya Marg, Malad (East), Mumbai 400097

हूती के कब्जे वाले जहाज पर सवार सात भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर सवार सात भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चालक दल और जहाज को तत्काल रिहा करने की अपील की है। इस जहाज को हूती विद्रोहियों ने बंधक बना लिया है। यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जनवरी को होदीदा बंदरगाह पर रवाबी नाम के जहाज को बंधक बना लिया था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, हम यमन में सैन्य अभियानों के निरंतर तीव्र होने से चिंतित हैं। पिछले कुछ वर्षों में सना, मारिब और शाब्वा में भीषण झड़पें शांति की संभावनाओं को कमजोर कर रही हैं। यमन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को तिरुमूर्ति ने चिंता जताई कि इस महीने की शुरुआत में होदीदा तट पर संयुक्त अरब अमीरात के रवाबी जहाज को बंधक बनाने से पहले से चल रहा तनाव और बढ़ेगा। तिरुमूर्ति ने कहा, हम इस कृत्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं जिसने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। जहाज में सवार चालक दल के सदस्यों में सात भारतीय नागरिक भी शामिल हैं और हम उनकी सुरक्षा तथा कुशलक्षेम को लेकर बहुत चिंतित हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ने भारत के खिलाफ कात्सा प्रतिबंध हटाने का समर्थन किया

वाशिंगटन। अमेरिका मे रिपब्लिकन पार्टी के एक शीर्ष सांसद ने रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद के लिए भारत के खिलाफ काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैक्शंस एक्ट (कात्सा) के तहत प्रतिबंधो मे छूट करने का समर्थन करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन को ऐसी किसी भी कार्वाई का विरोध करना चाहिए जो भारत को क्वाड से दूर कर सकता है। सांसद टॉड यंग ने कहा कि भारत को वर्तमान मे रूस एस-400 प्रणाली की आपूर्ति कर रहा है। देश रूस से नए जंगी जहाजो को प्राप्त करने की प्रक्रिया मे भी है। उन्होने बुधवार को प्रतिबंध नीति के लिए विदेश विभाग के संयोजक के पद पर जेम्स ओ ब्रायन के नाम की पुष्टि को लेकर सुनवाई के दौरान कहा, ए दोनो भारतीयो के लिए महत्वपूर्ण प्रणाली है। यंग ने कहा, चीन के खिलाफ हमारी प्रतिस्पर्धा मे भारत एक महत्वपूर्ण सहयोगी है और इसलिए मेरा मानना है कि हमे ऐसी किसी भी कार्वाई का विरोध करना चाहिए जो उन्हें हमसे और क्वाड से दूर कर सकता है।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the public at large, on behalf of our client, Mr. Suresh Chand Rathore S/o Mr. Ram Ji Lal R/o H.No.72/A, Shyam Nagar Near Chandiwala State, Okhla Industrial Estate S.O. South Delhi-110020. ("Owner") Mr. Suresh Chand Rathore was the owner of schedule property from Mr. Vijender Kumar by virtue of Sale Deed which was duly registered with the concerned Sub-Registrar-VI (C), Delhi, as Document No. 10255, in Addl. Book No.1, Volume No. 803, on pages 161-169, on 10.05.2006/ 10.05.2006/23.06.2006 is stated to have been lost, an FIR dated 11.01.2022 (Police Station: Crime Branch, Delhi) bearing LR No. 34796/2022 was also lodged. **(LOST SALE DEED DOCUMENTS)** Public are warned not to deal with the Document and any person receiving or dealing with the said Document would do so at their own risk and responsibility (including criminal liability) and our client shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person (s) on account of any such unauthorized dealing, our client will proceed to take such action including applying to concerned authorities for issue of duly Certified Copies/Certified True Copies/ Duplicate Copies of the Document.
Schedule Property
Entire Ground Floor without Roof Rights, Built up Property No.-26, Pocket No-10, Sector-20, area measuring 48 sq. mtrs., situated at Rohini, Delhi
Sachin Maheshwari & Associates (SMA)
Sachin Maheshwari - Advocate
Saket court, New Delhi
Mobile: 9911380328, 011-42236352

KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
PUBLIC NOTICE
We, **Kotak Mahindra Bank Limited, (KMBL),** for our Bank Office and other related business, desire to take on Lease for the period of 12 (Twelve) years the property, more particularly described in the schedule hereunder written, owned by owners as mentioned herein below.
Public at large and all the concerned, private individuals, government/ semi-government institutions / bodies / authorities, if have got any right, title, interest, or share in the property herein mentioned or anybody who has objection for the aforesaid transaction are herewith publicly informed to raise his/her/their objection/s in writing with copies of all the supportive documents to the undersigned within 7 (Seven) days from publication of this public notice. If the objections are not received by the undersigned in writing along with copies of all supportive documents within 7 (Seven) days from publication of this public notice, then it will be construed that the title to the said property are clear and that all such concerned have waived their rights and all such concerned shall be estopped from raising any objections thereafter and that we shall proceed thereafter further in the execution of the Lease Deed or such agreements and all such persons shall be estopped from raising any objections to such transaction thereinafter.

Description of the Property to be taken on Lease	Owner
ALL THAT the piece and parcel of Commercial property being Unit no. 1 and 2 on 1st Floor, having super area 3791.00 sq.fts, approx. & Carpet area 2296.00 sq.fts., approx, in the said commercial Complex called "JMD Regent Square" constructed on a piece of land measuring 2.18125 Acres comprising of Mustatil No. 38, Khasra No. 8(8-0), 13(8-0), 18/1/2(1-09), situated in Village Sarhaul on DLF Phase-II, Mehrauli-Gurgaon Road, Distt. Gurgaon-122002.	M/s. JMD Ltd. **Having registered office at:** 3rd floor, JMD square, M.G. Road, Gurgaon, Haryana-122002.

Legal Department
Kotak Mahindra Bank Limited.
Kotak Infinity, 5th Floor, Building No.21, Infiniti Park, off Western Express Highway, General A K Vaidya Marg, Malad (East), Mumbai 400097

स्वच्छता पर जोर

तीन साल में 384वें से चौथे स्थान पर पहुंचकर नोएडा ने स्वच्छ सर्वेक्षण में सबसे स्वच्छ मध्यम शहर का खिताब जीता।

हम सभी सबसे स्वच्छ संभव परिवेश में रहने की इच्छा रखते हैं, लेकिन शायद ही कभी इसका स्वामित्व लेते हैं। नोएडा, एनसीआर का एक हिस्सा, जो निवासियों और व्यवसायों दोनों के लिए एक सुनियोजित वैश्विक शहर के रूप में उभर रहा है, ने सभी तेजी से विकासशील शहरों के लिए अपने धैर्य, दृढ़ संकल्प और जिम्मेदारी के चमत्कारी प्रदर्शन के साथ एक उदाहरण स्थापित किया है। भारत में स्वच्छता, स्वच्छता और स्वच्छता के वार्षिक सर्वेक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में शहर ने हाल ही में सबसे स्वच्छ मध्यम शहर (तीन से 10 लाख की आबादी) हासिल किया है।

नोएडा सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में पहले स्थान का हकदार है, और मुझे उम्मीद है कि सभी एनजीओ इसे पूरा करने के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे। नोएडा के इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना के लिए एचसीएलएफ की क्लीन नोएडा परियोजना को बहुत-बहुत धन्यवाद। एचसीएलएफ की गांवों को संवेदनशील बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने में बहुत बड़ी भूमिका है कि यह आंदोलन नोएडा के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचे। स्वच्छ सर्वेक्षण सर्वेक्षण 2021 में प्राप्त उच्च रैंक 2018 की तरह एक चमत्कारी जीत है, शहर 384 वें स्थान पर था और अब देश में चौथा सबसे स्वच्छ है।

यह फाउंडेशन द्वारा महीनों के संगठित और संरचित प्रयासों का परिणाम है। नागरिकों में व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए ऑन-ग्राउंड अभियान और घर-घर जागरूकता सर्वेक्षण किए गए।

सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से कचरे को अलग करने और ठोस कचरे के प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया था। एचसीएलएफ ने न केवल अभियान के माध्यम से कर्मचारियों और निवासियों को प्रशिक्षित किया, बल्कि कूड़ेदान, संग्रह गाड़ियां भी वितरित की और दीवार कला और भित्तिचित्रों के माध्यम से शहर के सौंदर्यीकरण गतिविधियों में शामिल था।

''स्वच्छ नोएडा परियोजना शहर भर में 90 से अधिक आरडब्ल्यूए के साथ काम करती है। इन क्षेत्रों के निवासी फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई पहल और ज्ञान के लिए आभारी हैं। व्यवहार में बदलाव लाने में सालों लग जाते हैं। नोएडा को एक स्वच्छ शहर के रूप में उभरने के लिए क्लीन नोएडा 2018 से कड़ी मेहनत कर रहा है। हमारा उद्देश्य विकास, स्वच्छता को देखना और लोगों को शांति और सद्भाव में रहना सुनिश्चित करना है'', लक्ष्मी नारायण, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए, सेक्टर 19 ने व्यक्त किया।

शहर को पांच सितारा कचरा मुक्त शहर रेटिंग भी मिली है, जो 2020 में 3 सितारा कचरा मुक्त शहर रेटिंग प्राप्त करने से एक उच्च उपलब्धि है। उन्होंने अपने चाकचक गांव पहल के हिस्से के रूप में लगभग 8 गांवों को गोद लिया है। इन क्षेत्रों को आदर्श गांवों में बदलने के लिए कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयास किया है। गांव के घरों के अपने कंपोस्टिंग गड्ढे हैं और उन्हें शून्य अपशिष्ट गांवों में बदलने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जागरूकता को बनाए रखने के लिए बाजार स्थानों, गांवों और आरडब्ल्यूए में जश्न के कार्यक्रम हुए हैं। स्वच्छता ईश्वरत्व के समान है - यह कहावत जीवंत हो जाती है जब आप क्लीन नोएडा टीम को कार्य करते हुए देखते हैं। कोई केवल यह आशा कर सकता है कि पूरा देश उनके अनुकरणीय कार्यों से प्रेरणा ले।

स्मार्ट समाधानों के साथ सफलता

कृष्ण पाल गुर्जर ने भेल के इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन में पावर प्लांट फ्लेक्सिबिलाइजेशन - ए की टू ग्रिड स्टेबिलिटी पर एक वेबिनार का उद्घाटन किया।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में, केंद्रीय बिजली और भारी उद्योग राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने पावर प्लांट फ्लेक्सिबलाइजेशन - ए की टू ग्रिड स्टेबिलिटी और इंडस्ट्री 4.0 - स्मार्ट सॉल्यूशंस के साथ सफलता पर एक वेबिनार का उद्घाटन किया। भेल के इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बेंगलुरु में आयोजित किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन वेबिनार में भेल के ग्राहक संगठनों, उद्योग संघों और प्रौद्योगिकी भागीदारों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। 800 से अधिक प्रतिभागियों ने वेबिनार में लॉग-इन किया, जबकि कई अन्य लोगों ने वेबकास्ट मोड के माध्यम से कार्यवाही देखी।

इस अवसर पर बोलते हुए, गुर्जर ने कहा कि भेल उत्पादों और सेवाओं सहित बिजली और औद्योगिक क्षेत्रों में बेहतर इंजीनियरिंग सिस्टम प्रदान करके देश की प्रगति की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली संयंत्र का लचीलापन और उद्योग 4.0 का कार्यान्वयन कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर जोर देने के साथ बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है और कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि बीएचईएल ने ग्राहकों के लिए बिजली संयंत्र के लचीलेपन और उद्योग 4.0 के क्षेत्रों में समाधान पेश करना शुरू कर दिया है।.

इससे पहले, बीएचईएल के सीएमडी डॉ नलिन सिंघल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भेल ने देश की ढांचागत जरूरतों को पूरा करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं और इस दिशा में किए गए कई विकासों का उल्लेख किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भेल के इलेक्ट्रॉनिक्स

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन वेबिनार में भेल के ग्राहक संगठनों, उद्योग संघों और प्रौद्योगिकी भागीदारों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। 800 से अधिक प्रतिभागियों ने वेबिनार में लॉग-इन किया, जबकि कई अन्य लोगों ने वेबकास्ट मोड के माध्यम से कार्यवाही देखी।

डिवीजन, बेंगलुरु ने बिजली संयंत्रों और कर्षण के लिए नियंत्रण प्रणाली और आईटी-आधारित समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

के वीएस बाबा, सीएमडी, पोसोको; सामी रीक्कोला, वाल्मेट ऑटोमेशन, फिनलैंड के अध्यक्ष और बी सी मलिक मुख्य अभियंता, सीईए, एनटीपीसी, वाल्मेट ऑटोमेशन, स्टीग, आईईएसए, आईआईटी-चेन्नई और भेल के अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं के अलावा।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी

आशीष दीक्षित का कहना है कि यह वर्ष भारतीय शिक्षा क्षेत्र में तेजी से प्रौद्योगिकी को अपनाने वाला है।

बातचीत में दुनिया भर की शिक्षा प्रणालियों को सामने लाएं और भारत का उल्लेख नहीं करना मुश्किल होगा। 250 मिलियन से अधिक स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ, हमारे देश में दुनिया भर में सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है। महामारी ने हमें कठोर रूप से याद दिलाया कि कैसे हमारे जैसे देश को छात्रों के लिए एक संकर स्थिति की आवश्यकता है जहां वे ऑफ़लाइन और ऑनलाइन सीख सकें।

पहले सीमित स्वीकृति का सामना करने के बाद, एड टेक स्टार्ट-अप्स ने सन पोस्ट-सीओवीआईडी ????-19 में अपना पल पाया। पिछले पांच वर्षों में, इस उद्योग ने लगभग चार अरब डॉलर का निवेश प्राप्त किया है और अगले 10 वर्षों में 30 अरब डॉलर तक विस्तार करने का अनुमान है।

शैक्षिक संस्थानों को दूरस्थ शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, इस बीच, एड टेक स्टार्ट-अप के पास न केवल आवश्यक उपकरण थे बल्कि विशेषज्ञता भी थी जो हमारे पारंपरिक शिक्षा संस्थानों के जोखिम को कम करने में मदद करती थी। डिजिटल लर्निंग ने उन सभी लोगों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं जिनके पास इंटरनेट कनेक्शन के साथ स्मार्टफोन है, जिससे वे कभी भी, कहीं भी सीखने, फिर से कौशल और अप-कौशल सीख सकते हैं।

एड टेक स्टार्ट-अप से बाहर आने के लिए सबसे शक्तिशाली बात यह है कि शिक्षार्थियों को अपनी अध्ययन सामग्री को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित करने का विकल्प मिलता है, और शिक्षकों और संस्थानों के लिए उद्यमी बनने का मौका मिलता है।

कई एड टेक ट्रेंड शिक्षा के बदलने के तरीके को प्रभावित कर रहे हैं। एक के लिए, वर्चुअल क्लासरूम एक ऐसी चीज है जिसकी हम अधिक उम्मीद कर सकते हैं और इसकी आदत डाल सकते हैं।

पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थान डिजिटल रूप से संचालन के तकनीकी आराम को पकड़ रहे हैं। पहले लॉकडाउन के बाद, उनमें से बहुतों ने सीखा और अपने प्रशासनिक और परिचालन कार्यों को ऑनलाइन करना सीख रहे हैं। चाहे वह वार्षिक कैलेंडर हो, उपस्थिति, परीक्षण, असाइनमेंट, या शुल्क लेनदेन, यह सब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रबंधित करना और ट्रैक करना आसान हो गया है।

सीखने को एक रोमांचक और मजेदार अनुभव बनाने के लिए खेलों और सिमुलेशन को शैक्षिक उपकरण के रूप में लिया जा रहा है। ब्लॉकचेन तकनीक यह सुनिश्चित करती है कि रिकॉर्ड रखने, लेन-देन आदि के लिए उपयोग किए जाने वाले एप्लिकेशन पारदर्शी और सुरक्षित हों।

ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), और एक्सटेंडेड रियलिटी (एक्सआर) को लागत प्रभावी और विश्वसनीय बनाने के लिए बहुत काम किया जा रहा है ताकि ऑनलाइन सीखने को एक इमर्सिव अनुभव बनाया जा सके। जब भारत में इसके और अधिक सामान्य होने का समय आएगा, तो यह निश्चित रूप से हर जगह शैक्षिक संरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

जैसे-जैसे दुनिया नियमित पाठ्यक्रम से आगे बढ़ती है और केवल एक डिग्री से अधिक कौशल विकास की आकांक्षा रखती है, हम 2022 के शैक्षिक परिदृश्य में तेजी से तकनीकी अपनाने की उम्मीद कर सकते हैं। सीआरएम (ग्राहक संबंध प्रबंधन) और एलएमएस (लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम) में निवेश जारी है। वृद्धि। जहां सीआरएम नामांकन प्रक्रियाओं के प्रबंधन के लिए फायदेमंद है, एलएमएस प्रशासन, प्रलेखन, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और पाठ्यक्रमों के वितरण में मदद करता है।

शिक्षा क्षेत्र में एआर बाजार 2023 तक 5.3 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। इसलिए, हम उम्मीद कर सकते हैं कि इस तकनीक का अधिक उपयोग किया जाएगा और 2022 में और विकसित होगा। एआर के पास वीआर की तुलना में 2022 में अपनाने का एक बेहतर मौका है क्योंकि बाद वाले को एक अलग हेडगियर की आवश्यकता होती है, और पूर्व स्मार्टफोन के साथ अधिक संगत है।

डिजिटल सीखने को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक अन्य लोकप्रिय विधि 'गैमिफिकेशन' है जो एक गैर-गेम संदर्भ में एक गेम के तत्वों और सिद्धांतों के उपयोग को संदर्भित करती है। यह क्या करता है शिक्षार्थियों के लिए कठिन चीजों को सीखना मजेदार बनाता है। यह उन्हें अपने जुड़ाव के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। पॉइंट स्कोरिंग, पीयर कॉम्पिटिशन, टीम वर्क, प्रोग्रेस इंडिकेटर्स, प्लेयर कंट्रोल जैसे तत्वों को आने वाले वर्ष में और अधिक एकीकृत होते देखा जा सकता है। हम सभी सहमत हो सकते हैं कि एड टेक के लिए पिछले दो वर्ष मील के पत्थर के वर्ष थे, लेकिन 2022 वह वर्ष होगा जब चीजें डिजिटल सीखने के लिए एक निश्चित आकार लेती हैं क्योंकि अधिक शैक्षणिक संस्थान एक ही पृष्ठ पर आते हैं।

(लेखक माय ट्यूटर हब के संस्थापक अध्यक्ष हैं।

मास्क नहीं तो मेट्रो नहीं

यात्रियों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए सेलिब्रिटीज मेट्रो रेलवे के %नो मास्क नो मेट्रो% अभियान में शामिल हुए हैं। फिल्म निर्देशक संदीप रॉय, थेस्पियन देबशंकर हलदर, सुभासिस मुखर्जी, अभिनेता परन बंद्योपाध्याय, अभिनेत्री रिताभरी चक्रवर्ती, गायक राघव चट्टोपाध्याय और सैकत मित्रा, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बंगाल के कोच अरुण लाल, पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मी रतन शुक्ला, बंगाल रणजी कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव स्नेहाशीष गांगुली, पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी मिहिर बोस, प्रशांत बनर्जी, कृष्णेंदु रॉय और सैयद रहीम नबी और भारतीय फुटबॉल संघ के सचिव जॉयदीप मुखर्जी

यात्रियों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए मशहूर हस्तियों ने कोलकाता मेट्रो रेलवे के साथ हाथ मिलाया है।

इस अभियान में भाग ले रहे हैं। अपने वीडियो संदेशों में, उन्होंने मेट्रो उपयोगकर्ताओं से हमेशा मास्क ठीक से पहनने और सभी कोविड प्रोटोकॉल को बनाए रखने का अनुरोध किया है। ये संदेश मेट्रो स्टेशनों के प्लेटफॉर्म टीवी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चलाए जा रहे हैं।

12 जनवरी को दमदम, बेलगछिया, श्यामबाजार, सोवाबाजार-सुतनुती, गिरीश पार्क, महात्मा गांधी रोड, सेंट्रल, चांदनी चौक, एस्प्लेनेड, पार्क स्ट्रीट, मैदान, रवींद्र सदन, नेताजी भवन, जतिन दास पार्क, कालीघाट, रवींद्र सरोबर, महानायक उत्तम कुमार, मास्टरदा सूर्य सेन, कवि नजरूल, कवि सुभाष स्टेशन और साथ ही साथ चल रहे महानगरों के अंदर। मेट्रो आरपीएफ इस घातक

वायरस के बारे में मेट्रो यात्रियों को जागरूक करने के लिए उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम मेट्रो के सभी 33 स्टेशनों के साथ-साथ अंदर चलने वाली ट्रेनों में 'नो मास्क नो मेट्रो' अभियान चला रहा है। इन अभियानों में, ऑन-ड्यूटी आरपीएफ कर्मचारी सभी से अनुरोध करते रहे हैं कि वे हमेशा मास्क को ठीक से पहनें, सामाजिक दूरी बनाए रखें और मेट्रो परिसर में अन्य सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन लाउड हैलर की मदद से करें।

ऑन-ड्यूटी स्टेशन के कर्मचारी भी यात्रियों से ट्रेनों के अंदर, बुकिंग काउंटरों के सामने और प्लेटफॉर्म पर सामाजिक दूरी बनाए रखने का अनुरोध कर रहे हैं। सभी स्टेशनों के पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से नियमित घोषणाएं भी की जा रही हैं, जिसमें यात्रियों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे सभी कोविड प्रोटोकॉल को बनाए रखने के लिए मेट्रो प्राधिकरण और सह-यात्रियों के साथ सहयोग करें।

अवसंरचना परियोजनाएं

राइट्स लिमिटेड ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सहयोग करने और तलाशने के लिए एसएमईसी समूह के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कंसल्टेंसी और इंजीनियरिंग कंपनी राइट्स लिमिटेड ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सहयोग करने और तलाशने के लिए एसएमईसी ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन राइट्स और एसएमईसी को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने, पहचानने, आगे बढ़ाने और संयुक्त रूप से निष्पादित करने के लिए सहयोग और सहयोग करने में सक्षम करेगा। यह दोनों कंपनियों को संचालन को अनुकूलित करने और वैश्विक स्तर पर विस्तार करने के लिए एक-दूसरे की विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने की अनुमति देगा। यह सहयोग विभिन्न सरकारी/अर्ध सरकारी/स्वायत्त निकायों या प्राधिकरणों/निजी संस्थाओं/बहुपक्षीय-वित्त पोषण एजेंसियों में उत्पन्न होने वाले परामर्श अवसरों की खोज सहित ज्ञान साझा करने और व्यावसायिक प्रस्तावों के विकास की सुविधा प्रदान करेगा।

समझौता ज्ञापन राइट्स और एसएमईसी को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने, पहचानने, आगे बढ़ाने और संयुक्त रूप से निष्पादित करने के लिए सहयोग और सहयोग करने में सक्षम करेगा।

ऋषभ पंत ने लगाया आकर्षक शतक

भारतीय टीम दूसरी पारी में 198 रन बना सकी, द. अफ्रीका जीत से 111 रन दूर

●भारतीय बल्लेबाजों का फ्लाप शो जारी

भाषा । केपटाउन

ऋषभ पंत की विषम परिस्थितियों में खेली गई नाबाद शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के सामने 212 रन का लक्ष्य रखकर बैकफुट पर चल रहे भारत ने गुरुवार को यहां तीसरे दिन आखिरी क्षणों में डीन एल्गर का कीमती विकेट निकालकर तीसरे और निर्णायक टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी धुंधली उम्मीदें जीवंत रखी। दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 101 रन बनाए और वह अब लक्ष्य से 111 रन पीछे है। अपनी पहली पारी में 223 रन बनाने वाली भारतीय टीम दूसरी पारी में 198 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 210 रन बनाए थे। तीन मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबरी पर है।

भारत अब चौथे दिन सुबह के सत्र में तेजी से विकेट निकालकर हावी होने की कोशिश करेगा लेकिन उसके सामने कीगन पीटरसन सबसे बड़ी बाधा होगी जिन्होंने क्रीज पर पांव जमाने के बाद प्रवाहमय बल्लेबाजी की। वह अभी 48 रन पर खेल रहे हैं। उन्होंने एल्गर (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। पंत ने 139 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने विराट कोहली (143 गेंदों पर 29 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिसमें भारतीय कप्तान का योगदान 15 रन था। भारत का यह टेस्ट मैचों में ऐसा सबसे कम स्कोर है जिसमें शतक भी शामिल है।

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को जेनसन (36 रन देकर चार) कैगिसो रबाडा (53 रन देकर तीन) और लुंगी एनगिडी (21 रन देकर तीन) सफल गेंदबाज रहे। पंत ने उस समय क्री पर कदम रखा जब भारत चार विकेट पर 58 रन के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। इसके बाद रन बनाने का पूरा जिम्मा पंत ने उठाया। दूसरे टेस्ट में खराब शॉट खेलने के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे पंत ने अच्छी गेंदों को सम्मान दिया लेकिन खराब गेंदों को नहीं बख्शा।

पंत ने इस पारी में लापरवाह नहीं बल्कि बेपरवाह बल्लेबाजी की है। बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज पर तीन छक्के और डुआने ओलिवियर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौके से पंत के सकारात्मक खेल का पता चलता है। दक्षिण अफ्रीका के सामने बड़ा लक्ष्य नहीं था लेकिन एडेन मार्कराम (16) किसी भी समय सहज नहीं दिखे। उन्होंने शमी की लगातार दूसरी गेंद पर ढीला शॉट खेलकर तीसरी स्लिप में केएल राहुल को कैच दिया। इससे पहली वाली गेंद स्लिप कॉर्डन से ही चार रन के लिए गई थी। शमी ने श्रृंखला में चौथी बार मार्कराम को आउट किया।

भारतीयों ने बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की लेकिन एल्गर और पीटरसन ने सहजता से बल्लेबाजी की। रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर एल्गर साफ पगबाधा लग रहे थे लेकिन रीप्ले से पता चला कि गेंद स्टंप के ऊपर से निकल रही थी। कोहली हालांकि डीआरएस के फैसले से खुश नहीं दिखे और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी इस पर नाखुशी जताई। जसप्रीत बुमराह ने दिन के अंतिम ओवर में एल्गर को पंत के हाथों कैच कराया लेकिन इसके लिए भारत को डीआरएस का सहारा लेना पड़ा। इससे पहले भारत ने सुबह दो विकेट पर 57 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने 10 मिनट के अंदर चेतेश्वर पुजारा (नौ) और अजिंक्य रहाणे (एक) के विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद कोहली ने संयम और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति बनाकर पंत के साथ पहले सत्र में भारत को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया। कोहली हालांकि दूसरे सत्र में अपनी एकाग्रता बरकरार नहीं रख पाए और आखिर में ढीला शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया। एनगिडी की गेंद ऑफ स्टंप से काफी बाहर जा रही थी लेकिन कोहली ने उसे ड्राइव करने का प्रयास किया और दूसरी स्लिप में मार्कराम ने बहुत अच्छी तरह से उसे कैच में बदला। कोहली ने अपने कल के स्कोर में आज 15 रन जोड़े। पंत को इसके बाद दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। कोहली के पवेलियन लौटने के बाद अश्विन (सात) को जीवनदान मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और एनगिडी के अगले शिकार बने। शार्दुल ठाकुर (पांच) ने भी निराश किया और एनगिडी की बाहर जाती गेंद पर विकेट के पीछे कैच दिया। उमेश यादव (शून्य) ने यही काम रबाडा की गेंद पर किया।

पंत ने ऐसे में अपने पास अधिक स्ट्राइक रखी और इस बीच उन्हें दो जीवनदान भी मिले। जब शमी (शून्य) भी आउट हो गए तब पंत ने जेनसन की गेंद पर एक रन लेकर अपना चौथा टेस्ट शतक पूरा किया। वह दक्षिण अफ्रीका में शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर हैं। उनका सैकड़ा पूरा होने के बाद बुमराह (दो) आखिरी विकेट के रूप में पवेलियन लौटे। पंत ने जहां आलोचकों का मुंह बंद किया वहीं रहाणे और पुजारा फिर से असफल रहे। पुजारा ने जेनसन की उठती गेंद लेग साइड में खेलनी चाही लेकिन कीगन पीटरसन ने लेग स्लिप में बड़ी खूबसूरती से उसे कैच कर दिया। इसके बाद रबाडा की उठती गेंद रहाणे के दस्तानों को चूमकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्ताने से लगकर हवा में उछली और डीन एल्गर ने बाकी काम पूरा किया।

शतकीय पारी के दौरान एक गेंद को बाउंड्री के लिए भेजते ऋषभ पंत

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 223

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 210

भारत दूसरी पारी: केएल राहुल का मार्कराम बो जेनसन 10, मयंक अग्रवाल का एल्गर बो रबाडा 07, चेतश्वर पुजारा का पीटरसन बो जेनसन 09, विराट कोहली का मार्कराम बो एनगिडी 29, अजिंक्य रहाणे का एल्गर बो रबाडा 01, ऋषभ पंत नाबाद 100, रविचंद्रन अश्विन का जेनसन बो एनगिडी 07, शार्दुल ठाकुर का वेरेन बो एनगिडी 05, उमेश यादव का वेरेन बो एनगिडी 00, मोहम्मद शमी का वान डर डुसेन बो जेनसन 00, जसप्रीत बुमराह का बावुमा बो जेनसन 02

अतिरिक्त (बाई 08, लेग बाई 09, नोबॉल 09, वाइड 02) 28

कुल (67.3 ओवर में, सभी आउट) 198

विकेट पतन :1-20, 2-24, 3-57, 4-58, 5-152, 6-162, 7-170, 8-180, 9-189

गेंदबाजी: रबाडा 17-5-53-3, ओलिवयर 10-1-38-0, जेनसन 19.3-6-36-4, एनगिडी 14-5-21-3, महाराज 7-1-33-0

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : एडेन मार्कराम का राहुल बो शमी 16, डीन एल्गर का पंत बो बुमराह 30, कीगन पीटरसन खेल रहे हैं 48

अतिरिक्त (लेग बाई 06, नोबॉल 01) 07

कुल (29.4 ओवर में, दो विकेट पर) 101

विकेट पतन : 1-23, 2-101

गेंदबाजी : बुमराह 9.4-3-29-1, शमी 7-0-22-1, उमेश 2-0-5-0, ठाकुर 5-1-17-0, अश्विन 6-1-22-0

एल्गर के विवादास्पद डीआरएस के बाद कोहली ने स्टंप माइक की मदद से निराशा जतायी

केपटाउन। भारतीय कप्तान विराट कोहली और उनके साथियों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन आखिरी 45 मिनट के खेल के दौरान उस वक्त आपा खो दिया जब प्रतिद्वंद्वी कप्तान डीन एल्गर विवादास्पद डीआरएस निर्णय के कारण पवेलियन लौटने से बच गए। दक्षिण अफ्रीकी पारी के 21वें ओवर में रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर एल्गर साफ पगबाधा लग रहे थे लेकिन रीप्ले से पता चला कि गेंद स्टंप के ऊपर से निकल रही थी। कोहली हालांकि डीआरएस के फैसले से खुश नहीं दिखे और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी इस पर नाखुशी जताई। भारतीय खिलाड़ियों को पता था कि स्टंप माइक में उनकी हर बातचीत रिकॉर्ड हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। इस दौरान किसी भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि पूरा देश 11 खिलाड़ियों के खिलाफ है। तो वही दूसरे खिलाड़ी ने कहा कि प्रसारणकर्ता यहां पैसे बनाने के लिए है। एक और भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि माइक्रोफोन हमारी बातों को रिकॉर्ड कर रहा है। अश्विन भी प्रसारक की बॉल-ट्रैकिंग तकनीक पर कटाक्ष करने से खुद को रोक नहीं पाए, उन्होंने कहा कि सुपरस्पोर्ट आपको जीतने के बेहतर तरीके खोजने चाहिए। इस पर कोहली ने कहा कि सिर्फ विरोधी टीम पर ही नहीं, अपनी टीम पर भी ध्यान दें। हर समय लोगों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

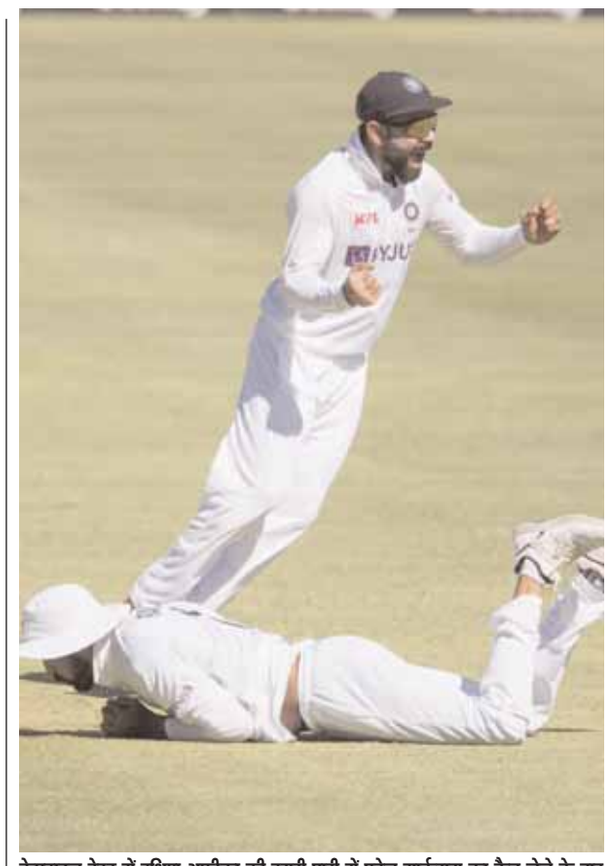
केपटाउन टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में एडेन मार्कराम का कैच लेने के बाद कप्तान विराट कोहली के साथ जश्न मनाते लोकेश राहुल

पुजारा व रहाणे को अब और मौका मिलना मुश्किल

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार विफलता के बाद कुछ दिन पहले अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे सोशल मीडिया पर पुराने (पुजारा और रहाणे के नाम से मिल कर बना) हैशटैग के साथ ट्रेंड कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर छह पारियों में पांच बार विफल होने के बाद एक बार फिर से सोशल मीडिया पर दोनों के खिलाफ काफी कुछ लिखा जा रहा है। टीम प्रबंधन लंबे समय से इन बातों को नजरअंदाज कर रहा है लेकिन इस दौरे के बाद उनके लिए भी इन दोनों का बचाव करना मुश्किल होगा।

हनुमा विहारी, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल (पिंडली की चोट से उबर रहे है) को अंतिम एकादश से बाहर रखते हुए फरवरी-मार्च में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भी अगर इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों को जगह मिली तो यह एक उपहास होगा।

केपटाउन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में जब टीम को इन दोनों बल्लेबाजों से सबसे ज्यादा मदद की जरूरत थी तब वे एक बार फिर से असफल रहे। पुजारा (नौ रन) ने मार्को जेनसन की उठती गेंद लेग साइड में खेलनी चाही लेकिन कीगन पीटरसन ने लेग स्लिप में बड़ी खूबसूरती से उसे कैच कर लिया।

साइना को युवा मालविका ने हराया, सिंधू क्वार्टरफाइनल में

इंडिया ओपन बैडमिंटन

भाषा। नई दिल्ली

साइना नेहवाल के खिलाफ खेलतीं मालविका

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि मालविका बंसोड़ ने अपनी आदर्श साइना नेहवाल को हराया। पूर्व चैम्पियन और 2012 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना को 20 वर्ष की मालविका बंसोड़ ने 21-17, 21-9 से हराया। विश्व रैंकिंग में 111वें स्थान पर काबिज बंसोड़ को दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को हराने में 34 मिनट लगे। इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधू ने हमवतन ईरा शर्मा को 21-10, 21-10 से हराया। अब उनका सामना अष्मिता चालिहा से होगा जिसने याएले होयाउ को 21-17, 21-14 से मात दी। बंसोड़ का सामना भारत की आकर्षि कश्यप से होगा। आकर्षि ने हमवतन केयुरा मोपाटिन को 21-10, 21-10 से शिकस्त दी।

महिला एकल के अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मैचों में सिंगापुर की तीसरी वरीयता प्राप्त जिया मिन एओ ने अनुपमा उपाध्याय को 13-21, 21-17, 21-12 से हराया, जबकि अमेरिका की लॉरेन लैम ने तान्या हेमंत को 21-18, 21-11 से हराया। प्रणय को वॉकओवर मिला क्योंकि मिथुन मंजूनाथ ने कोरोना पॉजिटिव होने के कारण टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया। प्रणय का सामना लक्ष्य सेन से होगा। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेन ने स्वीडन के फेलिक्स बुस्टेट को 21-12, 21-15 से हराया। समीर वर्मा के अभियान का भी दूसरे दौर में अंत हो गया जिन्होंने मांसपेशी में खिंचाव के कारण कनाडा के ब्रेन यांग के खिलाफ मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया। दिन के अन्य मैचों में, पुरुष एकल विश्व चैंपियन लोह कीन यू ने जू वेन सूंग को 21-12, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने हमवतन श्याम प्रसाद और एस.सुंजीत को 32 मिनट में 21-9, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला सिंगापुर के ही योंग काई टेरी और लोह कीन हेन की गैरवरीय जोड़ी से होगा।

श्रीकांत और छह अन्य खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टूर्नामेंट से हटे

नई दिल्ली। इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गया है जब विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत समेत सात भारतीय खिलाड़ियों ने पॉजिटिव पाए जाने के बाद नाम वापिस ले लिया। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने तड़के इसकी घोषणा की जिसके बाद भारतीय बैडमिंटन महासंघ ने नामों का खुलासा किया। श्रीकांत के अलावा अश्विनी पोनप्पा, रितिका राहुल ठकार, त्रिशा जॉली, मिथुन मंजूनाथ, सिमरन अमन सिंह और खुशी गुप्ता भी संक्रमित पाए गए हैं। बीडब्ल्यूएफ ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ी बृहस्पतिवार को हुए अनिवार्य आरटी पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए। इनके युगल जोड़ीदारों ने भी करीबी संपर्क में रहने के कारण नाम वापिस ले लिया। इसमें कहा गया कि इनकी जगह दूसरे खिलाड़ियों को मुख्य ड्रा में शामिल नहीं किया जाएगा। इनके विरोधियों को अगले दौर में वॉकओवर मिलेगा। एन सिक्की रेड्डी, ध्रुव कपिला, गायत्री गोपीचंद, अक्षन शेट्टी और काव्या गुप्ता को भी टूर्नामेंट से नाम वापिस लेना पड़ा हालांकि वे पॉजिटिव नहीं थे लेकिन करीबी संपर्क में थे। सिक्की महिला युगल में अश्विनी की जोड़ीदार है जबकि ध्रुव मिश्रित युगल में सिक्की के साथ खेलते हैं। अक्षन और सिमरन मिश्रित युगल जोड़ीदार हैं जबकि काव्या और खुशी महिला युगल जोड़ीदार हैं। इससे पहले 2019 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता बी साइ प्रणीत, युगल विशेषज्ञ मनु अत्री और ध्रुव रावत ने दिल्ली रवाना होने से पहले संक्रमित होने के कारण नाम वापिस ले लिया था।

एनआईएस पटियाला में आठ और मुक्केबाज कोविड से संक्रमित

नई दिल्ली। एनआईएस (राष्ट्रीय खेल संस्थान) पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में आठ और मुक्केबाजों का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया है जिससे संक्रमितों की संख्या 26 पर पहुंच गई है लेकिन इन सभी में मामूली लक्षण पाए गए हैं।

बुधवार को 12 मुक्केबाजों और सहयोगी स्टाफ के छह सदस्यों का परीक्षण पॉजिटिव आया है। इस सूची में गुरुवार को आठ अन्य मुक्केबाजों के नाम जुड़ गए। इस तरह से अब संक्रमित मुक्केबाजों की संख्या 20 हो गई है। राष्ट्रीय शिविर से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई से कहा, मुख्य मुक्केबाज सुमित और रोहित मोर तथा उनके छह अभ्यास जोड़ीदार का परीक्षण पॉजिटिव आया है। शिविर जारी रहेगा और जिनका परीक्षण पॉजिटिव आया है वे पृथकवास पर हैं और उनमें मामूली लक्षण है। यह दूसरी लहर जैसी स्थिति नहीं है।

अंडर-19 विश्व कप में एकाग्रता बनाए रखना जरूरी: ऋषिकेश कानितकर

भाषा। जॉर्जटाउन (गयाना)

भारतीय अंडर-19 टीम के मुख्य कोच ऋषिकेश कानितकर ने कहा कि विश्व कप के दौरान उनकी टीम छोटे लक्ष्य निर्धारित कर, उस पर काम करेगी। अंडर-19 विश्व कप में भारत की समृद्ध विरासत रही है और कानितकर उसे जारी रखने की कोशिश करेंगे। अंडर-19 विश्व कप वेस्टइंडीज में शुक्रवार से शुरू हो रहा है। भारत अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से करेगा।

कानितकर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, भारत ने इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे टीम की विरासत शानदार रही है। इससे नए टूर्नामेंट में मदद नहीं मिलती है लेकिन हम चार बार चैम्पियन रहे है। यह एक नई टीम है, इसलिए आपको नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। उन्होंने कहा कि हम आईपीएल नीलामी और रणजी ट्रॉफी जैसी चीजों को बहुत आगे नहीं देखना चाहते। हमें हालांकि फिलहाल सिर्फ इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि हम इस टूर्नामेंट में क्या कर सकते हैं। हम, एक कोचिंग इकाई के रूप में यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे कि वह इस छोटी अवधि में क्या कर सकते है। जैव सुरक्षित माहौल की मुश्किल परिस्थितियों में खेलने के बारे में पूछे जाने पर भारत के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि शिकायत करने से अच्छा है कि हम इसकी आदत डाले।

आईसीसी ने कार्यक्रम में बदलाव को दी मंजूरी

दुबई। अफगानिस्तान के विलंब से वेस्टइंडीज पहुंचने के कारण आईसीसी को अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप सी के कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा है। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि यात्रा के लिए जरूरी वीजा हासिल करने के बाद अफगानिस्तान टीम वेस्टइंडीज पहुंचेगी और पृथकवास की अवधि पूरी करेगी। आईसीसी की टूर्नामेंट तकनीकी समिति ने कार्यक्रम में बदलाव को मंजूरी दे दी है। समिति में आईसीसी टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटली, आईसीसी सीनियर इवेंट मैनेजर फवाज बख्श, टूर्नामेंट निदेशक रोलैंड होल्डर और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि एलेन विल्किंस और रसेल अर्नाल्ड शामिल हैं। टेटली ने कहा कि हमें खुशी है कि अफगानिस्तान टीम ने जरूरी वीजा हासिल कर लिया है और वह टूर्नामेंट में भाग लेगी। उन्होंने कहा कि हमने ग्रुप सी के कार्यक्रम में बदलाव किया है ताकि निर्धारित समय में सारे मैच हो सके।

राजपक्षे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला वापस लिया

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के दस दिन बाद अपना फैसला बदलते हुए आगामी वर्षों में देश की तरफ से खेलने के लिए खुद को उपलब्ध रखा है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन जनवरी को श्रीलंका क्रिकेट को अपना त्यागपत्र सौंपकर संन्यास लेने की घोषणा की थी। लेकिन हाल में श्रीलंका के खेल मंत्री नमल राजपक्षे से मुलाकात के बाद उन्होंने अपना मन बदल लिया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, खेल मंत्री नमल राजपक्षे के साथ एक बैठक करने और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के साथ परामर्श के बाद भानुका राजपक्षे ने एसएलसी को सूचित किया है कि वह अपना त्यागपत्र तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहते हैं जो उन्होंने तीन जनवरी 2022 को एसएलसी को सौंपा था।

वीजा अनिश्चितता के बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस का ड्रा निकला

नोवाक जोकोविच पहले दौर में हमवतन खिलाड़ी से भिड़ेंगे

●महिला वर्ग में दो शीर्ष खिलाड़ी टूर्नामेंट के चौथे दौर में भिड़ सकती हैं

एपी। मेलबर्न

नोवाक जोकोविच को अब पता है कि अगर उन्हें खेलने की अनुमति मिलती है तो वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब का बचाव करने के लिए पहले दौर में हमवतन सर्बियाई खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच से भिड़ेंगे। जोकोविच की वीजा स्थिति साफ नहीं होने के कारण गुरुवार को ड्रा कार्यक्रम को 75 मिनट तक विलंब किया गया।

इसके बाद हालांकि पुरुष और महिला एकल ड्रा निर्धारित किए गए। जोकोविच का मामला हालांकि अब भी अधर में है। ऑस्ट्रेलिया के आव्रजन मंत्री अभी विचार कर रहे हैं कि क्या नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन को निर्वासित किया जाए, जिन्होंने कोविड-19 के खिलाफ टीका नहीं लगवाया है। अगर उन्हें रहने दिया जाता है, तो पुरुषों के रिकॉर्ड 21 वें प्रमुख खिताब के लिए जोकोविच क्वार्टर फाइनल में सातवें नंबर के माटेओ बेरेटिनी का सामना कर सकते है जबकि सेमीफाइनल में उनका मुकाबला राफेल नडाल या तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हो सकता है। अमेरिकी ओपन में जीत के साथ जोकोविच के कैलेंडर ग्रैंडस्लैम के सपने को पूरा करने से रोकने वाले दानिल मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी वरीयता दी गई है। वह ड्रा के दूसरे ब्रैकेट में है। पिछले साल यहां फाइनल तक का सफर तय करने वाले मेदवेदेव एक बार फिर खिताब के दावेदार होंगे।

वह दूसरे दौर में स्थानीय दावेदार निक किर्गियोस का सामना कर सकते है जबकि क्वार्टर फाइनल में उनके सामने रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज एंड्री रुबलेव, नंबर नौ फेलिक्स ऑगर-एलियासेम या जॉन इस्नर में से किसी की चुनौती हो सकती है।

उन्हें सेमीफाइनल में चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास की चुनौती मिल सकती है। महिलाओं की ओर से शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी और गत चैंपियन नाओमी ओसाका ड्रा के एक ही ब्रैकेट में है। जिसका अर्थ है कि टूर्नामेंट के दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चौथे दौर के मैच में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं। क्वार्टर फाइनल में इन खिलाड़ियों का सामना रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज मारिया सकारी या नौवें नंबर की खिलाड़ी ओन्स जबूर से हो सकता है। फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेजसिकोवा और रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज पाउला बडोसा ड्रा के एक ही ब्रैकेट में हैं। इसी ब्रैकेट में 2020 चैंपियन सोफिया केनिन भी हैं जिनके सामने शुरुआती दौर में हमवतन अमेरिकी मैडिसन कीज की चुनौती होगी।

वह तीसरे दौर में रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज कोको गॉ का सामना कर सकती है। ड्रा के दूसरे ब्रैकेट में दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबलेंका वाइल्ड-कार्ड धारक एंट्री स्टॉर्म सैंडर्स के खिलाफ पहले दौर में भिडेंगी। वह सेमीफाइनल में डब्ल्यूटीए फाइनल्स विजेता गार्बाइन मुगुरुजा का मुकाबला कर सकती है।